जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 16 संख्याः 229 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 23 जून, 2024 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सिर्फ इंसान ही ऐसे नहीं हैं जो दूध में भीगी रोटी या चाय में बिस्कुट डुबाकर खाना पसंद करते हैं, कुछ कॉकटू (काकातुआ) भी खाने से पहले अपने भोजन को गीला करते हैं। युनिवर्सिटी ऑफ विएना के शोधकर्ताओं ने पहली बार देखा कि, गॉफिन्स कॉकटू अपना भोजन पानी में डूबोकर खाते हैं, बिल्कुल वैसे ही जैसे कुछ लोग चाय में बिस्कुट डुबाते हैं। शोधकर्ताओं ने बायॉलजी जर्नल में लिखा है कि, किस तरह से उन्होंने पक्षीशाला में पक्षियों के कटोरों में रस्क, सूखे फलों के टुकड़े और पक्षियों के भोजन के पैलैट्स रखे, वहाँ पास में पानी भरे टब भी रखे हुए थे। बारह दिन चली रिसर्च में टीम ने रिकॉर्ड किया कि, पक्षियों ने अपना खाना पानी में डुबोया, क्या डुबोया, कितनी देर तक डुबोए रखा, और क्या फिर वो खाना खाया। टीम ने पाया कि, 18 में से 7 कॉकटू ने कम से कम एक बार तो अपना भोजन अवश्य गीला किया और दो पक्षियों ने तो हर बार रस्क को पानी में भिगोकर ही खाया। भिगोए जाने वाले भोजन में रस्क सबसे आम था। कभी-कभी इन पक्षियों ने बनाना चिप्स तथा सूखे नारियल चिप्स को भी पानी में डुबोया। टीम ने बताया कि, पक्षियों का यह विशिष्ट व्यवहार रस्क के प्रति अधिक था, जो कड़ा होता है, पर जल्दी से पानी सोख लेता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि, सातों कॉकटू ने भोजन कितनी देर तक डुबोया, इस अवधि में अंतर था। कुछ ने तो काफी देर तक रस्क पानी में डुबोए रखा। शोधकर्ताओं ने कहा, पक्षियों ने रस्क को इसलिए डुबोया क्योंकि, शायद वे इसे नर्म करना चाहते थे, इस व्यवहार से लगता है कि, वे भोजन तैयार करने के बारे में जानते हैं। शोधकर्ताओं का मानना है कि, इस प्रक्रिया में, भोजन खाने की लालसा पर नियंत्रण रखने की ज़रुरत होती है, क्योंकि संतुष्टि मिलने में देर होती है, इसलिए पक्षियों का यह व्यवहार, भोजन के संदर्भ में उनकी चतुरता को दर्शाता है। शोध में बताया गया कि, चूँकि भोजन डुबोकर खाने की यह प्रवृत्ति जंगलों के इनके प्राकृतिक आवास में नहीं देखी गई है, इसलिए हमें लगता है कि, यह तत्क्षण ही किया गया "इनोवेशन" हो सकता है।

इंडिया गठबंधन प्रो-टैम स्पीकर की सहायतार्थ गठित पैनल में अपने सांसद नहीं भेजेगा?

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, प्रो-टैम स्पीकर भर्तृहरि मेहताब की मदद के लिए गठित सांसदों के पैनल में इण्डिया गठबंधन से कांग्रेस सांसद के. सुरेश, टी.एम.सी. के सुदीप बंदोपाध्याय व डी.एम.के. सांसद टी.आर. बालू को मनोनीत किया है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। इंडिया ब्लॉक से तीन विपक्षी नेताओं को अध्यक्ष के पैनल के लिए नामित किया गया था जो प्रो-टैम स्पीकर भर्तृहरि महताब को सहयोग करने वाले थे। इन सूत्रों के हवाले से खबर है कि विपक्षी सांसद पैनल से अपना नाम वापस लेने वाले हैं।

यह स्थिति इसलिए उत्पन्न हुई है क्योंकि विपक्षी दलों को प्रो-टैम स्पीकर के रूप में भर्तृहरि महताब की नियुक्ति पर आपत्ति की है।

महताब, उड़ीसा की कटक सीट से भाजपा के सदस्य हैं, उन्हें संविधान के अनुच्छेद 91(1) के तहत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रो-टैम स्पीकर के पद पर नियुक्त किया है, वे 26 जून को लोकसभा का स्थायी अध्यक्ष चुने जाने तक लोकसभा के पीठासीन अधिकारी के रूप में अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करेंगे। विशेष संसद सत्र के दौरान प्रो-टैम स्पीकर लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ ग्रहण कराएंगे, इस दौरान उनके सहयोग के लिए अध्यक्षों के एक पैनल की भी घोषणा की जाएगी।

विपक्षी दलों के सूत्रों से खबर है कि विपक्षी दलों से तीन सांसद- कांग्रेस नेता के. सुरेश, टी.एम.सी. सांसद सुदीप बंदोपाध्याय तथा डी.एम.के. नेता टी.आर.बालू- का नाम प्रो-टैम स्पीकर को सहयोग करने वाले पैनल में रखा गया था, अब वे इस पैनल से हटने पर विचार कर रह हैं।

इस पैनल में भाजपा से लोकसभा सदस्य राधा मोहन सिंह व फग्गन सिंह कुलस्ते भी शामिल सदस्य हैं।

कांग्रेस के अनेक नेताओं ने प्रो-टैम स्पीकर पद पर महताब की नियुक्ति को लेकर आपत्तियां प्रकट की है क्योंकि कांग्रेस के सांसद के. सुरेश का सदन में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इंडिया गठबंधन के ये तीनों सांसद पैनल की सदस्यता स्वीकार करेंगे।
- इंडिया गठबंधन का कहना है कि, कांग्रेस के केरल से सांसद के. सुरेश आठ बार लोकसभा के सदस्य रहे हैं। अतः सुरेश को प्रो-टैम स्पीकर न बनाकर ओडिशा से भाजपा के सांसद भर्तृहरि, जो सात बार ही सांसद बने हैं, को प्रो-टैम स्पीकर बनाना परम्परा का उल्लंघन है।
- अतः उल्लंघन के विरोध में, इंडिया गठबंधन प्रो-टैम स्पीकर की मदद के लिये गठित वरिष्ठ सांसदों के पैनल की सदस्यता अस्वीकार कर रहा है।
- संसदीय मामलों के मंत्री रिजीजू ने सरकार को सही बताते हुए कहा कि, सुरेश आठ बार तो सांसद निर्वाचित हुए हैं, पर, वे लगातार सांसद नहीं रहे हैं। वे 1998 से 2004 के बीच चुनाव हारने के कारण, सांसद निर्वाचित नहीं हुए थे।

क्या टी.एम.सी. व कांग्रेस में "अब्बा" हो गयी?

टी.एम.सी. नेता ममता बनर्जी ने, कांग्रेस पार्टी की वायनाड से प्रत्याशी प्रियंका गांधी वाड्रा के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए अपनी सहमति दी

-श्रनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। आगामी संसद सत्र से पहले कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस ने अपने आपसी मतभेदों का समाधान कर लिया है। पश्चिम बंगाल की मुख्य मंत्री ममता बनर्जी ने कांग्रेस के इस सुझाव को मान लिया है कि वे वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा के लिए चुनाव प्रचार करेंगी।

लोकसभा चुनावों के चरणबद्ध चुनाव प्रचार अभियान के दौरान और उसके बाद दोनों पार्टियां वस्तुत आपसी खींचतान में उलझी हुई थी और अधीर रंजन चौधरी कई बार तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ निशाना साध चुके थे। चुनावी प्रक्रिया की समाप्ति के बाद भी कोई तालमेल नजर नहीं आया था। चुनावों के परिणाम के बाद टी.एम.सी. में दूसरे नम्बर के पदाधिकारी अभिषेक बनर्जी विभिन्न मुद्दों पर इंडिया गठबंधन के सदस्यों के साथ सक्रियता से मेलमिलाप करते देखे गए थे। परन्तु कांग्रेस के साथ नहीं। परिणामों के बाद बनर्जी सबसे पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से मिले उसके बाद उन्होंने आप पार्टी के नेता राघव चड्ढा से मुलाकात की।

उसके बाद अभिषेक मुम्बई में उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने गए। इस सप्ताह के प्रारंभ में, टीएमसी का एक प्रतिनिधि मंडल, जिसमें कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष व साकेत गोखले शामिल थे, ने एग्जिट पोल पर स्टॉक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पी. चिदम्बरम् कोलकाता जाकर, मु.मंत्री ममता बनर्जी से उनके ऑफिस में मिले, तथा प्रियंका गांधी के लिए प्रचार करने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने उनका सुझाव स्वीकार करते हुए अपनी सहमति दी।
- यह घटनाक्रम चौंकाने वाला इसलिए है, क्योंकि, लोकसभा चुनाव के दौरान ही नहीं, वरन, मतदान के बाद भी दोनों पार्टियों में तलवार खिचीं हुई थीं।
- टी.एम.सी. के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भी सपा के अखिलेश यादव व आप के राघव चड्ढा से मुलाकात करके, इंडिया गठबंधन में अपना ग्रुप बनाने की चेष्टा की थी, जिसमें कांग्रेस शामिल नहीं थी।
- इसके बाद टी.एम.सी. का प्रतिनिधि मण्डल, मुम्बई जाकर शरद पवार से मिला, और एग्ज़िट पोल के मार्फत स्टॉक एक्सचेंज में हेराफेरी व घोटाले की जांच के लिए, मुम्बई में प्रदर्शन आयोजित किया।
- पर, प्रदर्शन में कांग्रेस आमंत्रित नहीं थी, हालांकि, राहुल गांधी ने सबसे पहले इस मुद्दे पर जे.पी.सी. गठित करने की मांग उठायी थी।
- "अब्बा" होने का सुबूत यह भी है कि, कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी कहना शुरु किया कि, उनकी ममता बनर्जी से लड़ाई व्यक्तिगत नहीं, तथा उन्होंने 2011 में सोनिया गांधी को राय दी थी कि, मार्क्सवादी पार्टी से लड़ने के लिये ममता बनर्जी से गठबंधन करना चाहिए, क्योंकि ममता बनर्जी ही एक मात्र विश्वसनीय चेहरा हैं, बंगाल में।

भाजपा ने तमिलनाडू के मु.मंत्री से इस्तीफा मांगा

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। तमिलनाडू सरकार अवैध शराब दुखान्तिका को लेकर दबाव में है और विपक्षी दल अन्नाद्रमुक तथा भाजपा के प्रहार झेल रही है। तमिलनाडू के कल्लाकुरिची जिले के करूणापुरम में जहरीली शराब का सेवन करने के बाद अब तक 55 लोगों की मौत हो चुकी है।

शराब दुखान्तिका के बाद मुख्य विपक्षी पार्टी बनने की जद्दोजहद भी शुरु हो चुकी है और अन्नाद्रमुक ने इस मामले में बाजी मारते हुए इस प्रकरण को विधानसभा के भीतर और बाहर सड़कों पर बड़े सशक्त तरीके से उठाते हुए राज्य के मद्यनिषेध एवं आबकारी मंत्री एस. मुथुस्वामी के इस्तीफे की मांग की। भाजपा ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा का कहना है कि, तमिलनाडू में हुई शराब दुखांतिका में 55 लोग मारे जा चुके हैं और इसकी नैतिक जिम्मेदारी मुख्यमंत्री स्टालिन की है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने एक अमेरिकी कंपनी से अनुबंधन किया

यह कंपनी राज्य सरकार को प्रदेश की वित्तीय स्थिति को स्वस्थ व चुस्त बनाने में मदद करेगी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। कर्नाटक सरकार द्वारा अमेरिका की एक कन्सल्टिंग फर्म को हायर करने को लेकर एक तीखी बहस छिड़ गई है। दरअसल, कर्नाटक सरकार कांग्रेस की गारंटियों को लागू करने के बाद अस्त व्यस्त हुई अपनी वित्तीय स्थिति का चुस्त-दुरूस्त बनाने के लिए इस फर्म की मदद ले रही है, लेकिन विपक्षी भाजपा का मानना है कि "विदेशी फर्म की मदद लेना शासन की बागडोर ईस्ट इण्डिया कंपनी को सौंपने के समान है।"

कर्नाटक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाय. विजेन्द्र ने राज्य सरकार के इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए उसे "अनैतिक एवं चौंका देने वाला" बताया। विजेन्द्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर लिखी एक पोस्ट में कहा कि "कर्नाटक की कांग्रेस सरकार स्वयं को प्रभावी ढंग से अनुपयुक्त एवं अक्षम घोषित कर रही है। जब राज्य सरकार किसी विदेशी एजेंसी के दिशा निर्देशों से संचालित होती है, तब लोक कल्याण की भावना गौण हो जाती है और निर्दोष नागरिक ही पीड़ा भुगतते हैं।"

कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुण्डूराव ने राज्य सरकार के निर्णय की तरफदारी करते हुए कहा कि भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री ने इसी कन्सल्टिंग फर्म के अलावा मैकिन्से, के.पी.एम.जी. तथा डैलॉइट आदि विदेशी फर्मों की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कर्नाटक के भाजपाध्यक्ष ने इस अनुबंधन को "ईस्ट इंडिया कंपनी" की वापसी की संज्ञा दी।
- भाजपा ने यह भी कहा कि, जब भी विदेशी कंपनी, कब और कैसे और कितने टैक्स लगाने की सलाह देती है, प्रदेश के मध्यम वर्ग व कमज़ोर वर्ग को सबसे ज्यादा कष्ट उठाना पड़ता है, क्योंकि, सभी वैलफेयर स्कीम्स को रोक देने की पहली सलाह होती है।
- कांग्रेस ने प्रत्युत्तर में कहा कि, प्र.मंत्री मोदी ने भी अपना "2047 विज़न डॉक्युमैंट" तैयार करने के लिये, इसी अमेरिकी कंपनी को जिम्मेवारी सौंपी थीं। इसके अलावा, प्र.मंत्री मोदी समय-समय पर अन्य विदेशी कन्सल्टिंग कंपनियों, मैकिन्सी, के.पी.एम.जी., डलॉइट की सलाह लेते रहे हैं।

नीट पी.जी. प्रवेश परीक्षा टली

नई दिल्ली, 22 जून। केंद्र सरकार ने उच्च चिकित्सा शिक्षा एम.बी.बी.एस. पूरा करने के बाद पी.जी. में प्रवेश के लिए ली जाने वाली नीट पी.जी. एंट्रेस एग्ज़ाम टालने की घोषणा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की नीट पीजी परीक्षा टाल दी गई है। परीक्षा की नयी तिथियां की घोषणा बाद में की जाएगी।

नीट पीजी प्रवेश परीक्षा कल 23 जून को निर्धारित थी। मंत्रालय ने कहा है कि हाल ही की कुछ प्रवेश परीक्षाओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एन.टी.ए. ने नीट पीजी परीक्षा टालने की घोषणा कर दी है। परीक्षा की नयी तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। नीट पीजी प्रवेश परीक्षा 23 जून को निर्धारित थी।

भजनलाल पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने अतिक्रमण हटाओ अभियान अपने विधानसभा क्षेत्र से शुरु किया

भजनलाल सरकार का स्पष्ट मैसेज है, "अतिक्रमण करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा"

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 जून। राजधानी जयपुर में न्यू सांगानेर रोड से वंदे मातरम मार्ग तक प्रस्तावित 100 फीट सेक्टर रोड पर 251 से ज्यादा अतिक्रमण हटाने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण पिछले 3 दिनों से अभियान चला रहा है।

भले ही यह कार्रवाई राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर हो रही है, लेकिन सांगानेर विधानसभा क्षेत्र, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सीट है, वे यहीं से पहली बार विधायक चुनाव जीते और मुख्यमंत्री भी बने। इसके बावजूद अतिक्रमियों पर सख्त कार्रवाई में उन्होंने कोई राजनैतिक हस्तक्षेप नहीं होने दिया। माना जा रहा है कि, मुख्यमंत्री ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के अतिक्रमियों पर कार्रवाई के जरिए साफ संदेश दिया है कि "जयपुर शहर समेत प्रदेशभर में कहीं भी अतिक्रमण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे फिर कोई भी विधानसभा क्षेत्र क्यों न हो।"

जयपुर, जोधपुर, कोटा समेत तमाम बड़े शहरों में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे और अतिक्रमण करने की समस्या पिछले काफी सालों से लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन कोई भी मंत्री-विधायक अपने क्षेत्र में वोट बैंक की वजह से कार्रवाई नहीं होने देता है, और अतिक्रमण की यह समस्या "नासूर" बन गई।

इसका प्रमुख उदाहरण जयपुर परकोटा है, जब वर्ष 2019 में यूनेस्को ने "जयपुर चारदीवारी" विश्व विरासत सूची में शामिल किया था, तब परकोटे की दीवार से सटे हुए 400 से ज्यादा छोटे-बड़े अतिक्रमण हटाने की सिफारिश की थी, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और तत्कालीन नगर विकास मंत्री शांति धारीवाल ने इन अतिक्रमणों को हटाने के नाम पर चुप्पी साध ली। क्योंकि जयपुर परकोटे में किशनपोल, हवामहल, आदर्श नगर और सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के मंत्री-विधायक थे, जो किसी भी सूरत में अपने वोट बैंक को नाराज़ नहीं करना चाहते थे। कांग्रेस के इन मंत्री-विधायकों के दबाव में परकोटे से अतिक्रमण हटाने का मामला ठंडे बस्ते में चला गया। हालांकि धारीवाल ने जयपुर परकोटे को अतिक्रमण मुक्त करने के बड़े बड़े दावे किए थे, यहां तक कि ड्रोन सर्वे करवाकर चारदीवारी के नज़दीक हो रहे सभी अवैध निर्माणों को चिन्हित करने की बात भी कही थी, लेकिन ये सभी दावे सिर्फ कागजों में ही सिमट कर रह गए।

अतिक्रमण बढ़ने का एक दूसरा प्रमुख कारण यह भी था कि, पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने जयपुर, जोधपुर और कोटा की नगरीय निकायों में अपना महापौर बनाने के लिए परिसीमन के नाम पर वार्डों को छोटा करके वोट बैंक को अपने हिसाब से बांटा था, जिसका कांग्रेस को फायदा भी मिला, लेकिन सत्ता की इस चाहत के कारण अवैध निर्माण और अतिक्रमणों पर कोई एक्शन नहीं लिया। जयपुर शहर के दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जे.डी.ए. प्रशासन ने गत 18 जून से सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान चला रखा है और हीरापथ, बी-2 बाईपास से वंदेमातरम् मार्ग तक 100 फीट सैक्टर रोड सीमा के अतिक्रमण हटाए जा रहे हैं।
- कुल 251 अतिक्रमणों में से 225 कब्जे हटाए जा चुके हैं।
- सरकार की इस कार्यवाही से जयपुर हैरिटेज के उन क्षेत्रों में भी सुगबुगाहट है, जहां लोगों ने परकोटे व अन्य जगहों पर भारी अतिक्रमण कर रखा है।
- ज्ञातव्य है कि, 2019 में जब जयपुर के चार दीवारी क्षेत्र को युनैस्को ने विश्व विरासत घोषित किया था तब परकोटे से सटे 400 छोटे-बड़े अतिक्रमण हटाने की सिफारिश की गई थी, पर तत्कालीन गहलोत सरकार व उनके नगर विकास मंत्री शांति धारीवाल ने इस पर चुप्पी साधे रखी।
- सरकार के ठंडे रूख का कारण था कि, हैरिटेज निगम की चार सीटों पर कांग्रेस विधायक थे और वे अपने वोट बैंक को नाराज़ नहीं करना चाहते थे।

नाबालिग से बार-बार दुष्कर्म करने वाले अभियुक्तों को उम्रकैद

जयपुर, 22 जून। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने तथा पीड़िता को अन्य अभियुक्तों को सौंपने और उसके साथ बार-बार दुष्कर्म करने का सिलसिला चलाने वाले अभियुक्त हंसराज, पवन कुमार और जीतू को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने तीनों अभियुक्तों पर कुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- जिले की पॉक्सो कोर्ट ने तीनों आरोपियों पर 3.25 लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया। अभियुक्तों ने पीड़िता से दुष्कर्म कर वीडियो बनाया और फिर उसे ब्लैकमेल कर अन्य लोगों के पास जाने को मजबूर करने लगे व उससे जेवर व पैसे भी ऐंठ लिये।

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का निर्बाध नियंत्रण हो तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा पेपर लीक नहीं करा सकती

आइये भारत में परीक्षा के संबंध में दो उदाहरण देखते हैं।

पहला, व्यापम घोटाला, जिसे मध्य प्रदेश व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) घोटाला के नाम से जाना जाता है। यह भारतीय इतिहास के सबसे बड़े भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में भ्रष्टाचार के मामलों में से एक है। इस घोटाले में राजनीतिक, नौकरशाही और शैक्षिक तंत्र की मिलीभगत से मेडिकल प्रवेश, भर्ती परीक्षाओं और अन्य शैक्षिणक परीक्षाओं में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं की गईं। फर्जी उम्मीदवारों को परीक्षा में बैठाने, पेपर लीक करने और रिश्वत लेकर चयनित करने जैसी गतिविधियों ने इस घोटाले को उजागर किया। इसकी जांच के दौरान कई संदिग्ध मौतें भी हुईं, जिसने इस घोटाले की गंभीरता को और बढ़ा दिया। इस घटना ने न केवल मध्य प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचाई, बल्कि पूरे देश में शिक्षा और भर्ती प्रणाली की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े किए। अनेक सवाल आज भी अनुत्तिरत हैं।

दूसरा, संघ लोक सेवा आयोग भारत की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षाओं का आयोजन करता है, जिनमें सिविल सेवा परीक्षा, भारतीय वन सेवा परीक्षा, और विभिन्न अन्य केंद्रीय सेवाओं की परीक्षाएं शामिल हैं। संघ लोक सेवा आयोग अपनी सख्त और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है, जिसके कारण इसके पेपर कभी लीक नहीं होते। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा प्रक्रिया में कड़े सुरक्षा प्रबंध, गोपनीयता बनाए रखने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग और उत्तरदायी, ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति शामिल होती है। इन सबके प्रयास से संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाएं निष्पक्ष और विश्वसनीय बनी हुई हैं, जिससे देश भर में इसकी प्रतिष्ठा बनी हुई है और यह एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करती है कि कैसे एक सशक्त परीक्षा प्रणाली संचालित की जा सकती है।

दोनों ही उदाहरण भारत के हैं। व्यापम घोटाला और संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं के मामलों की तुलना में साफ़ अंतर दिखता है। व्यापम घोटाला मध्य प्रदेश में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का कथित प्रतीक है, जिसमें फर्जी उम्मीदवारों, पेपर लीक और रिश्वत के माध्यम से प्रवेश और भर्ती में हेराफेरी किये जाने की जानकारी सामने आई और जो भी गवाह थे सब एक-एक कर दुनिया से चले गए। इसके विपरीत, संघ लोक सेवा आयोग अपनी सख्त और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली के लिए जाना जाता है, जिसमें गोपनीयता और सुरक्षा के कड़े प्रबंध होते हैं। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में अब तक पेपर लीक जैसी घटनाएँ प्राय: नहीं हुई हैं, जो इसकी विश्वसनीयता और निष्पक्षता को साबित करती हैं। इस प्रकार, जहां व्यापम घोटाला शिक्षा प्रणाली की विफलता का उदाहरण है, वहीं संघ लोक सेवा आयोग उत्कृष्ट परीक्षा प्रबंधन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करता है।

यहाँ एक बात साफ़ है कि संस्थाओं में ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठऔर संविधान-निष्ठव्यक्तियों का नियंत्रण हो तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा का पेपर लीक नहीं करा सकती। एक गहरा संदेश यह है कि हमारे शिक्षा और परीक्षा प्रणाली और उसके संचालन में सुधार की आवश्यकता को दर्शाता है। शिक्षा किसी भी देश के समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण की रीढ़ होती है और परीक्षा प्रणाली उसका एक महत्वपूर्ण और अभिन्न हिस्सा होती है। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनाए रखना न केवल छात्रों के भविष्य के लिए आवश्यक है, बल्कि समाज के संपूर्ण विकास और उन्नित के लिए भी महत्वपूर्ण है।

पेपर लीक की समस्या पिछले कुछ वर्षों में एक गंभीर मुद्दा बन गई है। कई महत्वपूर्ण परीक्षाओं के पेपर लीक होने की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे न केवल छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है, बल्कि पूरी शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे हैं। यह समस्या केवल एक परीक्षा की नहीं, बल्कि पूरे समाज की होती है। जब एक परीक्षा का पेपर लीक होता है, तो उसके परिणाम स्वरूप जो असमानता और अन्याय होता है, वह पूरे समाज में असंतोष और अविश्वास का कारण बनता है।

इस समस्या के समाधान के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम यह है कि परीक्षा संचालन और प्रश्नपत्र तैयार करने के कार्य में कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार व्यक्तियों को शामिल किया जाए। कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति अपने कार्य के प्रति पूरी निष्ठा और ईमानदारी से जुटे रहते हैं और किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करते। उनका नैतिक आधार मजबूत होता है और वे समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से समझते हैं। जब कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परीक्षा संचालन का जिम्मा संभालते हैं, तो परीक्षा प्रक्रिया के सभी पहलुओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ जाती है। ये व्यक्ति यह सुनिश्चित करते हैं कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। वे सभी चरणों में सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हैं, जिससे पेपर लीक होने की संभावना बहुत कम हो जाती है। सबसे बड़ी बात यह है कि ऐसे ठोस चरित्र वाले लोग किसी नेता, मंत्री की नाजायज सिफारिश नहीं सुनते।

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का नियंत्रण होना केवल एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक समाजिक और राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। यह न केवल छात्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज के संपूर्ण विकास और उन्नति के लिए भी आवश्यक है। जब कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परीक्षा संचालन का जिम्मा संभालेंगे, तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा का पेपर लीक नहीं करा सकती।

इस संदर्भ में, यह भी महत्वपूर्ण है कि परीक्षा संचालन के सभी चरणों में जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन किया जाए। जब जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन होता है, तो किसी भी व्यक्ति को पूरे प्रक्रिया पर पूर्ण नियंत्रण नहीं होता, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की संभावना कम हो जाती है। इसके अलावा, परीक्षा संचालन के लिए एक समर्पित और कर्तव्यनिष्ठ टीम का गठन किया जाना चाहिए, जो पूरी प्रक्रिया की निगरानी करे और किसी भी प्रकार की अनियमितता को तुरंत पहचान कर उसे रोक सके। नाजायज सिफारिश करने वाले नेताओं, मंत्रियों के विरुद्ध तत्काल वैधानिक कार्यवाही कर जेल का रास्ता दिखाया जाये तो स्थिति में बड़ा सुधार होगा।

डिजिटल निगरानी प्रणाली का उपयोग भी पेपर लीक की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। परीक्षा केंद्रों पर डिजिटल निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को रोका जा सके। इससे न केवल परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि परीक्षा संचालन में पारदर्शिता भी बढ़ती है।

जैसा कि ऊपर कहा गया है, कड़ी सजा का प्रावधान भी पेपर लीक की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पेपर लीक की घटनाओं में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए, ताकि अन्य लोग इससे सबक लें और ऐसी घटनाओं को अंजाम देने से पहले सौ बार सोचें। यह सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त कानून और न्यायिक प्रणाली की आवश्यकता है, जो ऐसे मामलों में त्वरित और प्रभावी न्याय प्रदान कर सके। इसके अलावा, शिक्षा संस्थानों और सरकार को भी अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाना होगा। शिक्षा संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके सभी शिक्षक और कर्मचारी कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार हों। उन्हें नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जाना चाहिए और उनकी जिम्मेदारियों के प्रति उन्हें जागरूक किया जाना चाहिए। बेईमानों के विरुद्ध तत्काल विधिक कार्यवाही कर जेल का रास्ता दिखाना चाहिए।

सरकार को भी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। सरकार को न केवल सख्त कानून और नीतियाँ लागू करनी चाहिए, बल्कि शिक्षा संस्थानों को आवश्यक संसाधन और समर्थन भी प्रदान करना चाहिए, जिससे वे परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित और पारदर्शी बना सकें। सरकार को अपने नेताओं, मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश देना चाहिए कि नाजायज सिफारिश मात्र ही उन्हें उनके पद से हटाने का पर्याप्त आधार होगा। कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं होना चाहिए।

समाज के सभी हिस्सों को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली का अनुभव कर सकें। जब समाज के सभी हिस्से मिलकर काम करेंगे और अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारियों को निभाएंगे, तभी हम इस समस्या का स्थायी समाधान खोज सकते हैं।

कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तियों का नियंत्रण होना केवल एक नैतिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक समाजिक और राष्ट्रीय आवश्यकता भी है। यह न केवल छात्रों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि समाज के संपूर्ण विकास और उन्नति के लिए भी आवश्यक है। जब कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति परीक्षा संचालन का जिम्मा संभालेंगे, तो दुनिया की कोई ताकत परीक्षा का पेपर लीक नहीं करा सकती।

इस दिशा में ठोस कदम उठाने से ही हम अपने शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और गरिमा को पुनः स्थापित कर सकते हैं। परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए कर्तव्यनिष्ठ और जिम्मेदार व्यक्तियों का होना अनिवार्य है। यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या भ्रष्टाचार की संभावना न हो।

यह केवल एक शिक्षा प्रणाली की बात नहीं, बल्कि पूरे समाज की बात है। जब हमारे समाज में सभी लोग अपने कर्तव्यों के प्रति निष्ठावान होंगे और अपने कार्यों को ईमानदारी से करेंगे, तभी हम एक निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की स्थापना कर सकेंगे। इस दिशा में समाज के सभी हिस्सों को मिलकर काम करना होगा। शिक्षा संस्थानों, सरकार, और समाज के सभी हिस्सों को मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, ताकि हम अपनी शिक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को पुनः स्थापित कर सकें। यह एक लंबी और कठिन प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन यह आवश्यक है। जब हम सभी मिलकर इस दिशा में काम करेंगे और अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारियों को निभाएंगे, तभी हम इस समस्या का स्थायी समाधान खोज सकते हैं।

पार्टी और सरकार कोई रही हो, पिछले 5 वर्षों में देश में लगभग 43 पेपर लीक कांड सामने आए हैं। यह युवाओं के भविष्य के लिए एक गंभीर चुनौती है। ऐसी घटनाएं न केवल शिक्षा और परीक्षा प्रणालियों की विश्वसनीयता को प्रभावित करती हैं, अपितु परीक्षार्थियों के मनोबल और उनके भविष्य के अवसरों पर भी गहरा दुष्प्रभाव डालती हैं। पेपर लीक कांडों की लगातार बढ़ती संख्या ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की तत्काल और गंभीर आवश्यकता है। इसके समाधान के लिए हमें कठोर कानूनों, तकनीकी सुरक्षा उपायों और पारदर्शिता को बढ़ावा देना होगा और साथ ही कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार व्यक्तियों को व्यवस्था में लाना होगा। इन सबके बिना देश के युवा अपने भविष्य के प्रति आश्वस्त नहीं हो पायेंगे और डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ भारत को नहीं मिल पायेगा। बच्चों के भविष्य के साथ निरंतर खिलवाड़ जारी है। नेता और पार्टी कोई भी हों लेकिन यह देश अगर अपने बच्चों को परीक्षा का एक फूलप्रूफ सिस्टम भी नहीं दे पा रहा है तब तो गजब आश्चर्य है और गजब बेइज्जती है। बिल्कुल स्पष्ट है कि हमारे तमाम संस्थान जिन अयोग्य, अकर्मण्य और भ्रष्ट व्यक्तियों से भर गये हैं, उन्हें देशहित में चुन-चुन कर तत्काल निकाल बाहर करना आवश्यक है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भक्तिकाल के सर्वश्रेष्ठ समाज सुधारक सर्वधर्म सुखाय के जनक संत कबीर

डॉ. जे के गर्ग

अनेकों मान्यताओं के अनुसार काशी के एक जुल्लाह नीरू अपनी बीबी नीमा का गोना कराकर लहरतारा तालाब से होते हुए घर आ रहे थे तो उसकी बीबी नीमा को प्यास लगने लगी तब दोनों तालाब पर पानी पीने लगे, तब उन्होंने एक टोकरी में फूल-पत्ते की शय्या पर एक नवजात शिशु को देखा। नीरू-नीमा उस शिशु को उठाकर अपने घर ले आये और उसका लालन-पालन करने लग गये। वहीं बालक कबीर के नाम से प्रख्यात हुआ। इस प्रकार कबीर साहेब का जन्म-स्थान काशी है। कुछ लोगों का विचार है कि नीरू-नीमा को अपने गौना के समय नहीं, किन्तु उसके कई वर्षों के बाद लहरतारा पर बालक को देखा था। सवाल उत्पन्न होता है कि शिशु लहरतारा तालाब पर कहां से आया? इस बारे में मान्यता है कि एक विधवा या कुमारी ब्राह्मणी की कोख से यह शिशु पैदा हुआ था वो समाज से अपमानित होने के भय से नवजात बालक को लहरतारा तालाब पर छोड़ गयी थी। इस तरह से कबीर जन्म से हिन्दू थे किन्तु उनका लालन-पालन मुस्लिम परिवार में हुआ था। बालक कबीर की शादी बचपन में ही कर दी थी। कबीर दास जी की पत्नी का नाम लोई था। कबीर दास जी के पुत्र का नाम कमाल था और पुत्री का नाम कमाली था, यह उनकी रचनाओं द्वारा प्रमाणित होता है। मान्यताओं के अनुसार सद्गुरु कबीर का जन्म विक्रमी संवत 1456 की ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा को काशी में हुआ था। कबीर पंच तत्वों में विलीन माघ शुक्ल एकादशी संवत् 1575 को मगहर में हुए थे। कबीर साहेब ने 120 वर्ष तक सांप्रदायिक सद्भाव का संदेश दिया था। समस्त देश के अंदर 22 जून 2024 को संत कब्बर का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।

कबीर दासजी काशी के गंगा घाट के किनारे रहा करते थे। ऐसा कहा जाता है कि कबीर दास जी गंगा घाट के किनारे बैठे हुए थे तभी वहां पर गुरु रामानंदजी स्नान कर रहे थे रामानंद की नजर कबीर दास पर पड़ी जिसके कारण कबीर के मुंह से राम शब्द निकल पड़ा, इसी राम शब्द को सुनकर गुरु रामानंद अत्यधिक प्रसन्न हुए, तभी से रामानंद ने कबीर दासजी को अपना शिष्य बना लिया। उन्हें शिक्षा दी। इस प्रकार कबीर दास जी के गुरु श्री रामानंद जी थे। संत कबीर की साखियाँ में ज्यादातर कबीर दास जी की शिक्षाओं का उल्लेख मिलता है और उसके सिद्धांतों का वर्णन इस रचना में बखूबी से किया गया है। कबीर दास जी ने अपना सारा जीवन काशी में रहकर ही लोगों के कल्याण के लिए और सामाजिक बुराइयों और कुरीतियों का अंत करने के लिए लगा दिया मृत्यु के समय कबीर दास जी मगहर चले गए जो कि उत्तर प्रदेश में पड़ता है। ऐसा कहा जाता है कि उस समय मगहर में रहने वाले लोगों को नर्क की प्राप्ति होती थी, कबीर दास जी ने इसी अंधविश्वास को झूठा साबित करने के लिए मगहर चले गए। ताकि समाज में फैली हुई अंधविश्वास को जड़ से रोका जा सके।

कबीर की निष्पक्षता, दो टूक कहने का ढंग और बड़े-बड़े रहस्यात्मक गुत्थियों को सरल-सहज उपमाओं के द्वारा व्यक्त करने की शैली की वजह कबीर को भक्ति काल के संतों में प्रमुख संत माना गया है। कबीर मानत थे कि मेरे पास अपना कुछ भी नहीं है। मेरा यश, मेरी धन-संपत्ति, मेरी शारीरिक-मानसिक शक्ति, सब कुछ तुम्हारी ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है तो उसके प्रति ममता कैसी? तेरी दी हुई वस्तुओं को तुम्हें समर्पित करते हुए मेरी क्या हानि है? इसमें मेरा अपना लगता ही क्या है?

कबीर ने बतलाया कि यह तुम्हारी मूर्खता है कि तुम पहले जाति पूछते हो, फिर उसके हाथ का पानी पीते हो। तुम जिस मिट्टी के घर में बैठे हो उसमें सारी सृष्टि समाई हुई है। छप्पन करोड़ यादव और अठासी हज़ार मुनि यहाँ डूब गए और क़दम-क़दम पर गड़े हुए पैग़म्बरों की लाशें सड़कर मिट्टी हो गई है। कबीर कहते हैं कि ये तुम्हारे कर्म हैं जो तुम्हारे सामने आते हैं। शाश्वत सत्य की बातें कहते हुए भी किसी परंपरा से जुड़े रहकर किसी धर्मग्रंथ, ईश्वर-अवतार, पैगंबर आदि की बैसाखी पकड़े रहे, वहाँ कबीर सारी परंपराओं से हटकर सबके सार-तत्व को स्वीकार करते हुए पक्षपात नहि बचन, सबहिं के हित की बातें कहते रहे, वह भी सरे बाजार चौराहे पर खड़े होकर एक अकेला और निद्वन्द्वी। उनकी सत्यनिष्ठा एवं निष्पक्ष ने उनके व्यक्तित्व को ऐसा महनीय मोहक और चुम्बकीय बना दिया था कि जो उनके पास गया, उनका ही होकर रह गया। कबीर देव ऐसे महत्तम संत हैं जो केवल भारतीय परंपरा ही नहीं, अपितु विश्व मानवता के मूल उत्स को पकड़ते हैं और सबको वहीं ले जाना चाहते हैं, जहाँ पहुँचकर वर्ण, वर्ग एवं मत-पंथी गीत सारे भेदभाव निस्सार हो जाते हैं और जहाँ से प्रेम की निर्मल, स्निग्ध और शीतल धारा प्रवाहित होकर सबको सराबोर कर देती है।

पूरी मानवता को आत्मसात करने वाली प्रेम की निर्मल धारा में निमज्जित होकर सत्यनिष्ठ कबीरदेव ऐसे चौराहे पर खड़े हैं, जहाँ सारे रास्ते आकर मिलते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि कबीर में पूरी मानवता का सार समाया हुआ है। कुछ विद्वान कबीर साहेब को आजीवन गृहस्थ बताते हैं और कुछ बताते हैं कि वे पहले गृहस्थ थे किन्तु पीछे से विरक्त हो गये थे।

–डॉ. जे के गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक, कॉलेज शिक्षा जयपुर

नालंदा विश्वविद्यालय के पुनरुत्थान के मायने

प्रो. महेश चंद गुप्ता

सदियों पहले समूचे विश्व के लिए ज्ञान का सागर बने जिस नालंदा को आक्रांताओं ने तहस-नहस कर दिया था, उसका पुनरुत्थान एक बहुत बड़ा और युगांतकारी कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के राजगीर में नालंदा विश्वविद्यालय के नए परिसर का उद्घाटन किया है। इसी के साथ सदियों के बाद नालंदा विश्वविद्यालय पूरे विश्व में ज्ञान के प्रसार के लिए उठ खड़ा हुआ है। 455 एकड़ में 1749 करोड़ की लागत से बना नालंदा का नया परिसर केवल कंकरीट की एक इमारत भर नहीं है, बल्कि इस इमारत के निर्माण से हमारे देश का गौरवशाली इतिहास पुनर्जीवित हुआ है। यह भारत को विश्व गुरु बनाने के लक्ष्य की ओर बढ़ा एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके जरिए समूची दुनिया में ज्ञान की अलख जगाने के साथ-साथ एक नया इतिहास रचा जाना तय हो गया है। तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के महज दस दिन बाद मोदी नालंदा विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में गए हैं। मोदी का नालंदा जाना अनायास नहीं है बल्कि यह उनका पूरे सोच-विचार, विमर्श और चिंतन के बाद लिया गया निर्णय है। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि मोदी जो भी निर्णय करते हैं, उसमें कोई न कोई बड़ा उद्देश्य निहित होता है। मोदी नालंदा के बहाने देश को आगे बढ़ने का संदेश दे रहे हैं। सदियों पहले समूचे विश्व के लिए ज्ञान का सागर बने जिस नालंदा को आक्रांताओं ने जलाकर खाक और तहस-नहस कर दिया था, उसका पुनरुत्थान एक बहुत बड़ा और युगांतकारी कदम है। श्रीराम मंदिर की स्थापना के उपरांत नालंदा हमारे राष्ट्र के पुनरुत्थान का एक और उदाहरण बना है। कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।

नालंदा में मोदी ने कहा भी है कि "मैं नालंदा को भारत की विकास यात्रा के लिए एक शुभ संकेत के रूप में देखता हूं। नालंदा केवल नाम नहीं है। नालंदा एक पहचान है, एक सम्मान है। नालंदा एक मूल्य है, नालंदा मंत्र है, गौरव है, गाथा है। नालंदा है उद्घोष इस सत्य का कि आग की लपटों में पुस्तकें भले जल जाएं लेकिन आग की लपटें ज्ञान को नहीं मिटा सकतीं। नालंदा के ध्वंस ने भारत को अंधकार से भर दिया था। अब इसकी पुनर्स्थापना भारत के स्वर्णिम युग की शुरुआत करने जा रही है।" मोदी ने सच ही कहा है क्योंकि आक्रांताओं ने नालंदा के वैभव को तीन बार नष्ट किया। दो बार इसका पुनर्निर्माण किया गया। प्राचीन मगध साम्राज्य (आधुनिक बिहार) में 5वीं शताब्दी ई. में स्थापित नालंदा विश्वविद्यालय का नाम समूची दुनिया में था। इसमें दुनिया भर के दस हजार विद्यार्थी पढ़ते थे। नालंदा में चिकित्सा, आयुर्वेद, बौद्ध धर्म, गणित, व्याकरण, खगोल विज्ञान और भारतीय दर्शन जैसे विषय पढ़ाए जाते थे। भारतीय गणित के प्रणेता और शून्य के आविष्कारक आर्यभट्ट छठी शताब्दी ईस्वी के दौरान नालंदा के प्रतिष्ठित शिक्षकों में से एक रहे। इतिहासकारों के अनुसार सदियों पहले नालंदा में दाखिला आसान नहीं था। यहां प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को कठिन साक्षात्कार प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्वास व्यक्त किया है कि नालंदा वैश्विक हित का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। मोदी का मिशन है कि भारत, दुनिया के लिए शिक्षा और ज्ञान का केंद्र बने और फिर से विश्व के समक्ष सर्वप्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में पहचाना जाए लेकिन यह मिशन कैसे पूरा होगा, इस पर विचार किए जाने की जरूरत है। नालंदा विश्वविद्यालय भारत की शैक्षिणक विरासत और जीवंत सांस्कृतिक आदान-प्रदान का प्रतीक है। नालंदा का फिर से उठ खड़ा होना निश्चय की खुशी का मौका है। यह हमारे शैक्षिक उत्थान की प्रेरणा बनेगा मगर नालंदा की प्रेरणा तभी काम आएगी, जब हम शैक्षिक उत्थान के लिए समर्पित भाव से काम करेंगे। शैक्षिक उत्थान ही विकसित भारत की संकल्पना को साकार कर सकता है।

मैं चार दशक से ज्यादा समय दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहा हूं। एक शिक्षक के रूप में लंबे अनुभव की बदौलत मेरी यह मान्यता है कि शिक्षा और विकास एक-दूसरे के पूरक हैं। शिक्षा की सीढ़ी पर चढ़कर ही विकास की प्रत्येक मंजिल पर पहुंचा जा सकता है। अगर हम आजादी के सौ साल पूरे होने के अवसर पर वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित देश के रूप में देखना चाहते हैं तो यह शिक्षा की बदौलत ही संभव है लेकिन यह इतना सरल और सहज नहीं है। इसके लिए देश के विश्वविद्यालयों के लिए जमकर काम करना होगा। सरकारी विश्वविद्यालयों को ऊर्जावान बनाना होगा। सभी राज्यों को अपने-अपने विश्वविद्यालयों का ढांचा मजबूत करने के लिए होड़ लगानी पड़ेगी। अभी देश में प्राथमिक शिक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक शिक्षा और सरकारी विश्वविद्यालयों की जो हालत है, वह बेहद चिंताजनक है।

आजादी के बाद सत्तर सालों में शिक्षा को नजरअंदाज ही किया गया है। बजट में शिक्षा के लिए पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए। इसी कारण हमारे सरकारी विश्वविद्यालय और अन्य उच्चतर संस्थान पिछड़ गए। हमारे देश में प्राइवेट विश्वविद्यालय निरंतर विस्तार कर रहे हैं, पैसा कमा रहे हैं लेकिन इसके विपरीत यूजीसी की फंडिंग वाले विश्वविद्यालय पिछड़ रहे हैं। हमारे ज्यादातर विश्वविद्यालयों का बुनियादी ढांचा मजबूत नहीं है। उनमें विश्व स्तरीय स्मार्ट क्लास रूम का अभाव है। अच्छे ऑडिटोरियम, लाइब्रेरी, एकेडमिक ब्लॉक्स और बेहतरीन लैब की कमी खलती है। जो भारत प्राचीन काल में समूचे विश्व में शिक्षा का प्रमुख केन्द्र था, जिस भारत में उच्च शिक्षा के दुनिया के पहले विश्वविद्यालयों में शामिल सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना हुई, उस भारत में विश्वविद्यालयों की मौजूदा स्थिति विचारणीय है। इस वजह से देश में उच्च शिक्षा गुणवत्ता के लिहाज से पिछड़ रही है। धनवान लोगों के बच्चे तो उच्च शिक्षा के लिए विदेश चले जाते हैं और वहीं कॅरियर बनाकर बस भी जाते हैं। आम लोगों के बच्चे प्राइवेट विश्वविद्यालयों में शोषण झेल रहे हैं। यूजीसी फंडिंग वाले विश्वविद्यालयों की स्थिति सुधारी जाए तो हालात बदले जा सकते हैं। ऐसा तभी संभव है, जब हम हमारे विश्वविद्यालयों को वर्ल्ड रैंकिंग में लाएंगे। उन्हें बड़ा ब्रांड बनाने की दिशा में काम करेंगे। हालांकि मोदी सरकार ने शैक्षिक उत्थान के प्रयास शुरू किए हैं। नई शिक्षा नीति इसका प्रमाण है। मोदी मानते हैं कि "जब शिक्षा का विकास होता है तो अर्थव्यवस्था और संस्कृति की जड़ें भी मजबूत होती हैं। हम विकसित देशों को देखें तो पाएंगे कि वे अर्थ, सांस्कृतिक लीडर तब बने, जब वह एजुकेशनल लीडर हुए। आज दुनिया भर के छात्र उन देशों में जाकर पढ़ना चाहते हैं। कभी ऐसी स्थिति हमारे यहां नालंदा और विक्रमशिला जैसे संस्थानों में हुआ करती थी।"

मोदी के पास विजन है, वह व्यापक काम कर रहे हैं और देश का गौरव लौटा रहे हैं। अभी हम जिस कालखंड में जी रहे हैं, वह भारत के लिए क्रांतिकारी, गौरवशाली और बड़े सकारात्मक बदलावों का कालखंड है। पूरी दुनिया हमारी संस्कृति को मान रही है। भारत की गौरवशाली और प्राचीन संस्कृति की तरफ लोगों का रूझान है। पाश्चात्य संस्कृति की ओर खिंचे रहने वाले युवा भी हमारी संस्कृति को पुनः अंगीकार कर रहे हैं। मोदी का सपना भारत को विश्व गुरु बनाने का है। यह सपना शिक्षा की बदौलत सच हो सकता है। आज नालंदा फिर से उठ खड़ा हुआ है। इसी तर्ज पर आगे चलकर समूचे देश के विश्वविद्यालयों को प्रगति पथ पर बढ़ाया जाए। यह काम केवल सरकार या संबंधित विश्वविद्यालय प्रशासन के जिम्मे छोड़ने से नहीं होगा। इसके लिए सबको मिलकर काम करना होगा।

(लेखक प्रख्यात शिक्षा विद्, चिंतक और वक्ता हैं। वह 44 सालों तक दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर रहे हैं।)
-प्रो. महेश चंद गुप्ता

कबीर से ज्यादा साधारण आदमी खोजना कठिन : मुकेश राजस्थानी

बीकानेर, (निसं)। कबीर अनूठे हैं। प्रत्येक के लिए उनके द्वारा आशा का द्वार खुलता है। कबीर से ज्यादा साधारण आदमी खोजना कठिन हैं और अगर कबीर ईश्वर तक पहुंच सकते हैं तो सभी पहुंच सकते हैं। कबीर हर वक्त राम की धुन करते रहते। यह विचार मगनमणि पीठाधीश्वरवारी व संगम संस्थान के केन्द्रीय अध्यक्ष मुकेश राजस्थानी ने कबीर साहेब के 627 वें प्राकट्य दिवस पर व्यक्त किए। राजस्थानी ने कहा कि सद्गुरु कबीर की वाणी आज भी मार्ग दिखाती है। वह सत्य, प्रेम, करूणा के साक्षात स्वरूप महान् युगदृष्टा सद्गुरु हैं। सोच ही कहत और सोच की गहत हो उनका सीधा, सच्चा स्पष्ट मार्ग है।

कबीर साहेब का 627 वां प्राकट्य दिवस मनाया

मगनमणि कबीर संगम संस्थान द्वारा कबीर प्राकट्य दिवस पर संतजनों द्वारा गुरुवाणी के पांच बदावा की प्रस्तुति से कबीर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका श्रद्धामय स्मरण करने वालों में सदाचारी महाराज, संत हरिप्रकाश वाल्मीकि हरजी महाराज, राकेश वाल्मीकि, दिलीप पांडे, अनिल पंडित, रविकांत वाल्मीकि, अजय महाराज, कालू महाराज जावा, छोटू महाराज चांवरिया, गोपाल महाराज, राकेश सियोता, अन्नूप जावा, कुणाल चंदेलिया, अभिषेक वाल्मीकि, राहुल सारवान, अमन पंडित, राजा पंडित, योगेश वाल्मीकि, राहुल सियोता, गोपाल कुंज महाराज आदि थे। कार्यक्रम का संचालन मगनमणि कबीर संगम संस्थान के महामंत्री अभिषेक वाल्मीकि ने किया।

राशिफल रविवार 23 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सांय 5:04 तक, ब्रह्म योग दिन 2:26 तक, तैतिल करण सांय 4:20 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:48 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग सूर्योदय से सांय 5:04 तक है। त्रिपुष्कर योग सांय 5:04 से रात्रि 3:26 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग सांय 5:04 से सूर्योदय तक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:10 से 9:03 तक, लाभ-अमृत 9:03 से 12:29 तक, शुभ 2:11 से 3:54 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:19

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

मिथुन
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कर्क
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। वर्तमान में चल रही परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। पारिवारिक कार्यों के लिए बाहर जा सकते हैं।

कन्या
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है।

तुला
महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में शुभ-धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

भरतपुर में पर्यटन स्थलों के विकास से पर्यटकों की संख्या में तो बढ़ोतरी होगी : जिला कलेक्टर

भरतपुर (निस)। जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट के सभागार में भरतपुर में पर्यटन की संभावनाएं एवं शहर सौंदर्यीकरण के संबंध में बैठक का आयोजन हुआ। जिला कलेक्टर ने कहा कि भरतपुर में पर्यटन स्थलों के विकास से पर्यटकों की संख्या में तो बढ़ोतरी होगी ही साथ ही जिले की आय में भी वृद्धि होगी।

जिला कलेक्टर ने नगर निगम, घना, नगर विकास न्यास एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को पर्यटक स्थलों का विकास कर पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि पर्यटक स्थलों के आसपास एवं मुख्य चौराहों व रास्तों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाये व सौंदर्यीकरण के लिए स्पॉट चिन्हित करते हुए कार्यवाही करें। उन्होंने शहर में पर्यटक स्थलों के पास चौपाटियां विकसित करने एवं अन्य पर्यटक गतिविधियों के संसाधन विकसित करने सहित ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बेहतर करने को कहा। उन्होंने घना निदेशक मानस सिंह को घना में पर्यटकों की वृद्धि के लिए विशेष कार्ययोजना बनाकर आवश्यक कार्य करने सहित ट्रांसपोर्ट, कैंटीन, फुटपाथ सहित आवश्यक सुविधाएं बेहतर करने को कहा। उन्होंने गोल्फ कार्ट, ई-बाईक एवं साइकिल संचालित करने के सम्बंध में निर्देश प्रदान किये। उन्होंने कहा कि भरतपुर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आगरा व मथुरा आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करना आवश्यक है जिसके लिए भरतपुर में बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के साथ उचित दर पर होटल व पर्यटक गतिविधियां उपलब्ध करवाये जाने के सम्बंध में विचार करने की आवश्यकता है।

कलेक्ट्रेट के सभागार में भरतपुर में पर्यटन की संभावनाएं एवं शहर सौंदर्यीकरण के संबंध में बैठक का आयोजन हुआ।

- **जिला कलेक्टर ने नगर निगम, घना, नगर विकास न्यास एवं पर्यटन विभाग के अधिकारियों को पर्यटक स्थलों का विकास कर पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये**

उन्होंने जीर्णशीर्ण ऐतिहासिक इमारतों का जीर्णोद्धार करवाने एवं उनमें रंगरोगन करवाने सहित सौंदर्यीकरण के आवश्यक उपाय अपनाने के निर्देश दिये साथ ही शहर में साइक्लिंग पाथ विकसित करने सहित रेंट पर साइकिल उपलब्ध करवाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को प्रदान किये गये। जिला कलक्टर ने बंध बारैठा क्षेत्र को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए किये जा रहे उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए स्टेक होल्डर्स से सुझाव भी आमंत्रित किये। उन्होंने किशोरी महल, संग्रहालय, गंगा मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, जामा मस्जिद, लोहागढ़ किला, सुजान गंगा, वैर व बयाना के किलों के आसपास के क्षेत्र को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने व इनके उचित देखभाल के सम्बंध में निर्देश प्रदान किये। इस दौरान प्रशिक्षु आईएएस राहुल श्रीवास्तव ने पीपीटी के माध्यम से भरतपुर में पर्यटन की सम्भावनाओं सहित विभिन्न सुधार वाले स्थानों से सम्बंधित कार्ययोजना की जानकारी विस्तार से प्रदान की। घना निदेशक मानस सिंह ने घना में पर्यटकों की सुविधाओं के मद्देनजर किये गये सुधारों व प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए भविष्य की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से बताया।

इस दौरान जिले के होटल एवं रिसोर्ट संचालकों, पर्यटक संस्थानों के संचालकों एवं स्टेक होल्डर्स से संवाद कर फीडबैक प्राप्त किया गया। होटल संचालक दीपराज, तीरथ सिंह, हरेन्द्र सिंह, रूपेन्द्र सिंह, अवधेश अवस्थी, रविन्द्र सिंह, महेश, रनवीर एवं अन्य स्टेक होल्डर्स ने बंध बारैठा में हाउस बोट संचालित करने सहित पर्यटक स्थलों के पास कैफेटेरिया विकसित करने एवं ट्यूयूरिस्ट गाईड व्यवस्था बेहतर करने सहित अन्य सुझाव दिये गये।

उपचार के दौरान महिला की मौत के बाद परिजनों का हंगामा

हिण्डौन सिटी । निजी अस्पताल में ऑपरेशन के बाद महिला की तबीयत बिगड़ने और जयपुर में इलाज के दौरान मौत होने पर परिजनों ने करौली-महवा बाइपास पर जाम लगा दिया। महिला का बच्चेदानी का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के बाद एक यूनिट ब्लड चढ़ाया था कि उसकी तबीयत बिगड़गई। मामला हिंडौन सिटी का है।

नई मंडी थाना प्रभारी रामकिशन यादव ने बताया कि मृतका श्रीमहावीरजी थाना क्षेत्र के अकबरपुर (नौरंगाबाद) निवासी पिंकी जाटव (32) पत्नी साहब सिंह जाटव है। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के पति साहब सिंह ने रिपोर्ट दी है। जिसमें बताया कि उसकी पत्नी पिंकी जाटव के बच्चेदानी का ऑपरेशन कराने के लिए निजी हॉस्पिटल में 19 जून को दोपहर 12 बजे भर्ती कराया गया। जिसमें सोनोग्राफी के बाद शाम को ऑपरेशन किया गया।ऑपरेशन के बाद उसे दो यूनिट में से एक यूनिट ब्लड चढ़ाने के बाद महिला की तबियत बिगड़ने लगी। जिसमें एक दिन बाद 21 जून को यहां से जयपुर के एक निजी हॉस्पिटल के लिए रेफर कर दिया। जिसमें 21 जून की रात 11 बजे महिला की जयपुर के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। जिसके बाद नाराज परिजन शव लेकर आज सुबह हिंडौन पहुंच गए।

परिजन और ग्रामीण हिंडौन में 220 केवी से गुजर रहे महवा-करौली मार्ग स्थित निजी हॉस्पिटल के बाहर इकट्ठा हो गए और शव के साथ हंगामा करने लगे। सड़क पर पत्थर डालकर आवागमन रोक दिया। करीब 3 घंटे बाद एसडीएम हेमराज गुर्जर और डीएसपी गिरधर सिंह की समझाइश पर प्रदर्शन कर रहे लोग शांत हुए और पोस्टमॉर्टम के लिए राजी हुए। पुलिस ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम कराया। महिला के पतिसाहबसिंह ने बताया कि उसकी पत्नी एक माह की गर्भवती थी। जिसके पेट मे दर्द होने पर उपचार के लिए निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था।

शिविरों का अवलोकन किया

भरतपुर (निस)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला मुख्यालय, भरतपुर एवं स्थानीय संघ, भरतपुर द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कौशल विकास अभिरूचि प्रशिक्षण शिविरों का सहायक राज्य मुख्यायुक्त आलोक शर्मा एवं प्रदीप शर्मा द्वारा अवलोकन किया गया। स्थानीय संघ, सचिव भानू प्रताप सिंह द्वारा सहायक राज्य मुख्यायुक्त आयुक्त आलोक शर्मा एवं प्रदीप शर्मा का स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। स्थानीय संघ सचिव भरतपुर द्वारा शिविर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। आलोक शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बालक व बालिकाओं में छिपे हुऐ टेलेन्ट को निखारने और सर्वांगीण विकास के लिए ग्रीष्मकालीन शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस शिविर में बालक बालिकाओं को सिलाई, पेटिंग, मेंहदी, गीत, संगीत, नृत्य, योगा, ब्यूटीशियन, कम्प्यूटर, एंकरिग के साथ खेलों में मार्शल आर्ट, कराटे, ताईकांडो, स्केटिग प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षित दक्ष एवं अनुभवी प्रशिक्षको के द्वारा दिया गया।

ब्राह्मण प्रतिभाऐं सम्मानित

हिंडौन/सूरौठ। ब्राह्मण समाज तहसील सूरौठ के तत्वाधान में पुरुषोत्तम शास्त्री व अध्यापक अश्विनी शर्मा विजयपुरा वालो के निवास पर वर्धमान नगर हिंडौन सिटी में शनिवार को ब्राह्मण प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

सूरौठ तहसील अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा व महामंत्री वेदप्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत ज्योतिष वास्तु आचार्य त्रिलोक शास्त्री, देवकीनंदन शास्त्री प्रहलाद शास्त्री द्वारा मंत्र उच्चारण के साथ भगवान परशुराम एवं मां सरस्वती के चित्र पट के समक्ष हिंडौन नगर अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, टोडाभीम ब्राह्मण अध्यक्ष ब्रह्मानंद शर्मा, श्री महावीर जी अध्यक्ष शिवदत्त शर्मा, चौबीसा अध्यक्ष प्रकाश नारायण शर्मा, सूरौठ ब्राह्मण समाज अध्यक्ष बालकृष्ण शर्मा, अठाईसा अध्यक्ष रामगोपाल शर्मा, तहसील सूरौठ अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा सुरोठ शहर अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। हिंडौन तहसील, सूरोठ तहसील, 28 सा ब्रांच महू, चौबीस ब्राह्मण समाज की प्रतिभाओं को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम, राजकीय सेवा में सरकारी नियुक्ति प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। इससे पूर्व आयोजन कमेटी द्वारा अध्यक्ष एवं समस्त कार्यकारिणियों का दुपट्टा पहनाकर के सम्मानित किया।

उत्कृष्ठ कार्य करने वाली ब्राह्मण प्रतिभाओं का सम्मान किया।

तहसील अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा ने कहा कि इस तरीके के कार्यक्रमों से प्रतिभावान छात्र-छात्राओं में उत्साह जागृत होता है। अच्छा प्रणाम देने वाले विद्यार्थियों से आशा है कि समाज ,राज्य ,देश का नाम रोशन करें। इस अवसर पर समाज के चौबीसा महामंत्री हरिश्चंद्र शर्मा, बालकृष्ण शर्मा, सह सचिव नरेंद्र बाबा, टीटी शर्मा, रमन कटारा सोमली,कैलाश शर्मा ढिंढोरा, भूपेंद्र धुरसी शशिकांत शर्मा महू, गुलाब चन्द ,मनोज जोशी जगर, अशोक तिवाड़ी महू मंजीत मुद्गल, महेश शर्मा, महादेवा विजयपुरा, भूपेन्द्र शर्मा, शीतल शुक्ला, रामोतार पाली, वैद्य विजय कृष्ण सहित, मगन शर्मा श्री महावीर जी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। समारोह में समाज की पचपन प्रतिभाओं में नीट चयनित भावेश तिवारी, राजस्थान विश्वविद्यालय की स्वर्ण पदक विजेता आशा दत्तात्रेय सुमित शर्मा आदित्य शर्मा का विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

सार-समाचार

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

भुसावर (निस)। कृषि महाविद्यालय भुसावर पर अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के डीन डॉ. उदय भान सिंहने कहा कि कुछ शारीरिक क्रियाएं करना ही योग नहीं है, इसके आठ अंग है यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। योग में सबसे पहले मन, विचार और भोजन की शुद्धता पर ध्यान दिया जाता है, फिर शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आसन व योग क्रियाएं होती है। योग हमारे जीवन में सुचिता और सम्पूर्णता लाता है। डॉ. विनोद भटेष्वर ने कहा कि महर्षि पतंजलि का योग हर युग व हर धर्म को अपनाने वाले हर व्यक्ति के लिए उपयोगी है। मैट्रन प्रेम कुमारी व छात्रा प्रियंका यादव ने विद्यार्थियों को विभिन्न योग क्रियाएं करवायी। इस अवसर पर डॉ. मोहित कुमार, डॉ. प्रवीण हटवाल, रेखा मीना, अतुल शर्मा, हेमन्त सहित समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम आज

गंगापुर सिटी । शनिवार को श्री राजपूत करणी सेना की एक विशेष बैठक करणी सेना कार्यालय पर रखी गयी जिसमे करणी सेना गंगापुर सिटी द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती व प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम की तैयारियो की समीक्षा की गई। रविवार को आयोजित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जन्मोत्सव समारोह व राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह को भव्य व विशाल बनाने के लिए कार्यकारिणी व समाज के लोगो ने तैयारियों को पूर्ण रूप देने के लिए बैठक चर्चा की गई। वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप जन्मोत्सव कार्यक्रम सुबह 10 बजे प्रारम्भ होगा जिसमे सर्वप्रथम एक सभा की जाएगी आगनतुक अतिथियों का स्वागत करने के पश्चात सभा मे समाजिक मुद्दों पर सकारात्मक चर्चा की जाएगी। उसके बाद राजपूत समाज की प्रतिभा जिन्होंने शिक्षा, सरकारी नौकरी व अन्य विशिष्ट सेवाओं मे उत्कृष्ट कार्य किया है उन्हें प्रशस्ति पत्र व मुमेंटो देकर सम्मानित किया जाएगा। इस दौरान वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जन्मोत्सव पर भव्य शोभा यात्रा व वाहन रैली निकाली जाएगी तथा शोभा यात्रा का समापन कोर्ट चौराहे पर करते हुए जिला कलेक्टर साहब गंगापुर सिटी को महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगाने के लिए स्थान चिन्हित करने के लिए ज्ञापन दिया जाएगा। बैठक मे राजवीर सिंह राजावत, कृष्ण पाल जादौन, नरेन्द सिंह डूंगरी, अजय सिंह नरुका, शिवराज सिंह नरुका, दीपू सिंह राजावत,रिंकू सिंह, श्याम सिंह सिकरवार, रघुनन्दन सिंह, नितेश सिंह जादौन, गोपाल सिंह परमार, कुलदीप सिंह राठौर, कुलदीप सिंह राजावत, जोगेंद्र सिंह चौहान, रघुनंदन सिंह, नितेश सिंह जादौन, नीरज सिंह, गुलाब सिंह धीरावत, भानु प्रताप सिंह सहित अन्य करणी सेना पदाधिकारी उपस्थित रहे।

फरार ट्रक चालक गिरफ्तार

भरतपुर (निस)। सेवर थाना पुलिस ने गौतस्करी के मामले में फरार ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। 27 दिसम्बर 2022 को एएसआई राधा किशन को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि बांसी से धानौता गावं के कच्चे रास्ते में एक ट्रक रास्ते में फंसा पडा है, जिसमें गौवंश भरे हुये है। इस सूचना पर एएसआई मय जाप्ता के सांकेतिक स्थान पर पहुंचे तो एक ट्रक रास्ते में फंसा हुआ मिला। ट्रक को चैक किया तो ट्रक में निर्दयतापूर्वक गौवंश ठसाठस भरे हुये मिले। जिनमें से 17 गौंवष जीवित व 9 गौवंष मृत (कुल 26 गौवंष) अवस्था में मिले। पुलिस द्वारा 17 जीवित गौवंशों को मुक्त कराकर गढी सांवलदास गौशाला भरतपुर के सुपुर्द किया गया तथा मृत गौवंशों का पशु चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम कराकर दफनाया गया। तथा ट्रक को जप्त कर फरार गौतस्करों के विरूद्ध थाना सेवर पर मामला पंजीबद्व किया गया था। दयालसिंह हैड कानिस्टेलब मय जाप्ता द्वारा अनुसंधान कर इस मामले के फरार ट्रक चालक शाहरूख पुत्र जलेब जाति मेव निवासी बेरी थाना ताबडू जिला नूह मेवात हरियाणा को गिरफ्तार किया गया है। ज्ञात रहे कि उक्त मामले में पूर्व में ही ट्रक मालिक मोईन को गिरफ्तार किया जा चुका था।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत राशि हस्तान्तरण 24 को

करौली। अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजवीर सिंह चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की अभिवृद्धित राशि का हस्तान्तरण कार्यक्रम बर्चुअल माध्यम से 24 जून को प्रात: 11.45 बजे टाउन हॉल में आयोजित किया जायेगा। इस संबंध मे उन्होने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाऐं करने के संबंध मे दिशा निर्देश जारी किये है।

आमजन की सुनी जायेंगी समस्याऐं

करौली। जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना ने बताया कि पंचायत समिति हिण्डौन की ग्राम पंचायत सूरौठ में 27 जून को एवं पंचायत समिति मंडरायल की ग्राम पंचायत बुगडार मे 28 जून को सायं 7 बजे रात्रि चौपाल का आयोजन किया जायेगा। उन्होने बताया कि रात्रि चौपाल मे आमजन की समस्याओं का निस्तारण किया जायेगा।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समारोह पूर्वक हुआ समापन

गंगापुर सिटी । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद गंगापुर सिटी के द्वारा संचालित छात्रा व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का भगवती पैलेस में समरोह पूर्वक समापन हुआ।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक मनोज सैनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभापति शिवरतन गुप्ता ने की। मुख्य वक्ता नगर खंड कार्यवाह मनोज जैन, विशिष्ट अतिथि कुहू स्कूल के संस्थापक हेमंत शर्मा, स्कूल शिक्षा परिवार के जिला अध्यक्ष अनुज शर्मा और पीटाई अनीता शर्मा, कार्यक्रम संयोजक ओम प्रकाश गुर्जर, सावित्री शर्मा रहे। एबीवीपी के विभाग संयोजक सीताराम गुर्जर ने बताया आत्मरक्षा प्रशिक्षण की संयोजक अनीता शर्मा ने 7 दिन का प्रशिक्षण करवाया ओर शिक्षा के साथ साथ बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण लेने का आह्वाहन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने कहा कि आज बालिकाओं के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण बहुत ही जरूरी है।

उन्होंने बताया कि छात्राओं को आत्मनिर्भर बनना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता ने कहा कि हमारे भारत देश की प्रत्येक बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण लेना चाहिए ताकि जब भी कोई दुराचारी लोग उन पर गलत दृष्टि डालें तो उन्हें ये मुंह तोड जवाब दे सके। पुरातन काल में भी महिलाओ व बालिकाओ को शास्त्र व शस्त्र का प्रशिक्षण दिया जाता था जिसका ही परिणाम है कि रानी लक्ष्मीबाई जैसी महिलाओ ने इतिहास रच दिया। मुख्य वक्ता आरएसएस के खंड कार्यवाह मनोज जैन ने कहा कि जिस प्रकार शिक्षा की हमें आवश्यकता है। इसी प्रकार आज बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण की जरूरत है। विद्यार्थी परिषद के द्वारा संचालित छात्रा व्यक्तित्व विकास एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण लेने वाले सभी विद्यार्थियों को प्रीति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सभी को सम्मानित किया गया। एबीवीपी के विभाग संयोजक सीताराम गुर्जर ने बताया कि एबीवीपी ने आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से पूरे देशभर में 20 लाख से अधिक छात्राओं को प्रशिक्षण दिया है। कार्यक्रम में अनीता शर्मा, प्रांत उपाध्यक्ष धर्म वीरमीणा प्रांत सह मंत्री अंजलि चौरसिया, विभाग संयोजक सीताराम गुर्जर, जिला संयोजक मनोज सैनी, नगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, नगर उपाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, पूर्व जिला प्रमुख हेमंत शर्मा, पूर्व जिला सह प्रमुख राजेश आचार्य, पूर्व नगर मंत्री भानू शर्मा, भूपेंद्र सिंह गुर्जर, वजीरपुर नगर मंत्री सचिन शर्मा आदि उपस्थित रहे।

शिविर में सीखी गई विधाओं का दोहरान किया

करौली (नि.स.)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ करौली के तत्वाधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर के समापन का कार्यक्रम सूर्योदय माध्यमिक पब्लिक स्कूल विवेक विहार करौली में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर सर्वेश कुमार गुप्ता रहें जबकि अध्यक्षता स्थानीय संघ के उप प्रधान अभय कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्रपट पर दीप प्रज्वलन के साथ एवं स्काउट गाइड प्रार्थना से हुआ।सचिव स्थानीय संघ मुकेश सारस्वत ने बताया कि शिविर प्रभारी बृजकिशोर शर्मा ने सभी अतिथियों का स्काउट रीति से स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर शिविर में आयोजित की गई विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

एक महिला व पुरूष प्रभूजन को भिजवाया अपना घर

गंगापुर सिटी। अपना घर सेवा समिति, गंगापुर सिटी ने दो लावारिस प्रभू जनो को अपना घर भिजवाया। समिति अध्यक्ष रमेश चंद पटटीवाले ने बताया कि सदर थाना से सूचना मिली कि एक महिला प्रभूजी व उसके साथ एक बच्चा लावारिस स्थित में है जिस पर समिति की महिला इकाई सदस्य कविता राजोरा, आरती शर्मा राजेश राजोरा सदर थाने पहुंचे और महिला प्रभूजी से वार्ता की तो उसने अपना नाम बेबी बताया एवं महिला के साथ एक छोटा बच्चा भी है। इसी प्रकार जीआरपी थाने से भी एक अन्य पुरूष प्रभूजन के लावारिस अवस्था में पडे होने की सूचना मिली जिस पर समिति अध्यक्ष रमेश पटटीवाले व सचिव शिवनारायण गुप्ता पहुंचे ओर प्रभूजन से वार्ता की तो उसने अपना नाम राजकुमार बताया एंव वो पता स्पष्ट रूप से नहीं बता सके। जिस पर दोनो प्रभूजनो को मय बालक के अपना घर भिजवाया गया।

हेला ख्याल दंगल का हुआ समापन

करौली(नि.स.)। करौली जिला मुख्यालय के पास रतनपुर गांव में विशाल हेला ख्याल दंगल का आयोजन किया गया। 3 दिन तक चले हेला ख्याल दंगल के समापन के मौके पर करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर मौजूद रहे।

गत 18 जून से आयोजित हेला ख्याल दंगल में स्थानीय पार्टी के अलावा रघुवंशी, सायपुर, कीरतपुरा, गुनेसरी, हजारीपुरा गांवों की गायन पार्टियों ने भाग लिया। गायन पार्टियों द्वारा राजनीति और धार्मिक विषयों पर एक से बढ़कर एक सुंदर प्रस्तुति दी। प्रस्तुतियों को सुनकर श्रोता आनंदित हो उठे।रतनपुर गांव की पार्टी द्वारा राम मंदिर निर्माण के ऊपर बनाए हेला ख्याल से श्रोता झूमने को मजबूर हो गए। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक दर्शन सिंह का आयोजन समिति ने माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। विधायक ने कई गायन पार्टियों की प्रस्तुतियां सुनी और उनकी सराहना करते हुए नगद पुरस्कार देकर हौसला अफजाई की। विधायक ने कहा कि लोक कलाओं के संरक्षण के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम हर साल होने चाहिए। हेला ख्याल दंगल को सुनने बड़ी संख्या में स्थानीय और अन्य ग्राम पंचायत के लोग पहुंचे।

कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी मु.प्रा. करौली

क्रमाक:-जिशिअ/करौली/लेखा/2024-25/61-65 दिनांक:22.06.2024

खुली निविदा सूचना संख्या 02/2024-25

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मिड डे मील योजनान्तर्गत स्थानीय कार्यालय तथा अधीनस्थ 06 ब्लॉक कार्यालयों हेतु प्रत्येक के लिए कुल 07 (सात) कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन) दर अनुबंध पर उपलब्ध कराने हेतु विनिर्दिष्टत पंजीकृत बोलीदाता/संवेदकों से निविदाऐ दिनांक 22.06.2024 को प्रात: 11:30 बजे से दिनांक 28.06.2024 को दोपहर 01 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण स्थानीय कार्यालय एवं बेवसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No- EED2425SSOB00125

जिला शिक्षा अधिकारी, मु.प्रा.करौली

भाजपा के वरिष्ठ नेता सुदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि मनाई

करौली(नि.स.)। भारतीय जनता पार्टी जिला करौली द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय सुंदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि मनाई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करौली जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया ने की एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर रहे एवं विशेष अतिथि प्रदेश कार्य समिति सदस्य प्रहलाद सिंहल रहे एवं मंच संचालन विधानसभा संयोजक योगेश कुमार शर्मा उर्फ योगी द्वारा किया गया। विधायक दर्शन सिंह गुर्जर एवं जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया द्वारा सुंदर सिंह भंडारी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की इसी क्रम में आगे सभी कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने भंडारी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिला अध्यक्ष ने बताया कि सुंदर सिंह भंडारी अपने जीवन में हर क्षेत्र में सफल रहे उन्होंने अपने जीवन से आज की पीढ़ी को आगे बढ़ने की राह प्रस्तुत की है। जनसंघ के संस्थापक भंडारी ने कार्यकर्ताओं को गढ़ने एवं संगठन के विस्तार के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। संगठन के प्रति उनका समर्पण कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणापुंज है।करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर ने कहा की सुंदर सिंह भंडारी का जनसंघ में ओहदा उच्च था उनके समर्पण अद्वितीय था वह राज्यसभा सांसद,राज्यपाल भी रहे। उन्होंने कहा की हमारे पुरोधाओ ने अपने जीवन से आज की पीढ़ी को संदेश दिया है हमे देश,पार्टी को प्राथमिकता देनी है। प्रहलाद सिंहल ने सुंदर सिंह भंडारी का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए बताया कि स्वर्गीय भंडारी शिक्षा के दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय के संपर्क में आए तब से वह संघ से जुड़े वह जीवन भर अविवाहित रह कर मां भारती के लिए समर्पित रहे। सुंदर सिंह भंडारी जिन्होंने सर्वस्व समर्पण किया

करौली मे आयोजित भाजपा नेता सुदर सिंह भंडारी की पुण्यतिथि कार्यक्रम मे उपस्थित भाजपाई।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग राजस्थान, जयपुर राईस द्वारा संचालित

देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय, अंधपुरा-सकरघटा, करौली (राज.)

dggrsandhpurasakarghata@gmail.com Mobile No. 9610154318, 8005736657

क्रमाक:-दे.रा.बा.आ.वि./अधपुरा/विद्या सबल/2024-25/75 दिनाक:-22.06.2024

विज्ञप्ति

श्रीमान् अतिरिक्त निदेशक महोदय, राईस सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग जयपुर के पत्रांक एफ1(A)(01965)स्था./राईस/गैस्ट फैकल्टी/2022/219 दिनांक 10.06.2024 एवं वित्त विभाग के परिपत्र क्रमांक:-प-6(2)वित्त/सा.वि.ले.नि/2021 जयपुर दिनांक 30.03.2021 की अनुपालना मे राईस जयपुर के नियन्त्राणाधीन देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय अंधपुरा-सकरघटा करौली के लिए **विद्या संबल योजना** के अन्तर्गत निम्नांकित रिक्त पदो के विरुद्ध आर.एस.आर. सेवा नियमों में अंकित योग्यता आदि की पात्रता रखने वाले सेवानिवृत्त कार्मिको/निजी अभ्यर्थियों से परिपत्र मे वर्णित दरों पर बजट उपलब्धता की शर्तो के अध्याधीन गैस्ट फैकल्टी के लिए आवेदन पत्र दिनांक आमंत्रित किये जाते है। **इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र स्थानीय विद्यालय से प्राप्त कर अन्तिम तिथि दिनांक 03.07.2024 तक सुबह 09:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक जमा करवाये जा सकते है।**

क्र.सं.	विषयावर रिक्त पद का नाम	रिक्त पदो की संख्याा	अनिवार्य न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता
1	व्याख्याता- जीव विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, रसायन विज्ञान	प्रत्येक विषय मे -01 कुल 05 पद	PG in the relevant Sub. with B.Ed
2	वरिष्ठ अध्यापक सामाजिक	कुल 01 पद	UG in the relevant Sub. with B.Ed
3	अध्यापक ले-2- हिन्दी, अंग्रेजी, गणित/विज्ञान	प्रत्येक विषय मे-01 कुल 03 पद	UG in the relevant Sub. with B.Ed And REET Qualify according state Gov. rule
4	प्रयोगशाला सहायक	03	12th Pass with Physics Chemistry, Biology
	कुल रिक्त पद	12	

नोट- पदो मे कमी या वृद्धि का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता का होगा।

आवेदनकर्ताओं का चयन विभागीय नियमानुसार चयन समिति द्वारा वरीयता सूची के आधार पर किया जायेगा। चयनित आवेदनकर्ताओ को मानदेय वित्त विभाग के उपर्युक्त परिपत्र (अद्यतन) के अनुसार दिया जायेगा। आवेदनकर्ता की शैक्षणिक अर्हता राज्य सरकार के संबंधित पद-सेवा नियमो के अनुसार होनी चाहिए। विद्यालय मे रिक्त पद विभाग द्वारा भरे जाने पर यह व्यवस्था स्वत: समाप्त समझी जावेगी।

प्रधानाचार्य
देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय अंधपुरा-सकरघटा करौली

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से एक महिला की मौत, तीन दर्जन श्रृद्धालु घायल

यूपी के दहगवां गांव निवासी श्रद्धालु ट्रैक्टर-ट्रॉली से कैलादेवी माता के दर्शन कर लौट रहे थे

करौली, (नि.सं.)। कैलादेवी माता के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर करौली-मासलपुर मार्ग स्थित चैनपुर आश्रम के पास तीखे मोड़ पर पलट गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से तीन दर्जन अधिक श्रृद्धालु घायल हो गए, जबकि एक महिला की मौत हो गई। घायलों को उपचार के लिए करौली अस्पताल में भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है। दुर्घटना में मृत महिला का शव करौली हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाया है। मासलपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घायलों को विभिन्न वाहनों से करौली अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार किया।

- करौली एसडीएम, करौली थाना अधिकारी, अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी

घटना की जानकारी मिलते ही करौली एसडीएम पिंकी, करौली थाना अधिकारी सुनील कुमार, अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेष मीना चिकित्सालय पहुंचे और घायलों की कुशलक्षेम पूछी। उत्तर प्रदेश के जगनेर क्षेत्र के दहगवां गांव निवासी अमन पुत्र सुरेंद्र ने बताया कि वो अपने परिवार के लोगों के साथ कैलामाता की ध्वजा चढ़ाने कैलादेवी गए थे। माता की ध्वजा चढ़ाने के बाद दर्शन कर शनिवार दोपहर बाद उत्तर प्रदेश के जगनेर के दहगवां गांव लौट रहे थे।

इस दौरान करौली-मासलपुर मार्ग पर चैनपुर गांव स्थित ब्रह्म ऋषि आश्रम के पास मोड़ पर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। ट्रैक्टर- ट्रॉली पलटने से 30 से अधिक महिला, पुरूष, बालक-बालिकाएं घायल हो गए। घायलों को विभिन्न वाहनों द्वारा करौली अस्पताल लाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। घायलों में महिला, बच्चे, बुजुर्ग और युवा शामिल है। दुर्घटना में मंजू देवी (50) पत्नी मुकेश की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सभी दो ट्रैक्टरों में सवार होकर शुक्रवार को ध्वजा लेकर कैला देवी गए थे। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। वहीं करौली अस्पताल में उपजिला कलेक्टर पिंकी गुर्जर ने पूरे मामले की जानकारी लेते हुए घायल श्रृद्धालुओं की कुशलक्षेम पूछी।

हरिण शिकार प्रकरण में रेंजर और वन रक्षक निलंबित

मृत हरिणों का पोस्टमार्टम कराया, वन्यजीव प्रेमियों का आंदोलन समाप्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। जैतसर थाना क्षेत्र के चक 2 एलसी के हरिण शिकार प्रकरण में प्रधान मुख्य वन संरक्षक जयपुर ने क्षेत्रीय वन अधिकारी अशोक सिंह और वन रक्षक तेजपाल सिंह को निलम्बित कर दिया है। बिश्नोई मंदिर समिति बुड्ढ़ा जोहड़ डाबला के ज्ञापन और उप वन संरक्षक श्रीगंगानगर की रिपोर्ट के आधार पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक ने इन दोनों को दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही का दोषी मानते हुए निलम्बन की कार्यवाही की है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय संभागीय मुख्य वन संरक्षक बीकानेर कार्यालय रहेगा।

- श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के लोग धरने में पहुंचे

जैतसर क्षेत्र के गांव दो एलसी में सुबह मृत मिले दो हिरणों के शिकार के बाद आक्रोशित वन्यजीव प्रेमियों की ओर से हिरणों के शवों के साथ रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सड़क मार्ग पर तीन दिन से धरना लगाकर आंदोलन किया जा रहा था। इस बीच शाम करीब साढ़े छह बजे वन विभाग रायसिंहनगर के रेंजर व वनरक्षक के निलंबन के साथ ही वन्यजीव प्रेमियों की सभी मांगों को मान लेने पर धरना समाप्त कर दिया गया। उपखण्ड अधिकारी व सीओ रायसिंहनगर की मौजूदगी में हिरणों के शवों को करीब 38 घंटे बाद पोस्टमार्टम करवाकर दफना दिया गया। इससे पूर्व बिश्नोई सभा के आव्हान पर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ एवं अनूपगढ़ जिले से बिश्नोई समाज के लोग घटनास्थल पर पहुंचे एवं धरने में शामिल हुए। हिरणों के शवों को डीप फ्रीज में रखकर उनकी आत्मिक शांति के लिए हरि स्मरण पाठ प्रारंभ किया गया। बिश्नोई सभा डाबला के अध्यक्ष अरविंद सिहाग,पूर्व अध्यक्ष सीताराम मांझू, दलीप सिगड़, जीव रक्षा बिश्नोई सभा के मुकेश सुथार बिश्नोई, मनसुख बिश्नोई, विजय भादू, संदीप रिणवां, सहकारी भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष कालू थोरी, सूरतगढ़ बिश्नोई सभा के पूर्व अध्यक्ष भागीरथ कड़वासरा, कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा, पूर्व प्रधान हरीराम मेघवाल, अनिल धारिणयां, डाबला सरपंच रजनीश ज्याणी, पूर्व सरपंच अरविंद बिश्नोई, ताराचंद धारिणयां, रामस्वरुप तरड़, पीसीसी सचिव गगन विड़िंग सहित ग्रामीण धरने में शामिल हुए एवं वन विभाग की कार्यशैली पर अक्रोश जताया।

धरनास्थल पर सभा में रायसिंहनगर भूमि विकास बैंक के चैयरमैन कालू थोरी ने कहा कि गाय का शिकार करने पर सरकार तुरंत एक्शन लेती है, परंतु हिरण के शिकार पर समाज को संघर्ष करना पड़ रहा है। वन विभाग के अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि एक पौधा दस-पन्द्रह साल में बड़ा होता है और वन विभाग के भ्रष्ट अधिकारी दो घंटे में उस पेड़ को कटवा देते हैं। कांग्रेस नेता अमित कड़वासरा ने कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों की शह पर सरेआम पेड़ काटे जा रहे हैं। शिकार की घटनाएं भी आम हो चुकी हैं।

विभिन्न मंडियों से धरनास्थल पर पहुंचे बिश्नोई समाज के प्रबुद्धजनों की 21 सदस्यीय समिति का गठन कर रायसिंहनगर उपखण्ड अधिकारी सुभाषचन्द्र व सीओ अनु बिश्नोई से दोपहर करीब तीन बजे वार्ता प्रारंभ हुई। वार्ता में पूर्व विधायक बलवीर लूथरा भी शामिल हुए। चार चरणों में हुई वार्ता में अंततः मांग पत्र पर सहमति बन गई। इसके बाद एसडीएम ने वन विभाग के दोनों अधिकारियों का निलंबन पत्र समिति सदस्यों को सौंप दिया, जिसके बाद वन्यजीव प्रेमियों ने आंदोलन की समाप्ति की घोषणा कर दी गई। वन्यजीव प्रेमियों की ओर से दूसरे दिन भी रायसिंहनगर-जैतसर-पदमपुर सड़क मार्ग को जाम करने से यातायात व्यवस्था बिगड़ी रही। कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीओ अनु बिश्नोई के नेतृत्व में सर्किल क्षेत्र के थानाधिकारी इमरान खान, श्रीविजयनगर थानाधिकारी गोविंदराम बिश्नोई सहित मुकलावा एवं रायसिंहनगर पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

विद्युत करंट लगने से मादा पैंथर और दो शावकों की मौत

बिजली लाइन की चपेट में आने से तीनों का शरीर बुरी तरह जल गया

अलवर, (निसं)। अलवर शहर के नजदीक अलवर वन मंडल क्षेत्र डहरा शाहपुर अमृतवास में एक मादा पैंथर और उसके दो शावकों की मौत हो गई है। बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत होना सामने आया है। हालांकि अभी तीनों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इस हादसे को लेकर वन विभाग पर सवाल उठे रहे हैं।

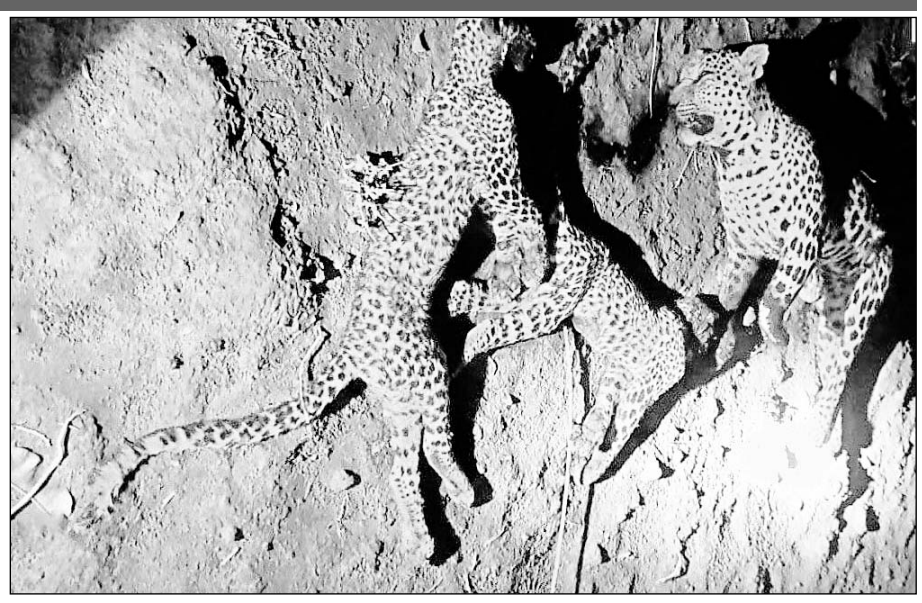

मादा पैंथर और उसके दो शावकों के शव।

- वन रेंजर व अन्य कार्मिक मौके पर पहुंचे, तीनों के शव को कटीघाटी लाया गया

लोगों का कहना है कि वनक्षेत्र के आसपास में बिजली लाइन क्यों डाली गई? आशंका यह भी है कि शिकार के मकसद से तो इन्हें नहीं मारा गया, क्योंकि एक साल पहले भी इस क्षेत्र में तीन पैंथर की मौत हो चुकी है। घटना शुक्रवार रात 10 बजे के आसपास की है। लाइन की चपेट में आने से तीनों का शरीर बुरी तरह जल गया। सूचना के बाद वन रेंजर व अन्य कार्मिक मौके पर पहुंचे। तीनों के शव को कटीघाटी लाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद इनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। जिस जगह यह हादसा हुआ है, वहां बाघ की मूवमेंट रहती है। यह सरिस्का बाघ अभ्यारण्य का हिस्सा है। यहां कई बार बाघ एसटी-18 और 2303 की मूवमेंट दिखी है। इसके अलावा भी कई वन्यजीव यहां आते हैं। यह जगह अलवर शहर से महज 15 किमी की दूरी पर है।

दो पैंथरों की लड़ाई में एक की मौत

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर जिले के सराड़ा वन रेंज के अंतर्गत दो पैंथरों की आपसी लड़ाई में एक की मौत हो गई। वनकर्मियों ने पैंथर के शव को कब्जे लेकर उसका पोस्टमार्टम करवाकर शव का निस्तारण किया।

क्षेत्रिय वन अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि वन विभाग को ग्रामीणों के माध्यम से सूचना मिली कि पलोदडा वन चौकी क्षेत्र के अंतर्गत पलुणा के खेड़ा के जंगल में एक मृत पैंथर का शव पड़ा है, जहां वनपाल रेखा मीणा, वनरक्षक केशव मीणा, प्रकाश मीणा, पूर्व सरपंच भगवती लाल के अलावा वन सुरक्षा समिति के वेलाराम, होमा आदि मौके पर पहुंचे और मौका कार्रवाई करते हुए पैंथर के शव को कब्जे में लेकर चौकी पर रखवाया, जहां शनिवार को चिकित्सकों की देखरेख में उसका पोस्टमार्टम कर शव का निस्तारण किया गया।

क्षेत्रीय वन अधिकारी खेमराज मीणा ने बताया कि प्रथम दृष्टिकोण से दो पैंथरों की आपसी संघर्ष से मौत होना प्रतीत हो रहा है। मृत पैंथर के गले में दांत के निशान भी दिखाई दे रहे हैं, हालांकि विभाग का कहना है कि पोस्टमार्टम की विस्तृत रिपोर्ट सामने आने के बाद ही वस्तुस्थिति साफ होगी। बताया गया मृत पैंथर की उम्र तकरीबन 3 वर्ष के आसपास है व मादा है।

राजस्थान का मोस्ट वांटेड प्रदीप बुवाल गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। जिले ही नहीं प्रदेश के मोस्ट वांडेट अपराधियों की फेहरिस्त में शामिल नामी बदमाश आखिरकार शनिवार को पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस टीम ने राजस्थान के 25 टॉप मोस्ट वांटेड के प्रदीप बुवाल को गिरफ्तार कर लिया है। चालीस हजार रुपए इनामी बदमाश प्रदीप पर बीकानेर सहित कई जिलों के थानों में मामले दर्ज है।

- प्रदीप पर बीकानेर, नागौर, जोधपुर और अजमेर में मामले दर्ज हैं

एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया पुलिस की साइबर टीम के प्रयास से साइंसर निवासी प्रदीप बुवाल को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी में एएसआई दीपक यादव और कांस्टेबल सुमित के साथ जसरासर थानाधिकारी संदीप बिश्नोई की खास भूमिका रही। जसरासर थानाधिकारी ने बताया कि खींदासर-हदां के बीच रोही में शनिवार को प्रदीप के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद घेराबंदी करके प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाश प्रदीप पर न सिर्फ बीकानेर बल्कि नागौर, जोधपुर और अजमेर में भी मामले दर्ज है। उस पर बीकानेर के पांचू, कोटगेट, नोखा, कोलायत में मामले है तो नागौर के मेड़ता सिटी, पाली के आनन्दपुर, जोधपुर के भोजासर और उदयमंदिर, अजमेर के पीसांगन में भी केस दर्ज है।

ओवरलोड दो डंपर जब्त

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने देर रात को ओवरलोडिंग डंपरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो ओवरलोड डंपरों को जब्त किया है। पुलिस ने 70 हजार रुपए भी जुर्माना भी वसूल किया गया है। थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत ने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश पर ओवरलोड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पुलिस की ओर से अलग-अलग टीमें लगाकर ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की टीम ने बबाई में नाकाबंदी कर वाहनों की जांच की गई। इस दौरान खेतड़ी के खनन क्षेत्र से ओवरलोड पत्थर व डस्ट लेकर आ रहे दो वाहन जब्त किए गए, जिसमे दो ओवरलोड वाहन पाए गए। इसके अलावा छह वाहनों को एमवी एक्ट के मामले में जब्त किए गए हैं।

'जोसा काउंसलिंग की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में स्टूडेंट्स को परेशानियां आई'

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी एनआईटी, ट्रिपल आईटी समेत 121 संस्थानों की 59917 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग चल रही है। जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन की ऑनलाइन रिपोर्टिंग जारी है। ऑनलाइन रिपोर्टिंग का समय 24 जून को शाम 5 बजे तक दिया गया है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स के सामने जोसा काउंसलिंग की ऑनलाइन रिपोर्टिंग में परेशानियां आ रही है। इसमें दो बड़े कारण स्टूडेंट्स बता रहे हैं। पहला है जिसमें 12वीं की संबंधित बोर्ड की टॉप-20 पर्सेन्टाईल जारी नहीं होने के कारण स्टूडेंट्स प्रवेश की बोर्ड प्राप्तांकों की पात्रता को लेकर असमंजस में हैं, जिन स्टूडेंट्स के बोर्ड में 75 प्रतिशत अंक नहीं हैं, और उन्हें सीट आवंटित हो गई है, वे स्टूडेंट्स टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर का इंतजार कर रहे हैं। इस वर्ष भी आईआईटी, एनआईटी व ट्रिपलआईटी में प्रवेश के लिए 75 प्रतिशत या टॉप-20 पर्सेन्टाइल में शामिल होने की बोर्ड पात्रता रखी गई है। कुछ स्टूडेंट्स को अपेक्षा है कि बोर्ड में टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर से वे पात्रता पूरी कर लेंगे, फिलहाल इन स्टूडेंट्स के प्रवेश पर संकट है। एक्सपर्ट आहूजा ने बताया कि इसके अलावा स्टूडेंट्स लगातार 12वीं बोर्ड की ओरिजनल मार्कशीट जारी नहीं होने की समस्या से जूझ रहे हैं। स्टूडेंट्स का कहना है कि डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन के समय ओरिजनल मार्कशीट मांगी जा रही है, कुछ बोर्ड्स द्वारा एक्सपर्ट मार्कशीट जारी नहीं होने की स्थिति में इंटरनेट की मार्कशीट मान्य नहीं हो रही है और प्रवेश अटका दिया गया है। स्टूडेंट्स ने संबंधित बोर्ड से मार्कशीट जारी करने की मांग की है, एडमिशन सुनिश्चित हो सके। इस विसंगति में राजस्थान सहित देश के कई बड़े बोर्ड शामिल हैं।

आहूजा ने बताया कि देश में एनआईटी, ट्रिपलआईटी में एडमिशन के लिए कई बड़े बोर्ड की टॉप-20 पर्सेन्टाइल स्कोर जारी नहीं की गई है। इसमें राजस्थान बोर्ड सहित छत्तीसगढ़, हिमांचल, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटका, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, त्रिपुरा, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूल आदि बोर्ड शामिल हैं, जिनकी टॉप-20 पर्सेन्टाइल जारी नहीं की गई है।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि स्टूडेंट्स को जोसा काउन्सलिंग में ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान अपनी आवंटित सीट के लिए तीनों स्टेप पूरे करने के बाद उन्हें जोसा द्वारा डोक्युमेंट्स वेरिफाई कर सीट कन्फर्मेशन का इंतज़ार करते दिखाई दे रहे हैं क्योंकि बहुत से स्टूडेंट्स ऐसे हैं जिन्होंने ऑनलाइन रिपोर्टिंग कर सम्पूर्ण प्रक्रिया पूर्ण कर ली परन्तु अभी तक उनके सारे डाक्यूमेंट्स वेरिफाई नहीं हुए है और ना ही उनकी आवंटित सीट का कन्फर्मेशन आया है ऐसे में ये स्टूडेंट्स परेशानी में है।

16 माह के लंबे इंतजार के बाद पदोन्नत उप प्राचार्य का पदस्थापन होगा

बीकानेर, (निसं)। राज्य के शिक्षा विभाग में फरवरी 2023 यानी 16 महीने पहले विभागीय पदोन्नति से व्याख्याता से उप प्राचार्य बने कार्मिकों को अब पोस्टिंग मिलने जा रही है। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद शिक्षा निदेशालय में पदोन्नति से पदोन्नत हुए उप प्राचार्य की काउंसलिंग करवाने की तैयारियां शुरू की गई है। अब निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,बीकानेर आईएएस आशीष मोदी ने आदेश जारी किया जिसमें विभागीय पदोन्नति समिति द्वारा उप-प्राचार्य की वर्ष 2022-23 डीपीसी उपरांत पदोन्नत होने वाले कार्मिकों के संबंध में पदस्थापन आदेश जारी किये जाने से पूर्व शाला दर्पण एसडीपीएमएस (शाला दर्पण पोस्टिंग मैनेजमेंट सिस्टम) पर ऑनलाईन काउसलिंग प्रक्रिया के लिए कार्यक्रम द्वारा जारी है, जिसके माध्यम से 10 हजार 49 पदोन्नत हुए उप प्राचार्यों का पदस्थापन किया जाएगा।

स्कूलों में पदस्थापन हेतु उप प्राचार्य का काउंसलिंग कार्यक्रम में 22 जून से 24 जून तक विशेष वर्ग की जानकारी हेतु निर्धारित प्रपत्र जारी कर, सूचना प्राप्त करना, 25 से 27 जून तक प्राप्त सूचना के आधार पर अस्थाई वरीयता सूची विभागीय वेबसाईट पर प्रकाशन कर वरीयता सूची के संदर्भ में आपत्तिया मांगना, 28 जून को एनआईसी, शाला दर्पण जयपुर/बीकानेर एवं संस्थापन एबी अनुभाग (निदेशालय) द्वारा आपसी समन्वय द्वारा अपलोड डाटा का सत्यापन, 30 जून को प्राप्त अंतिम आपत्तियों के आधार पर संशोधन करते हुए स्थाई वरीयता सूची का प्रकाशन एवं शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप रिक्तियों का प्रकाशन, 1 से 4 जुलाई तक वरीयता सूची मे उल्लेखित आशार्थियों द्वारा विद्यालयों का चयन एवं ऑप्शन लॉक किया जाना (4 जुलाई मध्य रात्रि 12 बजे तक)। 5 जुलाई को आशर्थियों द्वारा लिये गये विकल्पों के आधार पर एनआईसी एवं शाला दर्पण जयपुर/बीकानेर द्वारा रिजल्ट/रिपोर्ट तैयार करना, 8 जुलाई को तैयार रिजल्ट/ रिपोर्ट के आधार पर पदस्थापन संबंधी आदेश जारी करना।

राज्य में स्थिति ये थी कि पदोन्नति के बाद सैकड़ों स्कूलों में एक से लेकर आठ-आठ, नौ-नौ उप प्राचार्य हो गए। इनकी पदोन्नति तो हो गई लेकिन दूसरी स्कूलों में नियुक्ति नहीं मिली। शिक्षा विभाग ने पदनाम बदल कर वर्तमान स्कूल में ही अगले आदेश तक नियुक्ति दे दी और नए पद के अनुरूप वेतन मिलना शुरू हो गया। यानी पद उप प्राचार्य का मिला, लेकिन काम व्याख्याता का ही कर रहे थे।

शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि राज्य में आरपीएससी के माध्यम से माध्यमिक स्कूलों के एचएम के पदों पर 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती व 50 प्रतिशत पदों पर पदोन्नति होती थी। लेकिन पूर्व सरकार ने एचएम पद को समाप्त करते हुए उसकी जगह नया पद उप प्राचार्य का सृजित कर दिया जो स्वागत योग्य कदम था।

आठ पंचायतों को भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग पर अड़े ग्रामीण, धरना प्रदर्शन किया

विरोध के बावजूद राजनीतिक लाभ के लिए आठ पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में जोड़ दिया गया

मांडलगढ़, (निसं)। जनता के विरोध के बावजूद भी राजनीतिक लाभ के लिए आठ ग्राम पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में जोड़ दिया गया। उसके बाद से ही 8 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण काछोला में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं, परंतु प्रशासन एवं सरकार इस और ध्यान नहीं दे रही है जिससे अब विरोध के सूर तेज होने लगे हैं। शनिवार को धरना स्थल पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार के प्रति रोष जताया एवं शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर नवीन कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की, जो अब उग्र आंदोलन के रूप में ग्रामीण सड़कों पर उतरेंगे।

मांडलगढ़ के काछोला उप तहसील मुख्यालय पर जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने धरना दिया।

- धरना स्थल पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने प्रशासन व सरकार के प्रति रोष जताया एवं शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग को लेकर कार्य योजना की रूपरेखा तैयार की

जानकारी के अनुसार काछोला में आठ ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि, ग्रामीण बस स्टैंड स्थित सब्जी मंडी की जगह पर धरना दे रहे हैं। उनकी काछोला सहित आठ ग्राम पंचायतों को शाहपुरा जिले से निकालकर पुनः भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग है। आगामी रणनीति तय करने के लिए शनिवार को धरना स्थल पर मीटिंग हुई।

संघर्ष समिति के बुलावे पर विधायक प्रतिनिधि संदीप माहेश्वरी धरना स्थल पर आए। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल से दूरभाष पर आठ पंचायतों के संबंध में प्रतिनिधिमंडल के मिलने का समय लिया। खंडेलवाल से संघर्ष समिति के एक प्रतिनिधिमंडल मिलकर वार्ता करेगा। इसके बाद ही उचित आंदोलन की आगामी रणनीति बनाई जाएगी। संघर्ष समिति विधायक से मिलने के बाद आगामी रणनीति तय करेगी। इस अवसर पर संघर्ष समिति के संपत सिंह सोलंकी, संदीप सोनी, भैरूलाल मंत्री, एनके सोनी, अमरसिंह सोलंकी, राजेंद्रसिंह सोलंकी, सूरतराम गगरानी, महावीर शर्मा सरथला, कैलाश धाकड़, मुरली मनोहर मूंदड़ा, एनके सोनी, कमलेश आचार्य, पंचायत के जनप्रतिनिधि, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, सरपंच प्रत्याशी, पूर्व सरपंच व प्रबुद्धजन आदि उपस्थित थे।

यह है मामला :- काछोला सहित आठ पंचायतों की भीलवाड़ा जिले में शामिल करने की मांग लंबे समय से चली आ रही है। ये आठ पंचायतें हैं काछोला, राजगढ़, थलकलां, सरथला, जस्सूजी का खेड़ा, झंझौला, मांगटला, जलिंद्री। इन ग्राम पंचायतों को नवसृजित शाहपुरा जिले में शामिल करने का विरोध ग्रामीण कर रहे हैं। इसको लेकर संघर्ष समिति के बेनर तले मांडलगढ़ विधायक, सांसद सहित आदि को ज्ञापन देकर मांग की है कि शीघ्र ही भीलवाड़ा जिले में इन पंचायत को जोड़ा जाए।

आसाराम की तबीयत फिर बिगड़ी

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जेल में बंद आसाराम की शनिवार को तबीयत फिर बिगड़ गई। आसाराम को निजी आयुर्वेदिक अस्पताल लाया गया है। आसाराम यहां इलाज के लिए दो दिन रुकेंगे। इससे पहले गुरुवार रात भी आसाराम की तबीयत खराब होने से उसे एम्स में भर्ती कराया गया था। इसके बाद फिर से जेल भेज दिया गया था।

आसाराम ने यहां से अप्रैल माह में पुणे के डॉक्टर की देखरेख में इलाज करवाया था। सोमवार को भी आसाराम ने सीने में दर्द की शिकायत की थी। इस पर जेल की डिस्पेंसरी में ईसीजी करवाया गया था। रुटीन चैकअप के लिए गुरुवार को एम्स ले गए, जहां खून की कमी और अन्य जांच सामान्य होने पर वापस जेल भेज दिया गया। इसके बाद देर रात वापस सीने में दर्द की शिकायत होने पर एम्स में भर्ती किया गया। शुक्रवार को जांचें आने के बाद जेल ले जाया गया था।

आसाराम का अप्रैल महीने में आयुर्वेदिक पद्धित से हार्ट का इलाज जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में पूणे के माधोबाग अस्पताल के डॉक्टरर्स की निगरानी में हुआ था। उसके बाद आसाराम की हालत में सुधार था।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-पाली (राज.)

क्रमांक-789-814 दिनांक-14.06.2024

निविदा सूचना संख्या 03 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से विभिन्न कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संर विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के एए, ए, श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में इ-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा ओनलाईन निविदायें प्राप्त करने हेतु आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित वेबसाइट www.dipr.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in व https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा के NIB CODE है PWD2425A0254

निविदा के UBN NO. है PWD2425WSOB00876, PWD2425WSOB00877, PWD2425WSOB00878, PWD2425WSOB00879

अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड-पाली

DIPR/C/4544/2024

दिया कुमारी ने राजस्थान में रेल, राज़मार्ग और ऊर्जा क्षेत्र के लिए मांगा सहयोग

नई दिल्ली में प्री-बजट कंसल्टेशन मीटिंग में राजस्थान का पक्ष उपमुख्यमंत्री और राज्य की वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा

नई दिल्ली, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मोदी 3.0 सरकार के विजन को साकार करने के लिए आगामी केंद्रीय परिवर्तित बजट 2024-25 में "विकसित भारत- विकसित राजस्थान" की परिकल्पना को साकार करने हेतु केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष राजस्थान की उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा।

दिया कुमारी ने राजस्थान की जनता से जुड़े हुए विकास के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। बैठक के दौरान दिया कुमारी ने राजस्थान के 21 जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली पूर्वी राजस्थान कैनाल परियोजना को जल्द ही मूर्त रूप देने के सभी आयामों को विस्तार से केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने राजस्थान में संचालित जल जीवन मिशन की प्रगति और और इस मिशन को अधिक मजबूती देने तथा जल्द ही इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग रखी। दिया कुमारी ने बताया कि हमने केंद्रीय मंत्री के समक्ष राजस्थान में लंबित 3 प्रमुख रेल परियोजनाओं को जल्द ही मूर्त रूप देने के विषय को भी रखा ताकि रेल सुविधाओं से वंचित राजस्थान के दूरस्थ इलाकों में विकास की धारा को पहुंचाया जा सके।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री दिया कुमारी ने रखा।

- राजस्थान के विकास से जुड़े ई.आर.सी.पी., रेल, सड़क और ऊर्जा संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा
- राजस्थान को डबल इंजन सरकार का मिलेगा पूरा लाभ : दिया कुमारी

प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके सुदृढ़ीकरण को लेकर भी केंद्रीय मंत्री से बैठक के दौरान चर्चा की गई। दिया कुमारी ने बताया कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ राजस्थान में बड़े शहरों को दूरस्थ इलाकों के गांवों और ढाणियों से जोड़ने के लिए सड़कों का सुदृढ़ जाल होना बहुत जरूरी है ताकि राज्य के सभी हिस्सों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके। दिया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में कृषि, उद्योग के साथ साथ प्रदेश की आधारभूत संरचना के विकास में पर्याप्त ऊर्जा की सुलभ उपलब्धता बहुत अहम स्थान रखती है, इसलिए राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान में संचालित ऊर्जा कंपनियों के लिए विशेष सहयोग दिए जाने की मांग रखी ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान सभी संभावित संभावनाओं का बेहतर ढंग से दोहन करते हुए विकास को आगे बढ़ा सके। बैठक के दौरान उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी द्वारा राजस्थान की तरफ से रखे गए सभी पक्षों को केंद्रीय मंत्री ने गंभीरता से लेते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राजस्थान की सभी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा और सचिव देवाशीष पुष्टि भी मौजूद रहे।

टाटा नेक्सॉन पर एक लाख के फायदे को अच्छा समर्थन

जयपुर, (कासं)। देश की अग्रणी पैसेन्जर वाहन निर्माता कम्पनी टाटा मोटर्स ने टाटा नेक्सॉन पर अपने ग्राहकों को 1,00,000/-रूपये तक का लाभ दिया जा रहा है। यह ऑफर इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ ऑफर है। यह ऑफर 30 जून तक गाडी बुक राने पर मान्य है। टाटा मोटर्स ने अब तक टाटा नेक्सॉन सात साल में 7 लाख गाडी सेल कर चुका है। टाटा मोटर्स के अधिकारी ने बताया कि टाटा नेक्सॉन की शुरूआती कीमत 7.99 लाख रूपये है। टाटा नेक्सॉन में 7 स्पीड डीसीए ट्रांसमिशन 360 डिग्री कैमरा, पैडल शिफ्टर्स, वेन्टीलेटेड लेदर सीट आदि नये फीर्स दिये गये हैं। टाटा मोटर्स का उद्देश्य अपने ग्राहकों को सफर व सुरक्षा की विशेषताओं से युक्त गाडी उपलब्ध करवाना है जो अच्छी व सुविधाजनक हो तथा ग्राहक की पसन्द पर आसानी से खरी उतरे जिससे कम्पनी की विश्वसनीयता ग्राहकों के साथ हमेशा बनी रहे। अत्याधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल से यह एक बेहतरीन ब्रांड है। टाटा नेक्सॉन एक मात्र ऐसी गाडी है जो 5 स्टार रेटेड है। इस 1,00,000/- रूपये तक के ऑफर को पाकर ग्राहकों में खुशी की लहर और उत्साह देखा जा रहा है जिससे ग्राहकों में टाटा मोटर्स गाडियों की खरीददारी करने की होड मची हुई है। इस ऑफर का ग्राहक भरपूर लाभ उठाकर टाटा के वाहन अपने घर लाकर खुशियां मना रहे है। आज ही टेस्ट ड्राईव के लिए नजदीकी शोरूम पर जाये और गाडी बुक कराये और डीलिवरी पाये।

जगतपुरा में खंडेलवाल ढाबे पर मिली खामियां, झोटवाड़ा के डी-मार्ट में मिला नकली घी

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में मिलावट के खिलाफ अभियान निरंतर जारी

जयपुर, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में मिलावट के खिलाफ अभियान निरंतर जारी है। शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत शनिवार को भी विभिन्न स्थानों पर सीज एवं सैंपल लेने की कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा आयुक्त इकबाल खान के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त आयुक्त पंकज ओझा ने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल को प्राप्त शिकायत के आधार पर महल रोड जगतपुरा स्थित मेसर्स खंडेलवाल ढाबा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान भारी मात्रा में गंदगी पाई गई। साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। सभी खाद्य पदार्थ बिना ढके हुए थे। कार्यरत स्टाफ का मेडिकल सर्टिफिकेट नहीं पाया गया और ना ही पानी की जांच रिपोर्ट पाई गई। पेस्ट कंट्रोल का रिकॉर्ड भी नहीं पाया गया।

ओझा ने बताया कि खाना बनाने के काम आने वाली सामग्री रंग एवं केमिकल और फेविकोल के खाली ड्रमों में भरकर रखी गई थी, जिसे मौके पर ही खाली करवाया गया तथा स्टील के ड्रम में रखने के लिए पाबंद किया गया। दोपहर में ही रात के खाने के लिए प्याज और सलाद काटा जा रहा था, जिसे मौके पर ही नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत मौके से मावा, पनीर और प्याज की ग्रेवी के नमूने जांच हेतु लिए गए। साथ ही, धारा 32 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया। इसकी पालना नहीं करने पर फूड लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। कार्रवाई में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा अधिकारी दीपक कुमार सिंधी, रमेश चंद्र यादव और राजेश कुमार नागर शामिल रहे।

इसके अलावा नकली घी को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई जारी है। शनिवार को टाइटन मॉल झोटवाड़ा स्थित डी मार्ट पर सर्च अभियान के दौरान टीम को 2 लीटर नकली सरस घी मिला, जिसे सीज किया गया।

सरस डेयरी के प्रतिनिधि भी वहां पहुंचे हैं। साथ ही और दूसरी कंपनियों के घी की भी जांच पड़ताल साथ में की जा रही है। ट्राइटन माल स्थित डी मार्ट के विरुद्ध भी सरस डेयरी के अधिकारियों द्वारा एफआईआर को पूर्ववर्ती एफआईआर के साथ क्लब करवाया जा रहा है। इसी प्रकार कूकरखेड़ा स्थित अनुज ट्रेडिंग कंपनी पर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम और सरस डेयरी टीम द्वारा निरीक्षण किया तो दुकान में 430 पैकेट एक लीटर और 230 पैकेट आधा लीटर सरस घी के मिले, जो अजमेर डेयरी से निर्मित था। जयपुर सरस डेयरी से निर्मित सरस घी नहीं मिला। सरस टीम द्वारा इसको सही बताया और पूरी जांच के लिए अजमेर सरस डेयरी को सूचना दी गई। दोनों पैकेट का एक-एक नमूना लिया गया। इस घी को जांच रिपोर्ट आने तक विक्रय से रोका गया है।

कोयला खनन की समस्याओं को दूर करने छत्तीसगढ़ पहुंचे ऊर्जा मंत्री नागर

जयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम को आवंटित कोल ब्लॉक्स में कोयला खनन से संबंधित समस्याओं एवं बाधाओं को दूर करने तथा इनसे संबंधित विषयों पर छत्तीसगढ़ सरकार से चर्चा के लिए शनिवार को छत्तीसगढ़ पहुंचे। उन्होंने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में उत्पादन निगम को आवंटित कोल ब्लॉक परसा ईस्ट-कांटा बासन (पीईकेबी) का अवलोकन किया।

नागर ने यहां नियुक्त राजस्थान उत्पादन निगम के अभियंताओं तथा ज्वाइंट वेंचर कंपनी पीकेसीएल के स्थानीय अधिकारियों से गहन चर्चा की। उन्होंने उत्पादन निगम को इसके अतिरिक्त आवंटित अन्य कोल ब्लॉक परसा तथा कैंते एक्सटेंशन से कोयले का खनन प्रारंभ करने में आ रही बाधाओं पर भी अधिकारियों से चर्चा की।

ऊर्जा मंत्री ने यहां खनन कार्य कर रहे श्रमिकों तथा उनके परिजनों से भी मुलाकात की। उन्होंने पीईकेबी माइंस एरिया में राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम के माध्यम से कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉन्सिब्लिटी (सीएसआर) कार्यों के तहत संचालित गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने गर्भवती महिलाओं को पोषण तथा छत्तीसगढ़ सरकार की किसी आईटीआई को गोद लेकर इसके माध्यम से युवाओं को कौशल विकास का प्रशिक्षण प्रदान करने जैसी गतिविधियां भी संचालित करने के निर्देश दिए, जिससे कि स्थानीय श्रमिक परिवारों के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके और स्थानीय आदिवासी परिवारों में खनन गतिविधियों के प्रति विश्वास बढ़ सके। नागर ने सघन पौधारोपण करने के भी निर्देश दिए जिससे कि पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि आरवीयूएनएल का पीईकेबी कोल ब्लॉक सरगुजा में संगठित क्षेत्र में सबसे बड़े नियोक्ताओं में से एक है, जो लगभग दस हजार लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान करता है। इसने कोरबा, बिलासपुर और रायगढ़ जैसे अन्य जिलों में पलायन करने से स्थानीय श्रमिकों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

नागर ने यहां पीकेसीएल के 9 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र तथा माइनिंग एरिया में कोल के परिवहन एवं रिफिलिंग के लिए नवीनतम अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित डोजर पुश ऑपरेशन का उद्घाटन भी किया। उन्होंने उस वन क्षेत्र का दौरा भी किया जहां बीते दशक में कोयला खनन के बाद पुन: प्राप्त भूमि पर उत्पादन निगम ने स्थानीय जन भागीदारी से 11.50 लाख पौधे लगाये हैं।

'कांग्रेसी नेता सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए कर रहे है अनर्गल बयानबाजी'

- कांग्रेस पार्टी में एक खास परिवार को खुश करने के लिए कांग्रेसी नेताओं द्वारा दिए जाते हैं अमर्यादित बयान : महेंद्र मीणा
- भाजपा के विराटनगर से विधायक और प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनखड़ और जमवारामगढ विधायक महेंद्र मीणा ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेसी नेताओं के अनर्गल बयान की कड़ी शब्दों में निंदा की

जयपुर, (कासं)। भाजपा के विराटनगर से विधायक और प्रदेश प्रवक्ता कुलदीप धनखड़ और जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र मीणा ने प्रेसवार्ता कर कांग्रेसी नेताओं के अनर्गल बयान की कड़ी शब्दों में निंदा की। भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए लोकतंत्र की निर्वाचन प्रणाली का मजाक बना रहे हैं। कांग्रेसी नेता प्रदेश के मुखिया का नहीं, बल्कि प्रदेश की जनता का अपमान कर रहे हैं। डोटासरा और कांग्रेस को इस तरह की बयानबाजी से कोई लाभ होने वाला नहीं है। लोकतंत्र में जनता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और भाजपा के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा सभी मंत्री मंडल इसी ध्येय के साथ जनकल्याणकारी कार्य कर रहे हैं।

भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं को प्रदेश की जनता ने पहले विधानसभा चुनावों में और अब लोकसभा चुनावों में दरकिनार कर दिया। ऐसे में चुनावों की हार से बौखलाए हुए डोटासरा और अन्य नेता इस तरह के अमर्यादित शब्दों का प्रयोग कर रहे है। राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष होने के नाते डोटासरा को अपने शब्दों में मर्यादा और मुख्यमंत्री के पद की गरिमा का ध्यान तो रखना ही चाहिए। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। प्रदेश में 19 पेपरलीक हुए, आरएएस परीक्षा में डोटासरा के रिश्तेदारों के चयन पर सवाल खड़े हुए, प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया था, अपराधियों के हौंसले बढ़ गए थे, जेजेएम योजना में केंद्र से मिले फंड में जमकर भ्रष्टाचार किया गया। इन सबसे त्रस्त जनता ने विधानसभा में इन्हें सीरे से नकार दिया। राज से बाहर होते ही कांग्रेसी नेता मर्यादा भूल जाते है और अमर्यादित भाषा पर आ जाते हैं।

भाजपा विधायक कुलदीप धनखड़ ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 6 माह के अल्पकाल में कांग्रेस राज के दौरान पेपर लीक के मामले में कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन किया और 100 से अधिक माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया। प्रदेश में संगठित अपराध को समाप्त करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया। प्रदेश की जनता के लिए ईआरसीपी तथा यमुना जल समझौते जैसे ऐतिहासिक कार्य किए। वहीं दूरगामी सोच के चलते बिजली संकट को समाप्त करने की दिशा में काम किया और 2 लाख 24 हजार करोड़ के एमओयू साइन किए। 6 माह के कार्य तो केवल शुरूआत है सरकार का कार्यकाल अभी पूरा बाकी है। प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए जमवारामगढ विधायक महेंद्र मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम पंक्ति में बैठे गांव से आने वाले किसान के बेटे को मुख्यमंत्री बना दिया तो कांग्रेसी नेताओं को यह बात हजम नहीं हो रही। कांग्रेस में सभी नेताओं के बयान एक परिवार के खास लोगों को खुश करने के लिए दिए जाते है। वैसे भी कांग्रेस की संस्कृति है, जहां सामान्य व्यक्ति को कभी अवसर नहीं दिया जाता। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष जो दलित परिवार से आते है उन्हें जिस कदर दरकिनार किया गया वह स्पष्ट करता है कि कांग्रेस खास की चाटुकारिता व आम व्यक्ति को दुत्कारने का काम करती है। भाजपा विधायक महेंद्र मीणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए अशोभनीय शब्दों का इस्तेमाल करने वाले परसादी लाल भूल गए कि सीएम भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी को भी डे केयर पैकेज में शामिल करने का काम किया है। इससे जरूरतमंदों को काफी मदद मिल रही है। इतना ही नहीं प्रदेश की जनता के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 75 हजार स्वास्थ्य मेलों का आयोजन भी करवाया गया तो सड़क दुर्घटनाओं में जीवन रक्षा के लिए काम करते हुए 25 एडवांस लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस सुविधा शुरू की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के राज में लचर चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने के लिए अधिकारियों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में आलाधिकारियों ने अभियान चलाकर 13 हजार से अधिक निरीक्षण किए और लचर चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ किया।

सार-समाचार

गायत्री यज्ञ में श्रेष्ठ वर्षा की कामना की

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से ज्येष्ठ पूर्णिमा पर शनिवार को गृहे-गृहे गायत्री यज्ञ अभियान के अंतर्गत 125 स्थानों पर हवन कराया गया। यज्ञ के ज्ञान विज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आयोजित यज्ञ में करीब 11 हजार आहुतियां अर्पित की गई। गायत्री और महामृत्युंजय महामंत्र के अलावा प्रदेश में अच्छी वर्षा की कामना के साथ विशिष्ट मंत्रों से भी आहुतियां प्रदान की गई। गायत्री परिवार जयपुर उप जोन के समन्वयक सुशील कुमार शर्मा ने दुर्गापुरा स्थित गायत्री चेतना केन्द्र से यज्ञ का संचालन किया। गायत्री परिवार राजस्थान के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने यज्ञ के बाद संबोधित करते हुए कहा कि सामूहिक रूप से किए गए यज्ञ और साधना का प्रभाव बहुत अधिक होता है। समाज में सकारात्मक परिवर्तन और राष्ट्र को सशक्त-समर्थ बनाने के लिए सामूहिक यज्ञों का सतत आयोजन होना चाहिए। यज्ञ की पूर्णाहुति में पेड़ लगाने का संकल्प कराया गया। गायत्री यज्ञ का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ वाटिका, गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी, वेदना निवारण केन्द्र, गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ सहित सभी चेतना केन्द्रों, प्रज्ञा केन्द्रों और राजधानी की प्राय: हर कॉलोनी में किया गया। उल्लेखनीय कि गायत्री परिवार की ओर से हर पूर्णिमा का ऑनलाइन यज्ञ किया जाता है।

साढ़े तीन करोड़ का डोडा पोस्त पकड़ा

जयपुर। चित्रकूट थाना पुलिस ने साढ़े तीन करोड़ रुपए से ज्यादा के डोडा पोस्त से भरा ट्रक पकड़ा है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक को अरेस्ट किया, जबकि तस्कर का एक साथी मौका देखकर ट्रक से कूदकर भाग निकला। पुलिस के अनुसार जयपुर कमिश्नरेट पुलिस लगातार तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकाबंदी कर एक ट्रक को रुकवाया तो एक युवक कूदकर भाग निकला, जबकि चालक को पुलिस ने पकड़ लिया। जांच की तो उसमें डोडा पोस्त भरा मिला। ट्रक में करीब 12 क्विंटल डोडा पोस्त बोरियों में भरा मिला। इसकी कीमत करीब 3.60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। चालक चित्तौड़गढ़ से ट्रक लेकर आ रहा था। पुलिस चालक से पूछताछ करने में जुटी है।

11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर। मुरलीपुरा के विकासनगर विस्तार, दादी का फाटक स्थित मंदिर राधा कृष्ण मंदिर में आज रविवार, 23 जून को सुबह सात बजे से सालासर बालाजी धाम के महंत विष्णु महाराज के सान्निध्य में गौ रक्षार्थ ग्यारह कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक मनु महाराज ने बताया कि गायत्री चेतना केन्द्र मुरलीपुरा की ओर से गायत्री शक्तिपीठ कालवाड़ की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में में होने वाले महायज्ञ में गायों को बचाने के लिए विशेष आहुतियां प्रदान की जाएंगी। हवन में देसी नस्ल के गाय का घी और गोकाष्ठ का उपयोग किया जाएगा। यज्ञ की पूर्णाहुति में गो उत्पादों का प्रयोग करने का संकल्प कराया जाएगा। बच्चों को गायत्री मंत्र लेखन पुस्तिका भेंट की जाएगी। इस मौके पर मंदिर परिसर में नशा मुक्ति प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। श्रद्धालुओं को सालासर बालाजी मंदिर का प्रसाद वितरित किया जाएगा। इससे पूर्व शनिवार को सुबह मंदिर परिसर में श्रमदान किया गया। शाम को मंदिर परिसर में महाआरती हुई। सैंकड़ों दीयों की जगमगाहट से मंदिर दीपावली की तरह जगमगा उठा।

ऋषभदेव का गर्भ कल्याणक आज

जयपुर। जैन धर्म के प्रवर्तक एवं प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का गर्भ कल्याणक रविवार को भक्तिभाव से मनाया जाएगा। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना के विशेष आयोजन किए जाएंगे। सुबह अभिषेक और शांतिधारा के बाद भगवान ऋषभदेव की पूजा की जाएगी। गर्भ कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए अघ्र्य अर्पित किया जाएगा। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आगरा रोड पर पाश्र्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, मोती सिंह भोमियों का रास्ता स्थित दिगम्बर जैन मंदिर चौबीस महाराज, दिगम्बर जैन मंदिर जीऊबाईजी, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, मानसरोवर के मीरा मार्ग, मनिहारों का रास्ता स्थित बड़ा दीवान जी मंदिर सहित अन्य मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन होंगे। गुरुवार, 27 जून को बारहवें तीर्थंकर भगवान वासूपूज्य का गर्भ कल्याणक एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा।

धानक्या में शुरू हुआ बस का ठहराव

जयपुर, (कासं)। कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार व झोटवाड़ा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ की पहल पर आज से धानक्या में यात्रियों को बस की सुविधा मिलने लगी है। झोटवाड़ा विधानसभा के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्रदान कराना ही कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का संकल्प है। इस अवसर पर क्षेत्र की जनता ने कर्नल साहब के प्रति आभार व्यक्त किया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान आज से

जयपुर, (कासं)। जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ श्याम प्रसाद मुखर्जी स्मरण अभियान की शुरुआत प्रात: 11 बजे की जाएगी। कार्यक्रम का आगाज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर करेंगे। इस दौरान एक पेड़ माँ के नाम अभियान की भी शुरुआत की जाएगी। यह अभियान 23 जून से 6 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान भाजपा प्रदेश कार्यालय में वृक्षारोपण किया जाएगा।

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी ने बताया कि डॉ॰ मुखर्जी सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धान्तवादी थे। बहुमुखी प्रतिभा के धनी और शिक्षाविद् डॉ मुखर्जी के जीवन चरित्र को हमें अपने जीवन में उतारना चाहिए। भाजपा की ओर से डॉ मुखर्जी के स्मरणों को आमजन तक पहुंचाने क लिए अभियान शुरू किया जाएगा। वहीं भाजपा के कार्यकर्ताओं की ओर से प्रकृति के सौन्दर्यकरण के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान भी चलाया जाएगा। यह अभियान डॉ मुखर्जी की पुण्यतिथि से जन्म जयंती तक चलाया जाएगा।

जालौर में नवीन औद्योगिक क्षेत्र के लिए भूमि आवंटित

जयपुर, (कासं)। जालौर जिले की सायला तहसील के ग्राम मौजा उनडी में नवीन औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11(ए) के तहत 20.30 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। इस निर्णय से स्थानीय क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (रीको) द्वारा किया जाएगा।

राज्यपाल की शोक संवेदना

जयपुर, (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित आचार्य लक्ष्मीकांत जी दीक्षित के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मिश्र ने कहा कि आचार्य दीक्षित भारतीय ज्ञान, कर्मकांड और अध्यात्म परंपरा से जुड़े प्रकांड पंडित थे। उनका गोलोक गमन अध्यात्म की हमारी सनातन संस्कृति की अपूरणीय क्षति है। मिश्र ने ईश्वर से पुण्यात्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

देसी कट्टा सहित बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन (आग) के तहत ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले आरोपित रवि बंजारा को गिरफ्तार किया है। साथ ही आरोपित के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

नारी शक्ति ने मुख्यमंत्री का अभिनन्दन किया

जयपुर, 22 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधी आबादी के योगदान के बिना देश और प्रदेश सशक्त नहीं बन सकता इसलिए प्रदेश सरकार नारी शक्ति के उत्थान और चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को बराबर के अधिकार और अवसर मिलना आवश्यक है।

- 50 प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति के हित में ऐतिहासिक निर्णय : मुख्यमंत्री
- 'बेटियों के साथ ही बेटों को भी मिलेंगे पूरे अवसर'

मुख्यमंत्री शर्मा ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने पर नारी शक्ति द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने पर नारी शक्ति द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार जताया। शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण आर्थिक स्वतंत्रता तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की बात करता है क्योंकि महिलाएं सशक्त होंगी तो वे परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को आदर और सम्मान दिया जाता है। हम शक्ति के लिए मां दुर्गा, विद्या के लिए मां सरस्वती और धन के लिए मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। हमारे जीवन में भी मां, बहन, बेटी, पत्नी और अन्नपूर्णा के रूप में नारी का अहम स्थान है। उन्होंने कहा कि हमारी बहन और बेटियां देश और प्रदेश की उन्नित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने सहित कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। प्रदेश के 73 लाख परिवारों की महिलाओं को 450 रूपए में रसोई गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली राशि भी बढ़ाकर 6500 रूपए कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लाडो प्रोत्साहन' योजना में गरीब परिवारों में बालिकाओं के जन्म पर 1 लाख रूपए का सेविंग बॉन्ड देने, पंचायती राज, नगरीय निकाय तथा आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने के साथ ही साथिन कार्यकर्ताओं का मानदेय भी बढ़ाया गया है। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रदेश महिला अत्याचार के मामलों में अव्वल हो गया था। महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस करती थीं लेकिन हमारी सरकार ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'एंटी रोमियो स्क्वाड' का गठन किया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवा चिंता ना करें, सरकार बेटियों के साथ ही उन्हें भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर उपलब्ध करवाएगी। आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर चरणबद्ध तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर उन्हें भरा जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में स्थापित होने वाले उद्योगों में भी युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे। राज्य सरकार विकसित राजस्थान और विकसित भारत के लिए नारी शक्ति के हित में निरंतर फैसले करती रहेगी। इस दौरान बालिका पूजा पुरी गोस्वामी ने मुख्यमंत्री को वुड बर्न आर्ट से बनाया हुआ चित्र भेंट किया। समारोह में आई महिलाओं और बालिकाओं ने मुख्यमंत्री के साथ शेल्फी भी ली।कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार, राजसमंद विधायक दिप्ती किरण माहेश्वरी के अलावालक्ष्मीकांत भारद्वाज एवं हेमलता शर्मा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं तथा स्कूल-कॉलेज की छात्राएं उपस्थित थीं।

ई-मित्र संचालक गिरफ्तार

भरतपुर (निस)। भुसावर थाना पुलिस ने फेसबुक पर ऑनलाईन चैटिग के जरिये ठगी करने के मामले में एक और आरोपी ई-मित्र संचालक को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देशन में साईबर ठगों के विरूद्व चलाये जा रहे ऑपरेशन एन्टीवायरस के तहत थानाधिकारी सुनील कुमार मय जाप्ता द्वारा कार्यवाही करते हुये मुखविर की सूचना पर नाकाबन्दी के दौरान विधापीठ कस्वा भुसावर से संदिग्ध प्रतीत होने पर वाईक सवार को पकडकर नाम-पता पूछा तो उसने अपने नाम अशोक कुमार पुत्र भारतलाल का होना बताया। उक्त व्यक्ति के मोबाईल फोन को चैक किया तो मोबाईल फोन में फेसबुक पर अज्ञात युवती की फोटो की डीपी लगाकर फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर अनेक व्यक्तियों से चैटिगं कर ऑनलाइन चैटिग व कॉलिंग के जरिये भोले-भाले लोगों को फंसाकर ऑनलाईन ठगी करता हूॅ। पुलिस द्वारा फैसबुक पर ऑनलाईन ठगी करने के मामले में आरोपी अशोक कुमार पुत्र भारतलाल मीना जाति मीना उम्र 24 साल निवासी नरकट का नगला झारौटी थाना भुसावर को गिरफतार कब्जे से मिले माबोईल फोन व 38 हजार रूपये को जब्त कर थाना भुसावर पर प्रकरण दर्ज किया गया था।

भारत विकास परिषद की जिला कार्यशाला का आयोजन

करौली(नि.स.)। भारत विकास परिषद करौली की जिला कार्यशाला का आयोजन शनिवार को भंवर विलास मैरिज गार्डन करौली में किया गया।

परिषद के जिला समन्वयक राजेन्द्र दीवान ने बताया कि कार्यशाला में परिषद् के राष्ट्रीय,रीजनल व प्रांतीय पदाधिकारियों ने शाखा स्तर पर समाज सेवा की गतिविधियों की आयोजना,क्रियान्वन, व संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया।जिला कार्यशाला में परिषद के रीजनल संयुक्त महासचिव डा.शिव मंगल ने परिषद् के निर्धारित प्रोटोकाल,पदाधिकारियों द्वारा प्रभावी रूप से शाखा संचालन, व समन्वय के बारे में जानकारी प्रदान की।परिषद के राष्ट्रीय प्रॉजेक्ट सदस्य हरिप्रसाद शर्मा ने संपर्क ,संस्कार व सेवा प्रकल्पों के प्रभावी क्रियान्वन की तकनीकी जानकारी प्रदान की।

प्रांतीय महासचिव हेमन्त गर्ग ने प्रभावी टीम वर्क व सूचनाओं के विभिन्न स्तरों पर संप्रेषण की उपयोगिता के विषय में जानकारी प्रदान की।प्रांतीय महिला संयोजिका श्रीमती सरोज मंगल ने परिषद के कार्यों में मातृशक्ति की शिविर,बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ,एनीमिया उन्मूलन कार्यक्रमों के प्रभावी आयोजन पर जोर दिया। तत्पश्चात समूह चर्चा व जिज्ञासा समाधान सत्र अयोजित किया गया।कार्यशाला की शुरुआत भारतमाता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन व वन्दे मातरम् गान से की गई तथा समापन राष्ट्र गान से किया गया। परिषद के अध्यक्ष तुलसीदास गोयनका ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यशाला में करौली जिले की शाखाओं के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, प्रान्त पदाधिकारी, कार्यकारणी सदस्य, प्रकल्प प्रभारियो ने भाग लिया। इस अवसर पर सचिव कमलाकांत शर्मा,कोषाध्यक्ष अरविन्द अग्रवाल,योगेंद्र सिंहल, सीताराम शर्मा एडवोकेट,मोतीलाल शाक्यवाल, डॉ. पुष्पेंद्र शर्मा,संयोजक गोविन्द लोहे वाले, सहसंयोजक राधेश्याम टैंट, गोविन्द सर्राफ आदि मौजूद रहे।

- **प्रांतीय महासचिव हेमन्त गर्ग ने प्रभावी टीम वर्क व सूचनाओं के विभिन्न स्तरों पर संप्रेषण की उपयोगिता के विषय में जानकारी प्रदान की।**

करौली मे भारत विकास परिषद की कार्यशाला के दौरान मंचस्त अतिथि

बैठक आयोजित

भरतपुर (निस)। सेवा भारती समिति भरतपुर द्वारा आयोजित किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग' का आयोजन 23 जून 2024 को प्रात: 8.30 बजे से 4.30 बजे तक समिधा भवन जवाहर नगर' पर किया जाएगा समिति के जिलाध्यक्ष योगेश सर्राफ व जिला महामंत्री योगेंद्र खंडेलवाल ने बताया प्रशिक्षण शिविर में किशोरियों के स्वास्थ्य शिक्षा, मानसिक विकास, मनोचिकित्सा, साइबर सुरक्षा, पोक्सो, किशोरी कानून सहित आत्म सुरक्षा योग, प्राणायाम ,रचनात्मक कार्य एवं किशोरियों के स्वावलंबन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर जानकारी प्रदान की जाएगी।

महिला मोर्चा की गायत्री अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में 2 महिला चिकित्सक, मनोचिकित्सक, महिला अधिवक्ता एवं साइबर क्राइम और आत्मरक्षा के प्रशिक्षक आएंगे।

महिला मोर्चा सहमंत्री वेदवती आर्य ने जानकारी दी कि तीनों जिलों (धौलपुर, डीग, भरतपुर) व तहसीलों से काफी संख्या में बहने प्रशिक्षण में भाग लेने आ रही हैं साथ ही यह भी जानकारी दी कि जयपुर से सेवा भारती प्रांत अध्यक्ष सुमन बंसल, प्रांत उपाध्यक्ष अनिल शुक्ला, राष्ट्रीय सेवा भारती प्रशासन विभाग प्रमुख मूलचंद सोनी, प्रांत संगठन मंत्री द्वारका प्रसाद आएंगे।

नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक का वितरण किया

भरतपुर (निस)। स्थानीय जवाहर नगर स्थित होली मदर एजूकेशनल एण्ड चैरिटेबिल सोसायटी के तत्वाधान में आज होली मदर पब्लिक स्कूल में शिक्षा के अधिकार के तहत शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओ को नि:शुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संस्था के सचिव ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजेश कुमार, उप-निदेशक, महिला सशक्तिकरण विभाग भरतपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष राजेन्द्र कुन्तल ने किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव जेम्स एन्थौनी, विद्यालय के एडमिन ऑफिसर ए ए बैन्रो, प्रधानाध्यपिका ज्योति, आरटीई प्रभारी स्वदेश कटारा के साथ-साथ अभिभावक, विद्यार्थी, अध्यापक-अध्यापिका मौजूद रहे। आरटीई प्रभारी स्वदेश कटारा ने बताया कि विद्यालय में नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे 117 बच्चों को नि:पाठ्यपुस्तक वितरण अतिथियों के कर-कमलो के द्वारा कराया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि निश्चित रुप से संस्था के द्वारा किया जा रहा यह कार्य सरहानीय है। उन्होने अभिभावको को सरकार की इस योजना के तहत जब आपके बच्चों की इस तरह के अच्छे विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला है तो उसको अच्छे से उपयोग करें। विद्यालय का सहयोग करें। इस अवसर पर नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करे विद्यार्थियों में से जिनका उत्तम प्रदर्शन रहा उनको गिफ्ट पैक देकर सम्मानित भी किया गया।

वीर गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

करौली (नि.स.)। टोंका खरेटा स्थित नन्दे भुमिया देवनारायण मन्दिर पर गुर्जर प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया गया । आयोजन समारोह के मुख्य आयोजक भूरसिह गुर्जर भूरा फूले की झोंपडी रहे एवं मुख्य अतिथि गुर्जर आरक्षण समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला, विशिष्ट अतिथि हेमन्त सिंह बिडरवाँस (नव चयनित आईएएस) निवासी कटारा अजीज एवं करौली विधायक पुत्र विश्वेन्द्र सिंह रहे ।

समारोह के आयोजन में बोर्ड परीक्षाओं में इस साल 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले गुर्जर समाज एवं अन्य समाजों के छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय खेलों में पुरस्कृत खिलाडी, पिछले दो सालो में गुर्जर समाज से विभिन्न सरकारी नौकरियों में नियुक्त कर्मचारी एवं अन्य को शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया एवं अतिथियों को माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा दर्शकों के मनोरंजन के लिए प्रसिद्ध गायक हरीराम गुर्जर अलावडा अलवर को भी आमंत्रित किया जिन्होंने अपनी मधुर आवाज में अपने ढोला गायन द्वारा धार्मिक कथा में अपनी प्रस्तुति दी। जिससे श्रोतागण भाव विभोर हो उठे। इस अवसर पर 12 गाँव बिडरवाँस एवं आसपास के सभी गाँवों के हजारों की संख्या में दर्शकों सहित हेमराज ऊँचेकापुरा, रमेश सुबेदार ऊँचेकापुरा, वीरेन्द्र सुबेदार ऊँचेकापुरा, भानुप्रताप बैंसला, सियाराम वकील कैमरी,जोरावर-बक्तावर अध्यापक, राजरौसी फूले की झोंपडी, रामवीर थडकापुरा, रामसिंह टोंका,अमरसिंह तुलसीपुरा,शिवचरण तुलसीपुरा, पूरन बिंदापुरा, सुरेश सरपंच बिंदापुरा,गोरधन सुबेदार टोंका, रजन पटैल टोंका आदि अनेकों सक्रिय कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

- **80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले गुर्जर समाज के छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया**

पंजीकरण 8 जुलाई से प्रारंभ

करौली (नि.स.)। भारतीय वायुसेना में अग्निपथ स्कीम के अंतर्गत अग्निवीरवायु भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण 8 जुलाई से प्रारंभ हो रहे है। ऑनलाईन पंजीकरण करने वाले इच्छुक अविवाहित पुरुष एवं महिला उम्मीदवार भर्ती से सम्बन्धित सभी नियमों की विस्तृत जानकारी भारतीय वायुसेना की आधिकारिक वेबसाईट से प्राप्त कर सकते है। उम्मीदवार अग्निवीरवायु की भर्ती के लिए 8 जुलाई प्रात: 11 बजे से 28 जूलाई रात 11:00 बजे तक पर लॉग इन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते है। ऑनलाईन पंजीकरण हेतु 3 जुलाई से 3 जनवरी 2008 (दोनो दिनांक सहित) के बीच जन्मे अविवाहित पुरुष एवं महिला उम्मीदवार इस भर्ती के लिए पात्र होंगे एवं 12वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा विज्ञान संकाय में गणित,भौतिक और अंग्रेजी विषय के साथ एवं कला तथा वाणिज्य संकाय मे किसी भी विषय के साथ 50 फीसदी अंको के साथ अंग्रेजी विषय में भी 50 फीसदी अंक होना अनिवार्य है या 03 वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारक या 02 वर्षीय वोकेशनल कोर्स पास उम्मीदवार आवेदन के पात्र होंगे।

नगर परिषद ने पॉलिथीन विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही की

करौली(नि.स.)। करौली नगर परिषद प्रशासन ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के बावजूद भंडारणकर्ता और विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए चालान काटे।

करौली नगर परिषद के आयुक्त करणी सिंह ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, नियंत्रण के दृष्टिगत इसके उपयोगकर्ता, भंडारणकर्ता, क्रेता, विक्रेता को हतोत्साहित,जागरूकता हेतु स्वयं के निर्देशन में परिषद के सहायक अभियंता राम अवतार मीणा, विकास मीना, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी आकाश शर्मा, फायर प्रभारी लोकेश कुमार, अनिल कुमार एवं परिषद के कार्यवाहक जमादार बबली, कन्हैया तथा होमगार्ड के जवानो आदि ने शहर के बाजारों में कार्यवाही करते हुए हिंडौन गेट से गुलाब बाग में सिंगल यूज प्लास्टिक को जप्त करते हुए 64 किलो ग्राम पॉलिथीन जप्त की गई तथा जप्त की गई पॉलिथीन वाले संस्थानों से कुल 11हजार रुपये की जुर्माना राशि वसूल की गई।

करौली मे नगरपरिषद के दस्ते ने पॉलिथिन विक्रेताओ के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए चालान काटे।

तीसरे दिन भी नही हुई मृतक महिला, बालिका की पहचान

करौली(नि.स.)। मासलपुर डांग क्षेत्र में 3 दिन पूर्व एक महिला और बालिका के अध जले मिले शव की तीसरे दिन शनिवार को भी पहचान नहीं हुई। ज्ञात रहे गत तीन दिन यानी गुरुवार को मासलपुर थाना क्षेत्र के डाग क्षेत्र में एक महिला और एक बालिका अधजली मृत अवस्था में मिली जिनके शव को पुलिस प्रशासन ने शिनाख्त के लिए मासलपुर अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है।

जिसकी आज तीसरे दिन तक पहचान नहीं होने से मामला पेचीदा बना हुआ है हालांकि इस मामले में पुलिस प्रशासन के अधिकारी और कई टीम घटना का खुलासा करने और मृतक बालिका और महिला की पहचान के लिए पूरे प्रयास कर रहे हैं। पुलिस उपाधीक्षक अनुज शुभम ने बताया कि पूरे राजस्थान के सभी जिलों में जिसकी सूचना छोड़ी गई है और इसके अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश के जिलों में भी सूचना छोड़ी गई है लेकिन अभी तक पहचान नहीं होने से मामला पेचीदा बना हुआ है।

मरीज के अटेंडर ने अस्पताल में मचाया उपद्रव, तोड़फोड़ की

बाड़ी। धौलपुर जिले के बाड़ी शहर के सामान्य अस्पताल में भर्ती मरीज के अटेंडर द्वारा उपद्रव करने, लेवर रूम का कांच तोड़ने, कूलर और अन्य सामान की तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी है, जिसके बाद पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।बताया जा रहा है कि भर्ती महिला मरीज के कुछ दिन पूर्व सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। जिसमें बच्चा होने के बाद अब कुछ समस्या सामने आने पर वे सामान्य अस्पताल में दिखाने आए थे। जहां चिकित्सक द्वारा मरीज को देखे जाने के बाद भर्ती करने और उपचार की तैयारी की जा रही थी। इस दौरान मरीज के साथ आया अटेंडर युवा भड़क गया और उसने लेवर रूम के कांच को तोड़ने के साथ तोड़फोड़ शुरू कर दी। इससे अस्पताल में कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। मरीज इधर से उधर भागते दिखाई दिए।

सामान्य अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ हरिकिशन मंगल ने बताया कि शनिवार सुबह 9 से 10 बजे के बीच उपखंड के बटेश्वर कला से एक महिला मरीज को कुछ लोग दिखाने लाये थे। जिसके कुछ दिन पूर्व जिला अस्पताल धौलपुर में सिजेरियन ऑपरेशन हुआ था। महिला को परेशानी होने पर उसे स्त्री एवं प्रस्तुति रोग विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा देखा गया और भर्ती के लिए लेबर रूम के बाहर कूलर के सामने लिटा दिया था। उपचार की तैयारी की जा रही थी इसी दौरान मरीज के साथ आये एक से दो युवक भड़क गए और उन्होंने लेवर रूम के कांच को तोड़ दिया। साथ में कूलर सहित कुछ अन्य सामान की तोड़फोड़ की है। पूरी घटना सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई है।

प्रकट दिवस मनाया

भरतपुर (निस)। सदुरू कबीर पंथ महासभा समिति भरतपुर द्वारा कबीर साहब का 626वॉ प्रकट दिवस बाबा मैरिज होम तोप सर्किल के पास, भरतपुर में धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर कबीर की विचार गोष्ठी का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि संजना जाटव सांसद लोकसभा क्षेत्र भरतपुर एवं विशिष्ट अतिथि अभिजीत कुमार मेयर नगर निगम भरतपुर थे। प्रेमसिंह आर्य ने अपने विचार व्यक्त किये, जिसकी अध्यक्षता हीरादास थानेदार द्वारा की गई। संचालन महामंत्री भगवान दास प्रिंसीपल ने किया। सांय 5 बजे शोभायात्रा को मेयर अभिजीत कुमार ने हरी झण्डी दिखाकर मिनी सचिवालय से रवाना किया।

कार से बाइक टकराने पर हंगामा, वायरल हो रहे फुटेज

धौलपुर। धौलपुर शहर के कलेक्ट्रेट गेट पर कार से बाइक टकराने पर जमकर हंगामा हुआ। जिसके फोटो और वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि कलेक्ट्री के गेट के पास दोपहर करीब 2 बजे करीब सड़क पर एक कार खड़ी थी। जिसमें एक परिवार बैठा था। पीछे से अचानक एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने कार में आकर जोरदार टक्कर मार दी।

बाइक चालक अपनी गलती मानने की जगह कार चालक को अपशब्द बोलने लगा। जब इस बात पर कार में बैठी महिलाओं ने विरोध किया तो बाइक सवार ने उनसे अभद्रता करना शुरू कर दिया। महिलाओं से अभद्रता होने पर कार के चालक ने बाइक सवार को पकड़ लिया। दोनो में कहासुनी होने के बाद मारपीट शुरू हो गई।

महिलाएं भी बीच-बचाव को कार से नीचे उतर आई। तो बाइक चालक ने महिलाओं से भी मारपीट करना शुरू कर दिया। महिलाओं ने भी दंबगई दिखाने वाले युवक की चप्पलों से पिटाई कर ड़ाली। जिसके बाद खुद को घिरता देख बाइक चालक बाइक लेकर भाग खड़ा हुआ। इस लाइव मारपीट के कुछ फोटो और वीडियों इंटरनेट पर वायरल हुए हैं, जो सुर्खियों में हैं।

मंदबुद्धि की पिटाई की : जिले के सैंपऊ में एक व्यक्ति को लोगों ने चोर होने के शक में पकड़ लोहे के पाइप से बांधकर पिटाई करने का मामला सामने आया है। मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने पाइप से बंधे मिले व्यक्ति को मुक्त कराया है। दरअसल जिस व्यक्ति को लोग चोर समझ रहे थे, वह व्यक्ति मंदबुद्धि बताया गया है। सैंपऊ में ऐतिहासिक कदमखंडी आश्रम की यह पूरी घटना है। मंदिर महंत उदयवीर सिंह ने बताया कि रात्रि को मंदिर परिसर में घूमते मिलने पर व्यक्ति को आश्रम में सो रहे एक साधु ने टोका, फिर सुबह के पहर व्यक्ति के मंदिर पर पहुंच जाने से लोगों ने चोर होने का शक जताया। आरोप है कि उसने बाबू महाराज मंदिर में चढ़ावे की कुछ नगदी को भी चुराकर अपनी जेब में रख लिया। तभी मंदिर महंत के द्वारा पूछताछ करने पर व्यक्ति ने अपनी पहचान सही से नहीं बता पाई। तभी लोगों ने उसको पकड़ कर मंदिर के बाहर लगे लोहे के पाइप से बांध दिया।

सुन्दर सिंह भण्डारी की पुण्यतिथि पर आयोजित की विचार गोष्ठी

सवाईमाधोपुर,। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा सवाई माधोपुर द्वारा शनिवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि भण्डारी की विचार गोष्ठी कार्यक्रम मे पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ भरतलाल मथुरिया, सुरेशचंद जैन, बजरंग लाल जाट मंचासीन रहे, विचार गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित ने भण्डारी की जीवनी पर प्रकाश डाला, उन्होंने कहा कि सुन्दर सिंह भण्डारी एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे, जनसंघ के संस्थापक सदस्यो मे से एक थे, भंडारी का जन्म उदयपुर में प्रसिद्ध चिकित्सक डा. सुजानसिंह के घर में हुआ था, वे कार्यकर्ताओं से जीवन शैली में मर्यादा बनाए रखने को कहते थे, वे एक शिल्पकार और कुशल कारीगर थे जिन्होंने व्यक्ति, समाज और संगठन के कार्यकर्ताओं को गढ़ा था, उन्हें कभी भी कलश बनने की इच्छा नहीं हुई इसलिए वे स्वभाव से स्पष्टवादी थे। विचार गोष्ठी कार्यक्रम को मचासीन अतिथियों ने भी सम्बोधित किया । इस दौरान जिला महामंत्री हरिओम गर्ग, चंपालाल मीणा, जिला उपाध्यक्ष बलवीर सिंह राजावत, मेघराज मीणा, अंजू जाटव, जिला मंत्री पुष्कर जाट, हरफूल मरमट, मंडल अध्यक्ष नीलकमल जैन, श्रीचरण महावर, मनीष शर्मा, शंकर सिंह नरूका, बाबूलाल सैनी, नवीन शर्मा, नेमीचंद मीणा, कैलाश अग्रवाल, सुधाकर त्रिपाठी, लखन मीणा, मनराज गुर्जर, गंगाशंकर गौतम, कैलाश मीणा, सीताराम गुर्जर, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष जीपी वर्मा, आशा शर्मा, बनवारी जाट, पूर्व सभापति कमलेश जैलिया, पूर्व महामंत्री देवेन्द्र सिंह राठौड़, पार्षद कपिल जैन, रितेश भारद्वाज, देवेंद्रमोहन गौतम, संतोष मथुरिया, सीमा गौतम, कृष्णा गुप्ता, प्रीतम चौधरी, कमलेश शर्मा, नरेश साहू, प्रणव गौतम, मुकेश शर्मा, मोहनलाल कौशिक, गजानंद शर्मा, सत्येन्द्र गुप्ता, गायत्री जांगिड़, संजय शिकरवार, शुभम भारद्वाज खेमराज महावार आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- **विचार गोष्ठी मे जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित ने भण्डारी की जीवनी पर प्रकाश डाला गया**

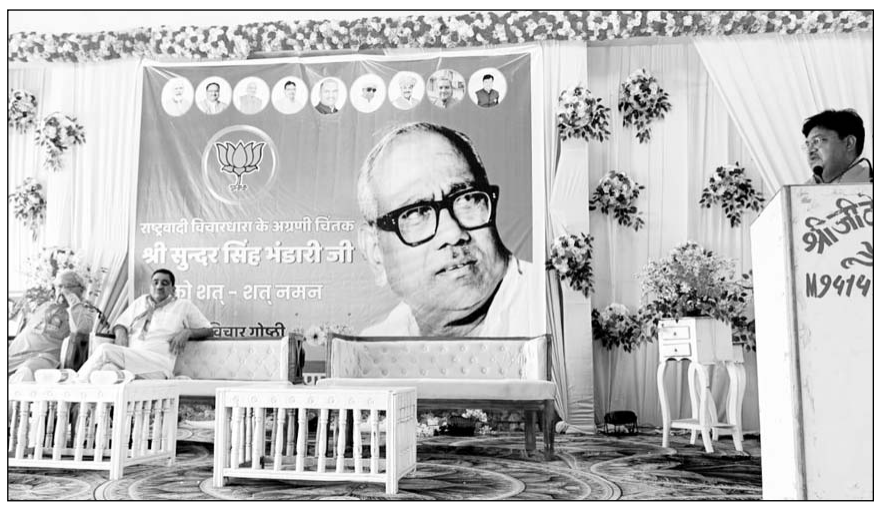

स्व. सुन्दर सिंह भण्डारी की पुण्यतिथि के अवसर पर भाजपा सवाई माधोपुर द्वारा शनिवार को विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

सेवा भाव का दिया परिचय

धौलपुर। भीषण गर्मी में आमजन को राहत देने के लिए राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से सर्किट हाउस गेट पर संचालित सार्वजनिक प्याऊ जल मंदिर पर आमजन राहगीरों हेतु बादाम से बनी शीतल ठंडाई का वितरण किया गया।

संगठन के प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा तथा शिक्षाविद आचार्य विनोद उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर अपने हाथों से राहगीरों को शीतल ठंडाई पिलाकर इस पुनीत कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर शिक्षाविद आचार्य विनोद उपाध्याय ने कहा कि गर्मी के मौसम में शीतल जल की प्याऊ राहगीरों के लिए वरदान साबित होती हैं। प्याऊ परआमजन को शुद्ध जल मुहैया होता है। लेकिन यह व्यवस्था धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है।शिक्षकों की ओर से शीतल जल की प्याऊ का संचालन कर बेहद पुनीत कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने शिक्षक संघ की ओर से आमजन के लिए बादाम की ठंडाई वितरण की सराहना करते हुए कहा कि गर्मी में शीतल पेय अमृत के समान होने के साथ शरीर को ठंडक प्रदान करता है। संघ के प्रदेश महामंत्री राजेश शर्मा ने बताया कि पिछले दस सालों से संगठन के पदाधिकारियों द्वारा आपसी सहयोग से शीतल और शुद्ध जल की सार्वजनिक प्याऊ का संचालन किया जा रहा है ।संघ की ओर से समय समय व बिशेष मौको पर ठंडा पेय शरबत व ठंडाई का बितरण भी किया जाता है।

डॉ. गर्ग ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को लिखा पत्र

भरतपुर (निस)। पूर्व मंत्री एवं भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर भरतपुर नगर निगम क्षेत्र में मास्टर ड्रेनेज परियोजना के प्रथम चरण में सीएफसीडी के चल रहे कार्य को निविदा अनुसार ही सम्पादित कराने का आग्रह किया है।

डॉ. गर्ग ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को लिखे पत्र में कहा कि 2021-22 में मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत् नगर निगम क्षेत्र में सीएफसीडी, आरएनएफसीडी तथा स्ट्रोम वाटर ड्रेन्स के निर्माण की परियोजना रिपोर्ट बनवाई गई थी। डीपीआर को बनवाने के लिये राज्य स्तरीय कमेटी गठित की गई थी। कमेटी द्वारा सभी मानकों का परीक्षण करने के पश्चात् इस परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई थी। राज्य सरकार ने इस प्रोजेक्ट को दो चरणों में पूरा करने के आदेश दिये थे। जिसमें 60 प्रतिशत कार्य प्रथम चरण में तथा शेष 40 प्रतिशत दूसरे चरण में सम्पादित करना प्रस्तावित किया गया था। चूंकि निविदा प्रक्रिया दोनों चरणों की एक ही साथ पूरी हुई थी। राज्य सरकार एवं नगर निगम के अनुमोदन के पश्चात् यह यह कार्य शुरू किया गया था ।

डॉ. गर्ग ने पत्र में बताया कि प्रथम चरण का कार्य प्रगति पर है और नगर निगम द्वारा अब तक कम्पनी को 90 करोड रुपये का भुगतान किया जा चुका है और जमीनी स्तर पर 125 करोड रुपये के आसपास का कार्य पूरा हो चुका है। अनाह गेट से जघीना गेट की बॉक्स ड्रेन्स करीब 70 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। यदि इस परियोजना के वर्तमान स्वरूप में किसी भी तरह से फेर बदल किया जायेगा। तो आम जन में नकारात्मक संदेश जायेगा। स्थानीय प्रशासन प्रगतिरत प्रथम चरण में सीएफसीडी में जो बॉक्स ड्रेन्स बन गई हैं, वहीं पर छोडकर शेष को खुला रखने पर आमदा है। अगर ऐसा होता है तो यह दुर्भाग्य पूर्ण होगा।

उन्होंने पत्र में कहा कि काली की बगीची से जो सीएफसीडी जघीना गेट तक जाती है उसे बॉक्स ड्रेन्स द्वारा बनाने का प्रावधान है। 40 फीट की ड्रेन्स को मिलाकर 80 फीट रोड बनकर तैयार होगा। जो भरतपुर में वैकल्पिक मार्केट के रूप में बन सकेगा। जिससे भरतपुर में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और रोजगार के भी अवसर बढ सकेगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि ड्रेन्स खुली रहेगी तो ना तो कोई रोड बन सकेगा और ना ही मार्केट लेकिन ड्रेन्स की बगल वाली भूमि पर भूमाफियों द्वारा कब्जा करने की पूरी-पूरी संभावना बन जायेगी उन्होंने सीएम को लिखे पत्र में बताया कि अगर ड्रेन्स को खुला रखा जायेगा। तो खुली ड्रेन्स में लोग कचरा डालेगें जिससे पानी का प्रवाह रूक जायेगा। पानी का बहाव रूकने से मच्छरों की समस्या जस की तस रहेगी साथ ही सुजानगंगा नहर की तरह यह भी सुसाइट पॉइण्ट बन जायेगा। उन्होंने कहा कि अधूरे प्रथम चरण में किसी भी प्रकार की छेडछाड होने से नगर निगम के कॉन्ट्रेक्ट की भी जिम्मेदारियों में भी परिवर्तन आयेगां।

- **सीएफसीडी के प्रथम फेज में कोई परिवर्तन नहीं करने का किया आग्रह**

समिति की बैठक आयोजित

भरतपुर (निस)। अग्रवाल भवन खिरनी घाट भरतपुर पर भगवान जगन्नाथ रथयात्रा समिति की बैठक संरक्षक संजीव गुप्ता एवं मोहन मितल की अध्यक्षता एवं इस्कॉन वृन्दावन के प्रतिनिधि रसराज दास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई। महामंत्री महेश सिंघल ने बताया कि 10 जुलाई 2024 को भरतपुर शहर में निकलने वाली भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा के संबंध में विस्तृत व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर इस्कॉन की टीम द्वारा द पार्क होटल में भगवान श्री जगन्नाथ जी का भव्य श्रृंगार किया

बाबर को अपनी टीम के लिए मैच जीतने होंगे। बाबर आजम पिछले दो आईसीसी इवेंट्स में बुरी तरह से नाकाम रहे हैं। बाबर को आखिर कप्तान किसने बना दिया। - शोएब अख्तर

पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर, बाबर आजम की कप्तानी पर सवाल उठाए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

बलजीत कौर

भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक टाटा पावर ने गर्व के साथ की है कि इसकी सस्टेनेबिलिटी चौंपियन और शीर्ष पर्वतारोही बलजीत कौर ने कंपनी केस स्टेनेबल इज अटेनेबल संदेश को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी तक पहुंचाते हुए माउंट एवरेस्ट पर सफलता पूर्वक फतह हासिल की। टाटा पावर के सीईओ एवं एमडी डॉ. प्रवीर सिन्हा ने अप्रैल में इस अभियान की शुरुआत मुंबई में औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर की थी। इसके बाद बलजीत ने लद्दाख जंस्कर हिमालय पर्वतमाला में कठिन प्रशिक्षण लिया।

क्या आप जानते हैं ?... एक टैस्ट मैच में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के खिलाड़ी ग्राहम गूच के नाम है। गूच ने 1990 में भारत के खिलाफ 333 और 123 रन बनाए।

भारत ने बांग्लादेश को 50 रनों से मात दी, हार्दिक-कुलदीप रहे हीरो

सेमीफाइनल की ओर बढ़ी भारत, एंटीगा में रनों की बारिश

एंटीगा, 22 जून। टीम इंडिया ने शनिवार को एंटीगुआ के मैदान में बांग्लादेश को 50 रन से हरा दिया। सुपर-8 स्टेज में ये टीम इंडिया की दूसरी जीत है। इसके साथ ही टीम सेमीफाइनल के और करीब पहुंच गई है। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया था। बैटिंग पिच पर सूर्य कुमार को छोडड़ार टीम इंडिया के हर टॉप ऑर्डर बल्लेबाज ने स्कोर किया और 196 रन बनाए। हार्दिक पंड्या ने भारतीय पारी की आखिरी गेंद पर चौका मारकर अपनी फिफ्टी पूरी की। इसी पिच पर जब भारत ने गेंदबाजी शुरू की, तो बांग्लादेशी बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। कुलदीप यादव ने अपने 4 ओवर में 3 विकेट लिए और सिर्फ 19 रन खर्च किए। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो अकेले लड़ाई लड़ते रहे। उन्होंने 40 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पवेलियन भेजा।

सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम, नॉर्थ साउंड की धीमी पिच पर विश्वकप में किसी भी टीम द्वारा बनाया गया यह अब तक सर्वाधिक स्कोर है। टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किये जाने का बांग्लादेशी कप्तान नाजमुल हस शान्तो का फैसला अचरज भरा था क्योंकि धूप तेज होने के साथ यहां पिच के और धीमा होने के कयास लगाये जा रहे थे। रोहित और विराट ने पारी की शुरुआत आक्रमक तरीके से की और दोनो ने पहले पावर प्ले का भरपूर फायदा उठाते हुये मैदान के चारों ओर कई आकर्षक शाट्स लगाये। रोहित हालांकि पारी के चौथे ओवर में शाकिब अल हसन का शिकार बने। शाकिब की धीमी गेंद को ऑन साइड में हिट करने के प्रयास में फुलर गेंद ने बल्ले का बाहरी किनारा लिया और मिड ऑफ़ जाकेर ने दौड़ लगाते हुये उनका कैच लपक लिया।

नये बल्लेबाज ऋषभ पंत ने विराट का साथ देते हुये रनो की रफ्तार को बनाये रखा और दोनो ने आठवे ओवर तक टीम के खाते में 70 रन जोड़ लिये थे मगर इस बीच विराट की पारी का अंत तनजीम हसन साकिब ने किया जब उनकी डिलीवरी पर कोहली पूरी तरह से गच्चा खा गए और पुल करने के प्रयास में गेंद की लाइन से चूक गये और गेंद स्टंप से टकरा गयी। इसी ओवर में बांग्लादेश को विस्फोटक सूर्य कुमार यादव (6) के विकेट के रुप में एक और अहम सफलता मिली। ऋषभ पंत 12वें ओवर में रिशाद हुसैन का शिकार बने।

उधर हार्दिक पांड्या का साथ देने आये शिवम दुबे ने आज स्पिनर्स के खिलाफ अपने हाथ खोले और दोनों बल्लेबाजों ने बांग्लादेशी आक्रमण की धज्जियों उडाते हुये तेजी से रन बटोरना शुरु किया। दुबे रिशाद हुसैन की गेंद पर छक्का लगाने के बाद दूसरी गेंद को भी हिट करने के प्रयास में बोल्ड आउट हुये वहीं हार्दिक पांड्या ने अक्षर पटेल (3 नाबाद) का सहयोग लेते हुये अपनी रफ्तार जारी रखी और टीम के स्कोर को विशाल बना दिया।

होप के तूफान में उड़ा अमेरिका, वेस्टइंडीज नौ विकेट से जीता

आंद्रे रसल व रॉस्टन चेज ने तीन-तीन विकेट लिए

बारबडोस, 22 जून। आंद्रे रसल (31रन पर तीन विकेट) और रॉस्टन चेज (19 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद शे होप (82 नाबाद) की तूफानी बल्लेबाजी की बदौलत वेस्टइंडीज ने शनिवार को टी20 विश्वकप के सुपर आठ मुकाबले में अमेरिका को 55 गेंद बाकी रहते नौ विकेट से धो दिया।

इस जीत के साथ वेस्टइंडीज का रन औसत ग्रुप दो में नम्बर एक टीम दक्षिण अफ्रीका से बेहतर हो गया है और अब 24 जून को होने वाले मैच में दक्षिण अफ्रीका को मेजबान टीम से सुपर आठ के लिये ग्रुप में अव्वल रहने के लिये चौकन्ना रहना पड़ेगा हालांकि दक्षिण अफ्रीका अमेरिका और इंग्लैंड को हरा कर पहले ही सेमीफाइनलमें अपनी जगह लगभग पक्की कर चुका है।

वेस्टइंडीज का टॉस जीत कर अमेरिका को पहले बल्लेबाजी दिये जाने का निर्णय सही साबित हुआ और रसेल,अल्जारी जोसेफ (दो विकेट) और चेज की गेंदबाजी के आगे अमेरिकी बल्लेबाजों ने आत्मसमर्पण कर दिया और पूरी टीम 19.5 ओवर के खेल में 129 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। बाद में बल्लेबाजी करने उतरे कैरिबियाई धमाका शे होप ने मात्र 39 गेंदों में चार चौके और आठ छक्के की मदद से 82 रन ठोक कर अमेरिकियों के होश उड़ा दिये और मात्र 10.5 ओवर में विजय लक्ष्य एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। मैदान का कोई भी कोना होप के प्रहारों से अछूता नहीं रहा। दूसरे छोर पर उनकी मदद जानसन चार्ल्स (15) और निकोलस पूरन (27 नाबाद) ने की। चार्ल्स के आउट होने के बाद क्रीज पर आये पूरन के दमदार प्रहारों का अमेरिकी गेंदबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होने अपनी 12 गेंदों की संक्षिप्त पारी में उनके तीन जानदार छक्के देखने लायक थे।

अब तक के टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बल पर सुर्खियां बटोरने वाले अमेरिकी खिलाड़ी कैरिबियाई द्वीप में खुद को असहाय महसूस कराते नजर आये। टीम के आधे खिलाड़ी अपना निजी योगदान दो अंकों में करने में लाचार दिखे। ऐंड्रियस गौस (29) और नीतिश कुमार (20) ने कुछ जानदार शाट्स खेल कर अमेरिका का दमखम दिखाने का प्रयास किया मगर उनके आउट होने के बाद मिलिंद कुमार (19),शैडली वान शाल्कविक (18) और अली खान (14 नाबाद) ही कुछ समय के लिये वेस्टइंडीज के गेंदबाजों का सामना कर सके।

मार्क जोथनपुइया तीन साल के करार के साथ ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े

नई दिल्ली, 22 जून। ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को भारत के उभरते हुए अंडर-23 खिलाड़ी मार्क जोथनपुइया के साथ तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह करार 2026-27 सत्र के आखिर तक प्रभावी रहेगा। जोथनपुइया

के पास मिडफील्ड और रक्षापंक्ति दोनों जगहों पर खेलने की क्षमता हैं। ईस्ट बंगाल एफसी परिवार में जोथनपुइया का स्वागत करते हुए इमामी समूह के विभाष वर्धन अग्रवाल ने कहा, "मार्क भारत के सबसे बहुमुखी युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने की कोशिश करेंगे।" इमामी समूह ईस्ट बंगाल एफसी में बहुलांश हितधारक है। मिजोरम के इस खिलाड़ी के पास एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीमलिए 2020-21 सत्र में खेलने का अनुभव है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल का खिताब जीतने वाली इस टीम का हिस्सा थे। उन्होंने इस करार पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, "ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। कोलकाता भारतीय फुटबॉल का मक्का है और मैं ईस्ट बंगाल के प्रशंसकों से अद्भुत समर्थन का अनुभव करने के लिए इंतजार कर रहा हूं।

भारत के सुमित को टेनिस में ओलिंपिक कोटा मिला

नई दिल्ली, 22 जून। सुमित नागल ने पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इसकी पुष्टि उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर की। नागल के अलावा रोहन बोपन्ना भी डबल्स के

लिए ओलिंपिक कोटा हासिल कर चुके हैं। वह अपने पसंद के पार्टनर एन श्रीराम बालाजी के साथ पेरिस में खेलते नजर आएंगे। टेनिस के लिए पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन विंडो सोमवार को समाप्त हो गई। जिसके बाद नागल और बोपन्ना ने कोटा हासिल कर लिया। नागल दो बार ओलिंपिक में टेनिस सिंगल्स में कोटा हासिल करने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले लिएंडर पेस ही ओलिंपिक में टेनिस सिंगल्स में कोटा हासिल करने वाले भारतीय खिलाड़ी रहे हैं। पेस 1996 में ओलिंपिक गेम्स में सिंगल्स में ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके हैं। नागल ने पेरिस ओलिंपिक के लिए कोटा से पहले 2020 टोक्यो ओलिंपिक में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

असफलताओं से उबरने के लिए मैं दृढ़ संकल्पित हूं : मीराबाई चानू

मीराबाई चानू की नजर पेरिस ओलंपिक पर

पटियाला, 22 जून। चोट से उबरने के बाद प्रसिद्ध भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू पेरिस ओलंपिक में विजयी वापसी के लिए कमर कस रही हैं। एशियाई खेलों में असफलता के बाद विश्व कप में अपनी हालिया वापसी पर बातचीत करते हुये मीराबाई ने कहा एशियाई खेलों में चोट लगने के बाद, विश्व कप मेरी पहली प्रतियोगिता थी। मैं निश्चित रूप से एक और चोट लगने को लेकर आशंकित थी।

उन्होंने यहां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई मीडिया) से कहा, मैं पेरिस के लिए अपनी संभावनाओं को खतरे में नहीं डालना चाहती थी। चोटों से निपटना और तनाव मुक्त मानसिकता बनाए रखना मेरे लिए महत्वपूर्ण है। पेरिस की राह चुनौतियों से रहित नहीं रही, क्योंकि मीराबाई ने अपने खेल में सावधानीपूर्वक प्रशिक्षण और चोट की रोकथाम के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया, "भारोत्तोलन व्यापक प्रशिक्षण की मांग करता है। प्रत्येक मांसपेशी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और भारी वजन उठाने के लिए ताकत बनाए रखना महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में निरंतरता महत्वपूर्ण है। एक भी दिन छोड़ने से मेरी प्रगति में काफी कमी आती है।

उन्होने कहा कि असफलताओं से उबरने का उनका दृढ़ संकल्प स्पष्ट था। उन्होंने अफसोस जताते हुये कहा हांगझाउ एशियाई खेल में करीब होने के बावजूद, एक असामयिक चोट ने मेरी प्रगति रोक दी। हालांकि, असफलताएं भारत के लिए और मजबूत होकर वापसी करने के मेरे दृढ़ संकल्प को बढ़ावा देती हैं। मीराबाई पेरिस का इंतजार कर रही हैं, जहां उनका लक्ष्य टोक्यो में रजत पदक जीतने के बाद अपनी क्षमता में इजाफा करना है। उन्होंने कहा, मैं सभी भारतीयों के समर्थन और प्रार्थनाओं पर भरोसा करती हूं। आखिरकार, पेरिस में सफलता भाग्य से निर्धारित होगी। दूसरा ओलंपिक पदक हासिल करना मेरे और मेरे परिवार के लिए एक सपना पूरा होगा, लेकिन मैं खेल की अनिश्चितताओं को समझती हूं।

भारतीय महिला टीम की निगाहें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्लीन स्वीप करने पर

बेंगलुरु, 22 जून। पहले दो मैच में हर तरह की चुनौती का डटकर सामना करने वाली भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को जीतकर श्रृंखला में क्लीनस्वीप करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। भारत ने श्रृंखला का पहला मैच आसानी से जीता लेकिन दूसरे मैच में उसे कड़ा संघर्ष करना पड़ा। पहले मैच में भारतीय टीम ने पांच विकेट पर 99 रन के स्कोर से उबरकर 260 रन से अधिक का स्कोर बनाया था। भारतीय गेंदबाजों ने इसके बाद इस स्कोर का अच्छी तरह से बचाव किया। पिछले मैच में हालांकि लॉरा वोल्वार्ड्ट और मारिजान कैप ने शतक बनाकर भारतीय गेंदबाजों की नहीं चलने दी और अंतिम गेंद तक मैच को रोमांचक बनाए रखा। भारत के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। उन्होंने पहले दो मैच में 117 और 136 रन बनाए और इस तरह से लगातार दो वनडे मैच में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी। भारतीय उप कप्तान अपने इस रिकार्ड को और बेहतर करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पिछले मैच में 88 गेंद पर 103 रन बनाकरफॉर्म में वापसी की लेकिन सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा रन बनाने के लिए जूझ रही हैं जो भारतीय टीम प्रबंधन के लिए भी चिंता का विषय होगा।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या, 22 जून। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश भी दिन में कांस्य पदक का मुकाबला खेलेंगे। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

रोमांचक मुकाबले में आखिरी ओवर में दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को सात रन से हराया

ग्रॉस आइलेट, 22 जून। क्विंटन डिकॉक (65) और डेविड मिलर (43) रनों की शानदार पारियों और उसके बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को टी-20 विश्वकप के सुपर आठ ग्रुप दो के मुकाबले के आखिरी ओवर में इंग्लैंड को सात रन से हरा दिया है। 164 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। इंग्लैंड ने दूसरे ओवर में 15 के स्कोर पर अपना पहला विकट फिल सॉल्ट (11) के रूप में गवां दिया। उसके बाद 11वें ओवर में 61 स्कोर पहुंचने तक इंग्लैंड के तीन और बल्लेबा आउट हो गये। कप्तान जॉस बटलर (17), जॉनी बेयरस्टो (16) मोईन अली (9) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे सकंट के समय हैरी ब्रूक और लियम लिविंगस्टन ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई। 18वें ओवर में कगिसो रबाडा ने लियम लिविंगस्टन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। लिविंगस्टन ने 17 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए 33 रनों की पारी खेली। हैरी ब्रूक ने 37 गेंदों में सात चौकों की मदद से (51) रन बनाये। उन्हें एनरिच नॉर्टे ने 20वें ओवर की पहली गेंद पर आउट किया। यह मैच का टर्निंग प्वांइट साबित हुआ। इसके साथ ही इंग्लैंड के मैच जीतने की संभावनाएं धूमिल हो गई। सैम करन 10 रन बनाकर नाबाद रहे। इंग्लैंड 20 ओवर में छह विकेट पर 156 रन ही बना सका और सात रन से मुकाबला हार गया।

महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं, हम इससे सीखने की कोशिश करेंगे : दीप्ति

बेंगलुरु, 22 जून। भारतीय महिला टीम की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी। बता दें कि, भारत ने पहले दो मैच 143 और चार रन से जीतकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली है। दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।"

इस ऑफ स्पिनर ने पहले मैच में अपने ऑलराउंड कौशल का प्रदर्शन किया था करते

हुए महत्वपूर्ण 37 रन बनाए थे जिससे टीम पांच विकेट पर 99 रन की मुश्किल स्थिति से उबरने में सफल रही। उन्होंने इसके बाद मैच में दो विकेट भी चटकाए। दीप्ति ने कहा, "मुझे दबाव की स्थिति का सामना करना पसंद है। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है। मैं हमेशा टीम को जीत दिलाना चाहती हूं या टीम को जीत की स्थिति में पहुंचाना चाहती हूं, फिर चाहे वह मेरी बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। दोनों मैचों में भारत के शीर्ष क्रम ने धीमी शुरुआत की जिसके बाद बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में टीम ने तेजी से रन जुटाए। दीप्ति ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने श्रृंखला में अच्छा अनुकूलन कौशल दिखाया। उन्होंने कहा, "सलामी बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलीं। शुरुआती ओवरों में गेंद थोड़ी घूम रही थी और उन्होंने इसे ध्यान में रखकर खेला। उन्होंने अच्छी तरह से अनुकूलन किया।"

दीप्ति ने कहा, "10 से 12 ओवर के बाद हमने कुछ अच्छी साझेदारियां बनाईं। उन्होंने रन बनाने के हर अवसर का फायदा उठाया और यह हमारे लिए सकारात्मक है - जिस तरह से हमने बाद में इसका फायदा उठाया।" दीप्ति ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपने क्षेत्ररक्षण को सुधारने पर काम कर रहे हैं।

नीदरलैंड और फ्रांस ने गोलरहित ड्रॉ पर बांटे अंक

लीपज़िग, 22 जून। यूरो 2024 के ग्रुप डी के एक करीबी मुकाबले में नीदरलैंड और फ्रांस ने शनिवार को यहां गोल रहित ड्रॉ खेला और अंक बांट लिये। ग्रुप डी में दोनों टीमें अब चार अंकों के साथ शीर्ष पर हैं और शीर्ष पर बने रहने की यह जंग ग्रुप के अंतिम मैच तक जारी रहेगी। दोनों टीमों ने मैच के दौरान लचीली और रक्षात्मक शैली अपनायी। नीदरलैंड के कप्तान वर्जिल वान डिज्क ने प्रभावित किया और फ्रांस के शक्तिशाली आक्रमण को बेअसर कर दिया। मगर गोलकीपर माइक मेगनन ने शानदार बचाव किया। बाद में फ्रांस ने पलटवार किया हालांकि एंटोनी ग्रीज़मैन ने एक सुनहरा मौका गंवा दिया और मार्कस थुरम भी गोल करने में असफल रहे, जिससे पहला हाफ गोल रहित हो गया।

गिलक्रिस्ट के स्तर तक पहुंचने के लिए लम्बा रास्ता तय करना होगा पंत को : इयान स्मिथ

ग्रॉस आइलेट, 22 जून। न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर इयान स्मिथ का मानना है कि ऋषभ पंत की एडम गिलक्रिस्ट के साथ तुलना करना अभी जल्दबाजी होगी लेकिन उन्होंने कहा कि अगर भारत का विकेटकीपर बल्लेबाज अपनी वर्तमान फॉर्म को जारी रखता है तो वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी के करीब पहुंच सकता है। स्मिथ स्वयं भी विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं और पंत ने कार दुर्घटना से उबरने के बाद जिस तरह से वापसी की है उससे काफी प्रभावित हैं। पंत ने इंडियन प्रीमियर लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप में भी वह विकेट के आगे और विकेट के पीछे अपनी भूमिकाओं को अच्छी तरह से निभा रहे हैं। पंत को वर्तमान समय में विश्व क्रिकेट के सबसे प्रतिभाशाली क्रिकेटरों में गिना जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट शतक लगाए हैं लेकिन गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना होगा जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 15000 से अधिक रन बनाने के साथ 800 से अधिक कैच लिए हैं। टी20 विश्व कप में कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे स्मिथ ने कहा, "ऋषभ पंत ने दुर्घटना के बाद दमदार वापसी की है और वह बेहतरीन फॉर्म में दिख रहा है। वह बेहद कुशल खिलाड़ी है। वह आक्रामक है, वह खतरनाक खिलाड़ी है।" गिलक्रिस्ट की तरह पंत ने भी दिखा दिया है कि वह प्रत्येक प्रारूप में किसी भी क्रम में बल्लेबाजी

कर सकते हैं। टी20 विश्व कप में उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा जा रहा है और उन्होंने अभी तक इस फैसले को सही साबित किया है। स्मिथ ने कहा, "वह किसी भी खिलाड़ी का अच्छी तरह से साथ निभा सकते हैं फिर चाहे वह विराट कोहली हो या रोहित शर्मा। इसलिए उन्हें तीसरे नंबर पर उतारने का फैसला सही है क्योंकि मेरा मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को अधिक गेंदों का सामना करने का मौका मिलना चाहिए। यही वजह है जिससे कि वह विशेष बन जाता है।" उन्होंने कहा, "वह पहली गेंद को ही हिट कर सकता है और उसे सीमा रेखा के पास पहुंचा सकता है। उसके पास रन बनाने के अन्य विकल्प भी हैं। उसने केएल राहुल जैसे अच्छे खिलाड़ी की जगह ली है। केएल राहुल विश्व स्तरीय क्रिकेटर है और उसकी जगह लेना काफी मायने रखता है।" इस 26 वर्षीय क्रिकेटर की गिलक्रिस्ट से तुलना करने के लिए हालांकि अभी इंतजार करना होगा। स्मिथ ने कहा," गिलक्रिस्ट की बराबरी पर पहुंचने के लिए उसे अभी काफी रास्ता तय करना होगा। दोनों एक तरह के ही क्रिकेटर हैं जो टेस्ट क्रिकेट में निचले क्रम और सीमित ओवरों की क्रिकेट में ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इसलिए उसमें और गिलक्रिस्ट में समानता है। अगर वह आगे कुछ वर्षों तक इसी तरह से खेलता रहा तब लोग कहेंगे कि गिलक्रिस्ट और पंत एक दूसरे के काफी करीब हैं।

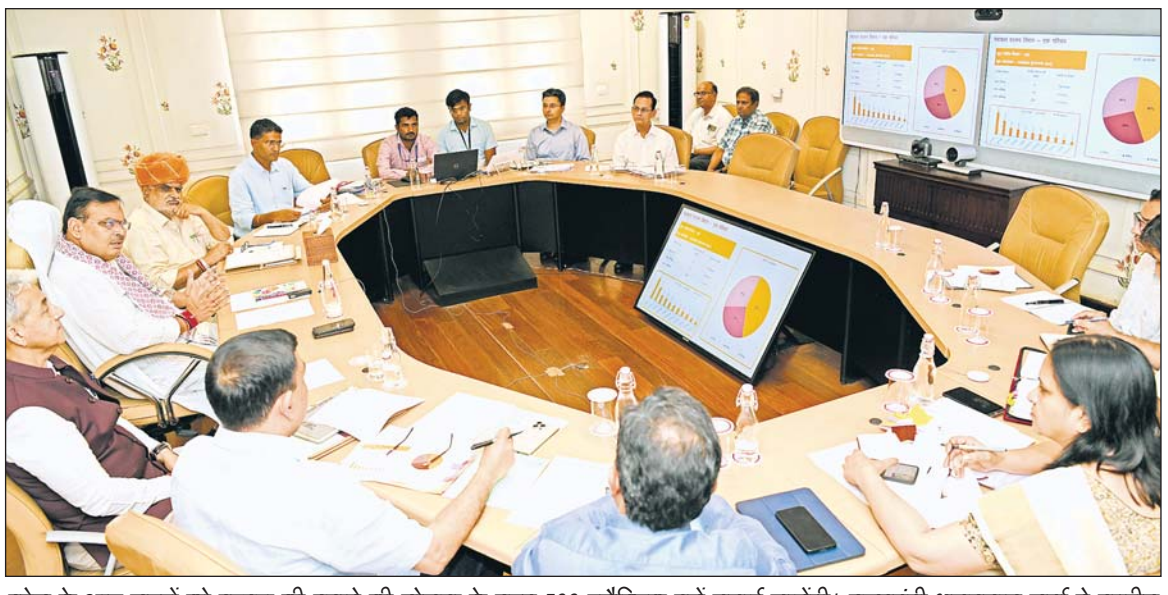

प्रदेश के आठ शहरों को प्रदूषण फ्री बनाने की योजना के तहत 500 इलैक्ट्रिक बसें चलाई जायेंगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ शनिवार को हुई समीक्षा बैठक में कई नवीन योजनायें संचालित करने व पुरानी योजनाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिये। इसके अलावा बैठक में 106 स्थानों पर 223 करोड़ रूपये की लागत से सॉलिड वेस्ट प्रोसैसिंग प्लांट तैयार करने का भी निर्णय लिया गया।

'हाईटैक सिटी के निर्माण के लिए जे.डी.ए. कार्ययोजना बनाए'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह भी कहा कहा कि, नगर निकायों में संचालित विकास परियोजनाओं को समय से पूरा करें

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि, शहरी क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए आरंभ की गई प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत राजस्थान में 8 शहरों में 500 बसें चलाई जाएंगी।**
- **बैठक में नगर विकास एवं स्वायत्त शासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत सहित अन्य बड़े अधिकारी मौजूद थे।**

जयपुर, 22 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया और उन्होंने प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में उपलब्ध संपत्ति का उपयोग कर अपनी आय बढ़ाने हाईटैक सिटी निर्माण के लिए जे.डी.ए. को कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने स्वायत्त शासन विभाग को नगरीय विकास कर संग्रहण प्रणाली को बेहतर बनाकर राजस्व आय बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के शहरी निकायों में विकास कार्यों व योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आमजन की जरूरत के अनुसार विकास परियोजनाओं के माध्यम से आधारभूत ढांचे विकसित किए जा रहे हैं। पानी, बिजली, सड़क की सहज उपलब्धता के जरिए संस्थागत रूप से शहरी विकास को सुनिश्चित किया जा रहा है।

शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बनाए जाने वाले आवासों के लिए केन्द्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर स्वीकृति जारी करवाएं। उन्होंने प्रदेश में चल रही केन्द्र व राज्य सरकार की संयुक्त वित्त पोषित परियोजनाओं को समय से पूरा करने के लिए राज्य सरकार के अंशदान को निश्चित समय से जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने, चल रहे विकास कार्यों का भी समय-समय पर सत्यापन कराने और विकास कार्यों की डेली रिपोर्ट तैयार करने के भी निर्देश दिए और अमृत 2.0 योजना के रिव्यू करने के लिए नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव को कहा।

शहरी क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा प्रारंभ की गई है। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस योजना के तहत राजस्थान के 8 शहरों (जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, अजमेर, भीलवाड़ा, अलवर और बीकानेर) में कुल 500 ई-बसों को चलाने की योजना को जल्द मूर्तरूप देने के निर्देश दिए। श्री अन्नपूर्णा रसोई योजना के तहत प्रदेश में कुल 2 करोड़ 56 लाख 86 हजार 708 जरूरतमंद लोग लाभान्वित हुए हैं। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत प्रदेश में जनवरी 2024 से अब तक 33 हजार लोगों को लोन मिल चुका है।

मुख्यमंत्री ने बैठक में जयपुर विकास प्राधिकरण की पूर्ण एवं प्रगतिरत विकास परियोजनाओं समीक्षा की। शर्मा ने जेडीसी मंजू राजपाल को निर्देशित किया कि सैक्टर रोड़ बनाने के कार्य में तीव्रता लाई जाए। उन्होंने हाइटैक सिटी के निर्माण के लिए जे.डी.सी. को कार्ययोजना तैयार करने, एयरपोर्ट से टोंक रोड एवं आगरा रिंग रोड कनैक्टिविटी व रेलवे स्टेशन से सीकर रोड तक कनैक्टिविटी के लिए एलिवेटेड रोड का प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, आयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार इन्द्रजीत सिंह सहित नगरीय विकास व आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बजरी कारोबारी मेघराज सिंह के ठिकानों पर सी.बी.आई. के छापे

सी.बी.आई. की टीमों ने जयपुर, भीलवाड़ा, टोंक, सवाईमाधोपुर, नागौर, भरतपुर सहित 14 ठिकानों पर कार्रवाई की

- **चार महीने पहले भी ई.डी. की टीम ने मेघराज सिंह के ठिकानों पर कार्रवाई की थी।**
- **हालांकि, मेघराज सिंह ने मीडिया में अपना नाम आने के बाद एक लेटर जारी कर अपने किसी भी ठिकाने पर सी.बी.आई. की रेड से इंकार किया है।**

जयपुर/टोंक/भीलवाड़ा, 22 जून (निसं)। सैन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सी.बी.आई.) ने बजरी कारोबारी मेघराज सिंह रॉयल (मेघराज ग्रुप) के अलग-अलग 14 ठिकानों पर शनिवार को छापेमारी करते हुए कई दस्तावेज सहित अन्य वस्तुयें जब्त की है। सी.बी.आई. की टीम जयपुर में ग्रुप के दो सौ फीट बायपास के पास स्थित ऑफिस समेत चौदह ठिकानों पर छापेमारी है। इनमें मेघराज सिंह के घर, चौमूं सर्किल स्थित ऑफिस, टोंक, भीलवाड़ा, भरतपुर, सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा और नागौर स्थित ऑफिस भी शामिल हैं। ऑफिस में मौजूद सभी कागजों की जांच की जा रही है।

सूत्रों के अनुसार एन्फोसेमैन्ट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) को इस केस में मेघराज सिंह ग्रुप के खिलाफ कई सबूत मिले थे। इसके बाद ई.डी. ने दिल्ली ऑफिस में मेघराज सिंह सहित ग्रुप के अन्य लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था। अधिकांश लोग ई.डी. कार्यालय नहीं पहुंचे थे। इसके बाद इस केस पर आगे कार्रवाई के लिए सी.बी.आई. ने प्लान बनाया। दोनों एजेंसियां इस केस पर अलग-अलग एंगल से काम कर रही हैं। इसी के तहत सी.बी.आई. इस ग्रुप पर कई समय से नज़र बनाए हुए थी। छापेमारी के दौरान भीलवाड़ा में लीज धारक संजय गर्ग के कार्यालय पर कार्रवाई की। इसी तरह टोंक जिले के धांधोली स्थिति एस.आर. एसोसिएट्स के ऑफिस में भी कार्रवाई की गई है। सी.बी.आई. ने अपनी तीसरी कार्रवाई जहाजपुर में शेखावत एसोसिएट के ऑफिस में की। सी.बी.आई. के अधिकारी सभी ठिकानों पर लगातार तलाशी अभियान चलाकर पूछताछ करने में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि, छापे में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, 20 लाख रुपए नकद और हथियार मिले हैं।

भीलवाड़ा संवाददाता के अनुसार:- भीलवाड़ा में भी सी.बी.आई. ने सुखड़िया नगर के दफ्तर पर चार घंटे तक जांच पड़ताल की। इसके अलावा उसके सुखाड़िया सर्किल के पास स्थित आवास में चल रहे दफ्तर पर रेड की। जहां करीब 8 घंटे तक सी.बी.आई. के अधिकारियों ने जांच पड़ताल की। हालांकि, मेघराज सिंह ने मीडिया में अपना नाम आने के बाद एक लेटर जारी कर अपने ठिकानों पर सी.बी.आई. की रेड से इंकार किया है। मेघराज सिंह ने पत्र में लिखा कि मेरे या मेरे किसी भी परिसर में सी.बी.आई. की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई हैं। उधर, सी.बी.आई. की इस कार्रवाई से बजरी माफियाओं में हड़कम्प पर मच गया हैं। इसके बाद से सभी इधर-उधर हो गए हैं।

गौरतलब है कि, चौदह फरवरी को मेघराज ग्रुप के ठिकानों पर ई.डी. ने भी छापेमारी की थी। जयपुर समेत पचास जगहों पर ई.डी. की टीम ने रेड की थी। इस दौरान ई.डी. के अधिकारियों ने डिजिटल सबूत, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क और 35 लाख की नकदी सीज की थीं तीन दिन चली इस रेड में मेघराज सिंह से ई.डी. का संपर्क नहीं हो पाया था। मेघराज के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन वो नहीं मिला था। उल्लेखनीय है कि, प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2020 में सियासी संकट के वक्त मेघराज सिंह के जैसलमेर स्थित सूर्यगढ़ होटल में कांग्रेस नेताओं की बाड़ेबंदी की गई थी। तभी से ये ग्रुप जांच एजेंसियों की नजर में था।

कर्नाटक की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवाएं ली थीं। प्रधानमंत्री मोदी तक ने अपने "विज़न-2024" का ब्ल्यू प्रिंट तैयार करवाने में बी.सी.जी. की मदद ली थी। उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकारें व एन.जी.ओ. भी फीडबैक व सूचना प्राप्त करने तथा अपने सिस्टम में सुधार की नवीनतम तकनीकों को लेकर उनकी सलाह लेते हैं। राव ने कहा कि "यदि विजेन्द्र बेवकूफी भरी बातें करते हैं तो सिर्फ इसलिए कि उनमें ज्ञान की कमी है। हम इतना ही कह सकते हैं।" कर्नाटक की कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार ने अपनी राजस्व प्राप्तियों में इजाफा करने के सुझाव मांगने के लिए हाल ही एक कन्सलटैंसी फर्म बी.सी.जी. की सेवाएं ली हैं।

क्या टी.एम.सी. व कांग्रेस में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मार्केट में गड़बड़ी करने के आरोपों के चलते इसके खिलाफ एस.ई.बी.आई (सेबी) से जांच कराने की मांग को लेकर संयुक्त रूप से किए जाने वाले प्रदर्शन में शामिल होने को लेकर मुम्बई में शरद पवार से मुलाकात की थी।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस गड़बड़ी के मुद्दे को उठाया था और कुछ दिन पूर्व आयोजित की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस गडबड की जांच जे.पी.सी. से कराने की मांग की थी। हालांकि टीएमसी के नेताओं ने कहा कि मुम्बई में होने वाले इस प्रदर्शन में कांग्रेस को शामिल नहीं किया जाए। अब ऐसा प्रतीत होता है कि पिछले कुछ दिनों में परिस्थितियां काफी कुछ बदल गई है। हाल ही के दिनों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदम्बरम कलकत्ता के राज्य सचिवालय में मुख्य मंत्री से मिलने गए। समझा जाता है कि यहां उन्होंने ममता बनर्जी से प्रियंका के लिए वायनाड में चुनाव प्रचार करने का अनुरोध किया है। संयोगवश, अधीर रंजन चौधरी, जो पश्चिम बंगाल की मुख्य मंत्री के तथाकथित आलोचक के रूप में जाने जाते हैं, के तेवर भी अब नरम पड़ गए लगते है। कुछ दिन पहले ही चौधरी ने स्पष्ट किया था मुख्यमंत्री के साथ उनके मतभेद राजनीतिक थे, व्यक्तिगत नहीं थे। उन्होंने आगे बताया कि वर्ष 2011 में विधान सभा चुनावों से पहले उन्होंने सोनिया गांधी को सलाह दी थी कि वामपंथियों से चुनावों में मुकाबला करने के लिए टीएमसी के साथ गठबंधन कर लेना चाहिए उस समय इस बात पर जोर देकर कहा था कि बंगाल में ममता बनर्जी सबसे विश्वसनीय चेहरा हैं।

नीट पी.जी. प्रवेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में अनियमितताओं की घटनाओं को देखते हुए इस परीक्षा को टालने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को जांच परखा रखा जाएगा और नई तिथियां की घोषणा जल्दी की जाएगी।

सूरसागर सांप्रदायिक उपद्रव मामला : पांच थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगाई, 45 उपद्रवी गिरफ्तार

सूरसागर क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह की दीवार के पास दो दरवाज़े अवैध रुप से निकाले जाने को लेकर शुक्रवार की रात बवाल हो गया था

- **मामला इतना बढ़ा कि, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया और दुकान व ट्रैक्टर में आग लगा दी।**
- **समझाइश कर रहे पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं, पुलिस ने लाठीचार्ज किया, पथराव में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एस.एच.ओ. नितिन दवे भी घायल हो गए।**

जोधपुर, 22 जून (कासं)। शहर के सूरसागर क्षेत्र में ईदगाह की दीवार के पास दो दरवाजे अवैध रुप से निकाले जाने को लेकर शुक्रवार की रात हुए बवाल के बाद शनिवार को स्थिति तनावपूर्ण मगर कंट्रोल रही। पुलिस ने सख्ती करते हुए सूरसागर, प्रतापनगर, प्रतापनगर सदर, देव नगर और राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र में 22 जून सुबह छह बजे से आगामी आदेश तक धारा 144 लगाई है।

डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि वृत प्रतापनगर के पांच थाना क्षेत्रों में धारा 144 लगाई गई है। शुक्रवार रात उपजे सांप्रदायिक तनाव के बाद पुलिस अब तक 200 लोगों पर मुकदमा दर्ज कर 45 उपद्रवियों को गिरफ्तारी कर चुकी है। पुलिस के आला अधिकारी कल रात से ही सूरसागर क्षेत्र में डेरा डालकर बैठे हैं और क्षेत्र में आरएसी और एसटीएफ की बटालियन पुलिस जाब्ते के साथ तैनात है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार रात को मावडियों की घाटी क्षेत्र में स्थित एक ईदगाह परिसर में अवैध रास्ता खोलने के विवाद को लेकर दो पक्षों में बढ़े विवाद ने हिंसा का रूप ले लिया था। मौके पर जमकर कांच की बोतलें फेंकी गई और पत्थरबाजी की गई। एक दुकान को जला दिया गया। बवाल की सूचना मिलते ही पुलिस और रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने मौके पर पहुंच स्थिति को नियंत्रित किया। वहीं, प्रशासन ने निगम की टीम को बुलाकर मौके से कांच और पत्थर हटवाए। फिलहाल स्थिति तनावपूर्ण है लेकिन नियंत्रण में है। पुलिस फोर्स इलाके में गश्त कर रही है। लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई है। सूरसागर क्षेत्र में हुए साम्प्रदायिक तनाव को लेकर कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी भी दोषी को नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने जोधपुर को अपनायत का शहर बताते हुए दोनों पक्षों से की शांति बनाए रखने की अपील की।

शहर विधायक अतुल भंसाली और सूरसागर विधायक देवेंद्र जोशी ने भी घटना स्थल पर पहुंच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने अलग-अलग गली मोहल्ले में मार्च किया। आमजन और पुलिस पर पथराव करने वाले उपद्रवियों की पुलिस ने धरपकड़ करनी शुरू की तो आरोपियों के परिवार जनों ने आक्रोश जताया। एडीसीपी नरपत और निशांत, लाभूराम व राजेन्द्र दिवाकर भी मौके पर है। बताया जाता है कि ईदगाह का गेट निकालने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद आगजनी-पथराव में बदल गया। मामला इतना बढ़ा कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया और दुकान व ट्रैक्टर में आग लगा दी। इस बीच समझाइश कर रहे पुलिसकर्मियों को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और करीब 15 आरोपियों को हिरासत में लिया। पथराव में चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एस.एच.ओ. नितिन दवे भी घायल हो गए।

एन.टी.ए. प्रमुख को सरकार ने पद से हटाया

- **केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पेपर लीक की जांच एन.टी.ए कार्यप्रणाली में कमियों को ढूंढने एवं परीक्षाओं सुधार के सुझाव देने उच्चस्तीय समिति गठित की।**
- **इस समिति का प्रमुख इसरो के पूर्व प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन को बनाया गया है।**

नई दिल्ली, 22 जून। नीट-यू.जी और यू.जी.सी.-नेट परीक्षाओं के आयोजन में अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर नैशनल टैस्टिंग एजेंसी के प्रमुख सुबोध कुमार सिंह को शनिवार रात उनके पद से हटा दिया गया। उन्हें कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में प्रतीक्षा पर रखा गया है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नियमित एन.टी.ए. प्रमुख की नियुक्ति होने या अगले आदेश तक उनके स्थान पर 1985 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी प्रदीप सिंह करोला को नियुक्त किया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) का शीर्ष नेतृत्व प्रतियोगी परीक्षाओं-नीट और नेट में कथित अनियमितताओं को लेकर जांच के दायरे में है। पेपर लीक को अब कैसे रोका जाए पेपर लीक, क्या होने चाहिए सुधार? इसको लेकर एक समिति गठित की गई है। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एन.टी.ए.) के माध्यम से परीक्षाओं का पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व प्रमुख के. राधाकृष्णन के नेतृत्व में विशेषज्ञों की एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है। डॉ. के राधाकृष्णन आईआईटी कानपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

पैनल में दिल्ली स्थित एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति बी.जे. राव, आईआईटी दिल्ली में छात्र मामलों के डीन आदित्य मित्तल और आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के पूर्व प्रोफेसर राममूर्ति के. शामिल हैं।

मु.मंत्री नायडू ने जगन मोहन रेड्डी की पार्टी का कार्यालय ध्वस्त करवाया

अमरावती, 22 जून। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाय.एस. जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाय.एस.आर.सी.पी. का कार्यालय शनिवार सुबह विजयवाड़ा के ताडेपल्ले जिले में ध्वस्त कर दिया गया। ऑफिस को गिराने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया गया। इसके तुरंत बाद वाय.एस.आर.सी.पी. ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी तेलुगु देशम पार्टी पर प्रतिशोध की राजनीति करने का आरोप लगाया। वाय.एस.आर.सी.पी. के अनुसार, सत्तारुढ़ तेलगू देशम पार्टी (टी.डी.पी.) प्रतिशोध की राजनीति कर रही है। वाय.एस.आर.सी.पी. ने हाईकोर्ट का दरवाया खटखटाया है।

भजनलाल पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने...

- **यही स्थिति तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गृह क्षेत्र जोधपुर व शांति धारीवाल के गृह नगर कोटा की हैं, जहां भारी अतिक्रमण की घटनाएं हुई हैं।**
- **इसके विपरीत मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार ने अपने क्षेत्र सांगानेर में 100 फीट सैक्टर रोड को लगभग अतिक्रमण मुक्त कर दिया, किसी भी तरह के राजनैतिक दबाव में आए बिना।**

सरकार ने राजधानी जयपुर में अतिक्रमणों को हटाने की कवायद शुरु कर दी है। इसकी शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने निर्वाचन क्षेत्र सांगानेर से ही की है। गत 19 जून को सांगानेर में 251 अतिक्रमणों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया गया।

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टुकडे करके जब जयपुर ग्रेटर और जयपुर हैरिटेज नगर निगम बनाया गया, तो परकोटे का अधिकांश एरिया हैरिटेज निगम में था, हैरिटेज निगम के चारों विधायक रफीक खान, अमीन कागजी, महेश जोशी और प्रताप सिंह खाचरियावास निगम में वर्चस्व बनाने के लिए अपने-अपने चहेते पार्षदों को बिल्डिंग, राजस्व, अतिक्रमण और लाइसेंस से जुड़ी समितियों को चेयरमैन बनाना चाहते थे, पर कांग्रेस महापौर मुनेश गुर्जर भी अपनी पावर किसी के साथ साझा नहीं करना चाहती। नतीजन "चेयरमैनशिप" की इस लड़ाई में पार्षद और कांग्रेस के विधायक उलझ कर रह गए, इसलिए अवैध निर्माणों पर कार्रवाई नहीं हुई।

गहलोत सरकार में कांग्रेस के विधायकों ने अपने अपने नगर निगम जोन ऑफिस में उपायुक्त से लेकर बिल्डिंग शाखा के अफसर भी अपनी पसंद के ही लगाए, इसलिए अतिक्रमणों की बाढ़ आ गई। जयपुर ही नहीं जोधपुर और कोटा में भी अतिक्रमण हटाने की कोई बडी कार्रवाई पिछले 5 साल में नहीं हुई। वर्तमान में भाजपा सरकार के नेतृत्व में जयपुर शहर के तमाम प्रमुख रास्तों टोंक रोड, मानसरोवर, गोपालपुरा बायपास, सिरसी रोड, कालवाड़ रोड, झोटवाड़ा, स्टेशन रोड, कलेक्ट्री से एम.आई.रोड, चांदपोल रोड, जयपुर परकोटा, आदर्श नगर, राजापार्क इलाके में अवैध अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु होने जा रहा है, जिसकी शुरुआत मुख्यमंत्री भजनलाल अपने चुनाव क्षेत्र सांगानेर से कर चुके हैं।

जे.डी.ए. प्रशासन द्वारा गत 18 जून से हीरा पथ बी 2 बाईपास न्यू सांगानेर रोड से वन्देमातरम् मार्ग तक प्रस्तावित 100 फीट सेक्टर रोड में करीब 2.5 कि.मी. तक रोड सीमा में किये गये अवैध अतिक्रमणों हटाया जा रहा है। राजस्थान हाईकोर्ट भी जयपुर शहर में अवैध अतिक्रमण हटाने का एक्शन प्लान जेडीए और नगर निगम से मांग चुका है। जे.डी.ए. के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन महेंद्र कुमार शर्मा के मुताबिक 18 जून को पृथ्वीराज नगर (दक्षिण), सभी उपनियंत्रक प्रवर्तन और ज़ोन 1, 8 व 14 के प्रवर्तन अधिकारियों ने वन्देमातरम् चौराहा से हीरापथ बी 2 बाईपास, न्यू सांगानेर रोड की दोनों तरफ तक करीब 1 कि.मी.के दायरे में मकान, दुकान व बाउण्ड्रीवाल एवं अस्थाई झुग्गी-झोपडियों के 85 अतिक्रमणों को जेसीबी, पोकलेण्ड मशीन व लोखण्डा गैस कटर की सहायता से हटाया।

इसके बाद 19 जून को इस कार्यवाही को जारी रखते हुए करीब 800 मीटर आगे तक रोड सीमा में लगभग 70 मकान-दुकानों के किये गये अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को ध्वस्त किया। 20 जून को भी करीब 700 मीटर दूरी में लगभग 70 मकान-दुकानों के किये गये अवैध कब्जों-अतिक्रमणों को हटाया। अब तक कुल 251 में से लगभग 225 कब्जे-अतिक्रमण इन तीन दिनों में हटाए गए हैं, शेष पर कार्यवाही जारी है। न्यू सांगानेर रोड पर हो रही यह कार्रवाई, जयपुर शहर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बसने वाले अतिक्रमियों को स्पष्ट चेतावनी के तौर पर देखी जा रही है, जिसका सीधा सा मैसेज है कि "अतिक्रमण करने वालों को भजनलाल सरकार किसी सूरत में नहीं बख्शने वाली।"

नाबालिग से बार-बार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

3.25 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इस प्रकरण में अन्य आरोपी रिछपाल, कृष्णा, सुरज्ञान और घनश्याम के खिलाफ अलग से ट्रायल चल रही है। अपराध में दीपक और मुकेश की भूमिका को लेकर जांच लंबित है। अदालत ने कहा कि अभियुक्तों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म जैसा घृणित अपराध किया उसे ब्लैकमेल कर पैसे और गहने हड़प लिए। अभियुक्तों ने पीड़िता को मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक आघात पहुंचाया है। इसलिए अभियुक्तों के खिलाफ नरमी का रुख नहीं अपनाया जा सकता।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने बताया कि घटना को लेकर पीड़िता ने 26 सितंबर, 2019 को रेनवाल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि पवन कुमार ने चार साल पहले उसके भाई से जान-पहचान की थी। इसके तीन माह बाद पवन उसे किसी खग बाबा के यहां मिला और वहां से बहला-फुसलाकर ले गया और दुष्कर्म के बाद वीडियो बना लिया। इसके बाद पवन ने उसके साथ कई बार संबंध बनाए। वहीं कुछ दिनों बाद हंसराज से भी दुष्कर्म कराया।

हंसराज ने भी वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल किया और उसकी मां व दादी के सारे जेवरात व दस हजार रुपए भी ऐंठ लिए। रिपोर्ट में कहा गया कि अभियुक्तों ने उसे कृष्णा, घनश्याम, छोटू और दीपक सहित अन्य लोगों के सुपुर्द भी किया उन्होंने भी उसके साथ दुष्कर्म किया तथा उसके मोबाइल नंबर कई दूसरे लोगों को भी दे दिए। अब अभियुक्त उसकी छोटी बहन से संबंध बनवाने के लिए ब्लैकमेल कर रहे हैं। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किए।

भाजपा ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उठाते हुए अवैध शराब करोबार को बढ़ावा देने में राज्य सरकार की कथित भूमिका को लेकर मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के इस्तीफे की मांग की।

कल्लाकुरिची के कलैक्टर ने बताया कि "इस प्रकरण में अब तक सात जने गिरफ्तार किए गए हैं और इस केस को तमिलनाडू पुलिस की सी.बी.आई.-सी.आई.डी. शाखा को सौंप दिया गया है। पीड़ितों को अच्छा से अच्छा उपचार दिया जा रहा है। शुरुआत में स्पेशल डॉक्टर्स काम पर लगाए गए। विभिन्न मैडिकल कॉलेजों के करीब 56 डॉक्टर्स को बीमारों के उपचार में लगाया गया है। कई पीड़ित, जिन्हें सांस लेने में दिक्कत थी, अब रिकवर हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि इस दुखान्तिका में जिन बच्चों ने अपने एक या दोनों अभिभावकों को खोया है, राज्य सरकार उनकी शिक्षा और हॉस्टल का खर्च वहन करेगी। उन्होंने इस दुखान्तिका के प्रत्येक मृतक के परिवार को 10 लाख रूपए और उपचाररत लोगों के लिए प्रत्येक 50 हजार रूपए देने के घोषणा भी की है।

उल्लेखनीय है कि गत 19 जून को हुए इस हादसे में एथेनॉल मिश्रित अवैध शराब पीने के बाद 50 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। तमिलनाडू सरकार मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व जज बी. गोकुलदास की अध्यक्षता में न्यायिक जांच का आदेश दिया है।

इंडिया गठबंधन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यकाल ज्यादा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजीजू ने बताया कि महताब को इसलिए इस पद के लिए चुना गया है क्योंकि निचले सदन के सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल निर्बाध रूप से सबसे लम्बा रहा है।

रिजीजू ने खुलासा किया कि यद्यपि सुरेश आठ बार के सांसद हैं परन्तु वे 1998 से 2004 तक लोकसभा के सदस्य नहीं थे इसलिए संसद के निचले सदन में उनका कार्यकाल निर्बाध नहीं रहा है।

कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने आठ बार के संसद सदस्य के. सुरेश को प्रो-टैम नहीं बनाकर सात बार के सांसद महताब को प्रो-टैम स्पीकर के लिए चुनकर "संसदीय परम्पराओं को नष्ट" किया है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908